24 मई 2025
शनिवार

डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

भोजपुर में गंगा नदी में डूबने से प्रेमी युगल की मौत, शव बरामद 3

आईफोन भारत में बने तो लगाएंगे 25% ट्रैरिफ

डोनाल्ड ट्रंप ने दी चेतावनी

एजेंसी/नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से बम गिराया है। उन्होंने सख्ती से कहा है कि एपल को अमेरिका में बिकने वाले आईफोनों को भारत या किसी दूसरे देश में नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर बनाना होगा। ऐसा न होने पर उन्होंने 25% टैरिफ लगाने की धमकी दी है। एपल ने इसे लेकर कोई भी कदम उठाया तो उसका भारत पर कई तरह से असर पड़ सकता है। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा, 'मैंने बहुत पहले ही एपल के टिम कुक को बता दिया था कि मैं चाहता हूं कि उनके आईफोन जो अमेरिका में बेचे जाएंगे, वे भारत या किसी अन्य जगह पर नहीं, बल्कि अमेरिका में ही बनें। अगर ऐसा नहीं होता है तो एपल को अमेरिका को कम से कम 25% का टैरिफ देना होगा। ट्रंप ने ये बातें तब कहीं हैं जब खबरें आई हैं कि एपल भारत में अपना उत्पादन बढ़ा रही है। ट्रंप ने पहले कहा था कि वह चाहते हैं कि ऐपल अमेरिका में ही उत्पादन करे। हालांकि, ट्रंप की अनदेखी करते हुए ऐपल ने भारत में क्षमता बढ़ाने का फैसला किया। चीन और वियतनाम जैसे अन्य प्रमुख मैन्युफैक्चरिंग हब के खिलाफ अमेरिका की ट्रेड वॉर के बाद से एपल भारत पर नजर रख रही है। फाइनेंशियल टाइम्स ने रिपोर्ट दी कि टेक दिग्गज अगले साल तक अमेरिका में बेचे जाने वाले सभी आईफोन की असेंबली को भारत में शिफ्ट करने पर विचार कर रही है।

एपल के अधिकारी बोले... कंपनी की निवेश योजनाएं बरकरार

ट्रंप की टिप्पणी के तुरंत बाद रिपोर्टें सामने आईं कि भारत पर एपल के फोकस में कोई बदलाव नहीं हुआ है। एपल के अधिकारियों ने भारतीय सरकारी अधिकारियों को आश्वासन दिया कि कंपनी की निवेश योजनाएं बरकरार हैं। देश एपल का एक प्रमुख मैन्युफैक्चरिंग बेस होगा। कुक घोषणा कर चुके हैं कि एपल जून तिमाही में अमेरिका में बेचे जाने वाले ज्यादातर आईफोनों को भारत से सोर्स करेगा, जबकि चीन टैक्स टैरिफ को लेकर अनिश्चितता के बीच अन्य बाजारों के लिए ज्यादातर डिवाइस का उत्पादन करेगा। इसका मतलब है कि अमेरिका में बिकने वाले आईफोन ज्यादातर भारत में बनेंगे। बाकी दुनिया के लिए ये फोन चीन में तैयार होंगे। ट्रंप चाहते हैं कि एपल अमेरिका में नौकरियां पैदा करे। इसलिए उनकी इच्छा है कि एपल अपने फोन अमेरिका में ही बनाए। एपल अभी भारत और चीन में अपने फोन बनाती है क्योंकि यह सस्ता पड़ता है। अगर एपल को अमेरिका में फोन बनाने के लिए मजबूर किया जाता है तो आईफोन महंगे हो सकते हैं।

साथी की जान बचाते हुए लेफ्टिनेंट शशांक बलिदान

नॉर्थ सिक्किम में हादसा

एजेंसी/गंगटोक-अयोध्या

उत्तर प्रदेश अयोध्या के रहने वाले लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी का बचपन से ही सेना में जाने का जज्बा था। नार्थ सिकिम्म में ऑपरेशन कांबिंग के दौरान उनका एक साथी नदी में गिर गया। वह तेज बहाव में बहने लगा। जिसे बचाने के लिए शशांक नदी में कूद गए। साथी को मौत के मुंह से खींच कर बाहर निकाल ले आए। लेकिन वह स्वयं को नहीं बचा सके। उन्होंने अपनी जान गंवा दी। शहीद लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी का पार्थिव शरीर शुक्रवार की शाम अयोध्या लाया गया। शनिवार को राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। शशांक घर के इकलौते बेटे थे। 2019 में उनका सिलेक्शन एनडीए में हुआ था। पिछले साल उनकी पहली पोस्टिंग सिक्किम में हुई। शशांक तिवारी मूल रूप से अयोध्या के कैंट थाना क्षेत्र के गांव मझवां गद्दोपुर के रहने वाले थे। उनके पिता जंग बहादुर तिवारी मर्चेंट नेवी में हैं और वर्तमान समय में वह अमेरिका में तैनात हैं। बेटे की मौत की खबर सुनते ही वह अमेरिका से भारत के लिए रवाना हो चुके हैं। बताया जाता है कि शशांक की मां हार्ट की पेशेंट हैं इसलिए उन्हें अब तक बेटे के मौत की खबर नहीं दी गई है। शशांक की बड़ी बहन दुबई में रहती हैं। लेकिन इस समय वह अयोध्या में है।

बचपन से ही सेना में जाकर देश की सेवा करने का जज्बा था: शशांक बचपन से ही पढ़ाई लिखाई में बहुत तेज थे। बचपन से ही सेना में जाकर देश की सेवा करने का जज्बा उनके भीतर था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा शहर केजिंगल बेल स्कूल से हुई। 2019 में उसने जेबीए एके-डमी से इंटरमीडिएट की परीक्षा पास की। इसके बाद उसका सिलेक्शन एनडीए में हो गया। महज

सीएम योगी ने की 50 लाख रुपये की सहायता की घोषणा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लेफ्टिनेंट शशांक तिवारी के बलिदान पर उन्हें नमन किया है। शुक्रवार को एक कार्यक्रम में रामनगरी पहुंचे सीएम ने स्वजन को 50 लाख रुपये की सहायता एवं परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की घोषणा की। इसके साथ बलिदानी की स्मृति को जीवंत रखने के लिए उनका स्मारक बनवाने की भी घोषणा की है।

23 वर्ष की आयु में लेफ्टिनेंट तिवारी ने भारतीय सेना की सर्वोत्तम परंपराओं को आत्मसात किया, अपने साथी की जान को अपनी जान से ऊपर रखा, सबसे आगे रहकर नेतृत्व किया, और सैन्य आचार व शौर्य के सर्वोच्च मानकों को निभाया। भारतीय सेना इस वीर और नेता की शहादत को शोकपूर्वक नमन करती है, जो अपने अल्प सेवा काल और युवा आयु के बावजूद ऐसा अद्वितीय साहस और साथ निभाने की मिसाल छोड़ गए हैं, जो आने वाली पीढ़ियों के सैनिकों को प्रेरित करती रहेगी।

खबरें फटाफट

भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी भेजे जाएंगे वापस

नई दिल्ली। भारत ने बांग्लादेश से स्पष्ट रूप से कहा है कि वह भारत में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई करेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिक हैं और इन्हें उनके देश वापस भेजा जाना जरूरी है। भारत ने बांग्लादेश से कहा है कि वह 2,369 लोगों की राष्ट्रीयता को वेरिफाई करे जिससे उन्हें उनके देश वापस भेजा जा सके। ये सभी लोग अवैध रूप से भारत में रह रहे हैं। रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत में रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों में से कई ऐसे हैं जो अपनी जेल की सजा पूरी कर चुके हैं और कुछ ऐसे लोग भी हैं जिनकी राष्ट्रीयता का वेरिफिकेशन अभी तक नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि यह काम 2020 से रुका हुआ है। उन्होंने बांग्लादेश की सरकार से अपील की कि वह वेरिफिकेशन की प्रक्रिया को तेज करे जिससे ऐसे लोगों को जिन्हें बांग्लादेश वापस भेजा जाना है उन्हें लेकर फैसला किया जा सके। जायसवाल ने कहा, हमारे यहां बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिक हैं, जिन्हें निर्वासित किया जाना जरूरी है।

कोटा में छात्रों के आत्महत्या के बढ़ते मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने की सुनवाई

राजस्थान सरकार को सुप्रीम फटकार पूछा- कोटा में बच्चे क्यों कर रहे सुसाइड

- सरकार की तरफ से पेश हुए वकील बोले- आत्महत्या मामलों की जांच के लिए किया गया था एसआईटी का गठन
- सर्वोच्च अदालत ने कहा कि इन चीजों को बिल्कुल भी हल्के में मत लीजिए, ये गंभीर हैं

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राजस्थान सरकार को कोटा में छात्रों द्वारा आत्महत्या के मामले बढ़ने पर जमकर फटकारा। सुप्रीम कोर्ट ने स्थिति को बेहद गंभीर बताया। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा कि इस साल अब तक कोटा में 14 छात्र-छात्राएं आत्महत्या कर चुके हैं। पीठ ने राजस्थान सरकार के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि आप बतौर राज्य क्या कर रहे हैं? क्यों कोटा में ही ये बच्चे आत्महत्या कर रहे हैं? क्या बतौर राज्य आप इस बारे में सोच भी नहीं रहे हैं? इस पर राजस्थान सरकार की तरफ से पेश हुए वकील ने बताया कि कोटा में छात्रों द्वारा आत्महत्या के मामलों की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया था। बीती 4 मई को आईआईटी खड़गपुर में पढ़ने वाले 22 वर्षीय छात्र ने अपने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। सुप्रीम कोर्ट ने इसी मामले पर सुनवाई करते हुए उक्त टिप्पणी की।

पीठ ने नीट की तैयारी कर रही एक छात्रा के आत्महत्या मामले पर भी सुनवाई की। छात्रा कोटा में अपने कमरे में फांसी के फंदे पर झूलती मिली थी। छात्रा अपने माता-पिता के साथ रह रही थी। अदालत ने आईआईटी खड़गपुर के छात्र की आत्महत्या के मामले में एफआईआर चार दिन की से देरी से दर्ज होने पर भी नाराजगी जाहिर की। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि 'इन चीजों को बिल्कुल भी हल्के में मत लीजिए, ये गंभीर चीजें हैं।' पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए फैसले का भी जिक्र किया, जिसमें छात्रों में ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए नेशनल टास्क फोर्स बनाने का निर्देश दिया था। साथ ही तुरंत एफआईआर दर्ज करने का भी निर्देश दिया।

तीसरे बच्चे के जन्म के लिए मातृत्व अवकाश से नहीं कर सकते इनकार

सुप्रीम कोर्ट ने नीतिगत रूप से प्रभाव छोड़ने वाले अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि मातृत्व लाभ महिला के प्रजनन अधिकारों का हिस्सा हैं और मातृत्व अवकाश उन लाभों का अभिन्न अंग है। इसके साथ ही शीर्ष कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें एक सरकारी शिक्षिका को यह कहते हुए तीसरे बच्चे के जन्म के लिए मातृत्व अवकाश देने से इनकार कर दिया गया था कि राज्य की नीति के अनुसार मातृत्व अवकाश लाभ दो बच्चों तक सीमित है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का देशव्यापी असर होगा। देश के अधिकांश राज्यों में सरकारी या निजी कार्यालयों में वेतन के साथ मातृत्व अवकाश की सुविधा सिर्फ दो बच्चों तक सीमित है। तीसरे बच्चे के जन्म के समय सरकार की ओर से मिलने वाली सुविधाएं समाप्त हो जाती हैं। अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले से नीतिगत बदलाव की राह खुल सकती है।

नाबालिग से यौन संबंध बनाने के अभियुक्त को किया बरी

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम-2012 (पोक्सो कानून) के एक मामले में एक अभूतपूर्व कदम के तहत अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए नाबालिग के साथ यौन संबंध बनाने के अभियुक्त शख्स को बरी कर दिया। इससे पहले शख्स को 15 वर्षीय लड़की के साथ संबंध बनाने के आरोप में दोषी ठहराया गया था। हालांकि शीर्ष न्यायालय ने अभियुक्त को दोषी पाया है लेकिन यह कहते हुए उसे कोई सजा नहीं देने का फैसला सुनाया कि सजा देना पीड़ित महिला के लिए परेशानी का सबब हो सकता है। दरअसल अभियुक्त ने नाबालिग के साथ यौन संबंध बनाये थे। बाद में लड़की के बालिग होने के बाद उसने उससे (पीड़िता से) शादी कर ली थी। दोनों फिलहाल अपने बच्चे के साथ एक साथ रहते हैं। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अभय ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां के पीठ ने कहा कि पीड़िता ने इसे जघन्य अपराध नहीं माना था। पीठ ने कहा कि इस मामले के तथ्य सबके लिए आंखें खोलने वाले हैं। यह कानूनी व्यवस्था में खामियों को उजागर करता है।

गढ़चिरौली जिले में मुठभेड़ में कमांडर समेत 4 माओवादी ढेर

केटी न्यूज/रायपुर

छत्तीसगढ़ के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले से सटे महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में नक्सलियों और एंटी नक्सल यूनिट सी- 60 में शुक्रवार भीषण मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में भामरागढ़ दलम के कमांडर सहित चार माओवादी ढेर हो गए। मृतकों में दो महिला और दो पुरुष शामिल हैं। महाराष्ट्र नक्सल सेल से मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार को गुप्त सूचना मिली कि, छत्तीसगढ़ सीमा के भामरागढ़ उपखंड के अंतर्गत नव स्थापित पुलिस स्टेशन कावंडे क्षेत्र में विनाशकारी गतिविधियों को अंजाम देने के इरादे से नक्सली जंगल मे एकत्र हुए हैं। जानकारी के आधार पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एम रमेश के नेतृत्व में गढ़चिरौली पुलिस बल, अप्पा और एसआरपीएफ 113 बाटालियन के विशेष मिशन दस्ते की 12 इकाइयां महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ सीमा में स्थित इंद्रावती नदी के तट की ओर तुरंत रवाना किया गया।

कठिन वन क्षेत्र और भारी बारिश का सामना करते हुए सुरक्षा बल के जवान जंगल पहाड़ी में दाखिल हुए करते हुए, आज सुबह सुबह करीब 10 बजे जब पुलिस दल के जवान जंगल इलाके में तलाशी अभियान चला रहे थे, तभी जंगल में छिपे माओवादियों ने जवानों को मारने और उनसे हथियार लूटने के इरादे से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

उस समय जब पुलिस ने माओवादियों से हथियार डालकर आत्मसमर्पण करने की अपील की तब नक्सलियों ने बिना आत्मसमर्पण किए पुलिस पर और भी जोरदार हमला कर दिया। इस पर जवानों ने जवाब में गोलीबारी की। पुलिस के बढ़ते दबाव को देखते हुए नक्सली घने जंगल का फायदा उठाया और मौके से भाग गए। करीब दो घंटे तक चली मुठभेड़ के बाद जब जवानों ने उक्त वन क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया तो मौके पर 2 पुरुष और 2 महिला समेत 4

वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा में लगाए गए 700 सीसीटीवी कैमरे

एजेंसी/नई दिल्ली

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर समेत देश की अधिकांश सीमाओं की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इसी कड़ी में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आध्यात्मिक विकास बोर्ड, कटरा में एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) का संचालन शुरू किया है। इस सुविधा के तहत 700 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों से यात्रियों के चेहरे की पहचान (फेस रिकग्निशन) और पीटीजेड (पैन-टिल्ट-जूम) जैसी तकनीकों का प्रयोग किया जाएगा। माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के सीईओ अंशुल गर्ग और उधमपुर-रियासी रेंज की डीआईजी सारा रिजवी ने इस नए सुरक्षा सिस्टम आईसीसीसी का निरीक्षण किया। इस मौके पर बोर्ड के कई और अधिकारी भी मौजूद थे।

पाकिस्तान ने टबुर्लेंस में फंसे इंडिगो के विमान को मदद देने से किया इनकार, आफत में थी 227 जानें

एजेंसी/नई दिल्ली

पाकिस्तान ने एक बार फिर ओछी हरकत की है। बीती रात अचानक भारत के कई इलाकों में मौसम खराब हो गया, जिससे काफी नुकसान हुआ। इसी बीच दिल्ली से जम्मू जा रही इंडिगो की फ्लाइट हवा में खराब मौसम की चपेट में आ गई। इस दौरान विमान में सवार लोगों ने चीखना-चिल्लाना शुरू कर दिया। विमान पायलट ने इस दौरान पाकिस्तान के लाहौर एयर ट्रैफिक कंट्रोल से विमान टबुर्लेंस से बचने के लिए मदद मांगी, लेकिन पाकिस्तान ने अपनी हवाई सीमा में एंट्री की इजाजत नहीं दी। हालांकि, पायलट की सूझबूझ ने फ्लाइट को सुरक्षित लैंड कराया। विमान में 227 लोग सवार थे, जिनकी जान खतरे में थी। सबसे खास बात कि इस विमान में लोगों के साथ-साथ तृणमूल कांग्रेस के पांच सांसद भी मौजूद थे। हालांकि, विमान को सुरक्षित श्रीनगर हवाई अड्डे पर उतार लिया गया। समाचार रिपोर्ट्स के अनुसार, इंडिगो फ्लाइट जब खराब मौसम का सामना हवा में कर रहा था तो पालयट ने अमृतसर के ऊपर उड़ रहे इंडिगो में टबुर्लेंस महसूस किया। उन्होंने फौरन पाक के लाहौर एटीसी से कॉन्टेक्ट किया। ताकि वह कुछ समय के लिए अपनी एयरबेस में विमान को लैंड करने की इजाजत दें। जिससे खराब मौसम से बचा जा सके। लेकिन लाहौर एटीसी ने साफ तौर पर मदद करने से इंकार कर दिया।

बीएसएफ अलंकरण समारोह में गृह मंत्री अमित शाह ने की देश की सेना की जमकर तारीफ

सेना ने 100 किमी अंदर घुसकर पाक को उसका जमीर दिखाया

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली में आयोजित बीएसएफ अलंकरण समारोह में गृह मंत्री अमित शाह ने देश की सेना की जमकर तारीफ की। उनकी तरफ से ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया गया और पाकिस्तान को भी जमकर फटकार लगाई। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पीएम की मजबूत इच्छाशक्ति, खुफिया एजेंसियों से मिली सही जानकारी और सेना की जबरदस्त ताकत एक साथ आई, तब ऑपरेशन सिंदूर को सफलत मिली। शाह ने आगे कहा कि सेना ने 100 किमी अंदर घुसकर पाक को उसका जमीर दिखाने का काम किया है। बीएसएफ के जवान भी मोर्चे पर थे। हमारे जवान एक इंच भी पीछे नहीं हटे और उनकी गोली का जवाब गोले से दिया। इसके बाद गृह मंत्री ने पुरानी सरकारों को भी निशाने पर लिया और पाकिस्तान को एक्सपोज करने का काम किया।

कहा कि भारत कई दशकों से पाक समर्थित आतंक का सामना कर रहा है। पाक ने कई घटनाएं की, लेकिन इसका कभी उचित जवाब नहीं दिया गया। 2014 में मोदी जी पीएम बने, इसके बाद सबसे पहला बड़ा हमला उरी में हमारे जवानों पर किया और हमने घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक किया। पुलवामा में हमला हुआ तो भारत की सेना ने एयर स्ट्राइक करके कठोर जवाब दिया और इस बार ऑपरेशन सिंदूर में हमने फिर से आतंकी अड्डों को खत्म किया। इसके बाद गृह मंत्री ने पाकिस्तान पर भी निशाना साधा। उन्होंने दो टूक कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद हमने आतंकियों और उनके ठिकानों को निशाना बनाकर हमले किए लेकिन पाकिस्तान ने इन हमलों को अपने ऊपर हमला मान लिया। इससे साबित हो गया कि वह एक आतंकवाद समर्थक देश है। यही नहीं, आतंकियों के जनाजे में पाकिस्तानी सेना के अफसर उनके ताबूत को कंधा देते और नमाज ए जनाजा पढ़ते दिखे।

बक्सर समेत पूरे राज्य में एक साथ 10 फरवरी से शुरू होगा एमडीए राउंडः डॉ. अनुज

♦ फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत किए जा रहे कार्यों का जायजा लेने पहुंची राज्य स्तरीय टीम

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत किए जा रहे कार्यों का जायजा लेने के लिए पटना से आयी राज्य स्तरीय टीम ने शुक्रवार को बक्सर का दौरा किया। राज्य स्तरीय टीम में राज्य फाइलेरिया विभाग के राज्य सलाहकार डॉ. अनुज सिंह रावत, विश्व स्वास्थ्य संगठन के जोनल कोऑर्डिनेटर डॉ. अरुण कुमार, सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च के डिप्टी स्टेट मैनेजर रंजीत कुमार व स्टेट प्रोजेक्ट ऑफिसर मीडिया नवनीत सिन्हा शामिल थे। टीम के सदस्यों ने जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार की अगुवाई में सदर प्रखंड अंतर्गत पांडेय पट्टी स्थित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का जायजा लिया। तत्पश्चात सदर प्रखंड अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सभागार में जिले के प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार बंधुओं के साथ छोटी सी मुलाकात भी की। कार्यक्रम की शुरूआत में डॉ. शैलेंद्र कुमार ने पौधा भेंट करते हुए सभी आगत अधिकारियों व पार्टनर संस्था के अधिकारियों का स्वागत किया।

जिसके बाद राज्य सलाहकार डॉ. अनुज सिंह रावत ने बताया कि बिहार सरकार और बिहार स्वास्थ्य समिति फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार की ओर दिए गए लक्ष्य के अनुसार 2027 में हमें बिहार को फाइलेरिया से मुक्त कराना है। जिसमें समाज के साथ साथ प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का भरपूर सहयोग अपेक्षित है। पूर्व के समय राज्य में दो चरणों में एडीएम राउंड चलाए जाते थे। लेकिन, राज्य सरकार के लिए गए निर्णयों के अनुसार आगामी 10 फरवरी को राज्य के सभी जिलों में एक साथ एमडीए राउंड शुरू किया जाएगा।

एमडीए राउंड के दौरान शहरी क्षेत्र में 17 दिनों तक लगातार बूथों का होता है संचालन : बैठक में एमडीए राउंड के दौरान आने वाली परेशानियों से पत्रकारों ने टीम के सदस्यों को अवगत कराया। जिस पर डॉ. अनुज सिंह रावत ने बताया कि एमडीए राउंड के दौरान शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में दवाओं का सेवन कराने के लिए आशा कार्यकताओं और आंगनबाड़ी केंद्रों की सेविकाओं के अलावा वोलेंटियर्स को जिम्मेदारी दी जाती है। शहरी क्षेत्र में एमडीए राउंड के दौरान 17 दिनों तक लगातार बूथ लगाए जाते हैं। हालांकि, लोगों को बूथों की जानकारी हो और वो दवाओं का सेवन करने के लिए वहां पहुंचे, इसके लिए व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार किया जाएगा।

फाइलेरिया के परजीवी को खत्म करने की कर रहे हैं कोशिश : विश्व स्वास्थ्य संगठन के जोनल को-ऑर्डिनेटर डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि हम फाइलेरिया के प्रसार को रोकने और माइक्रो फाइलेरिया (परजीवी) को खत्म करने के लिए एमडीए राउंड चला रहे हैं। ऐसे में लोगों को यह समझना होगा कि सरकार की ओर चलाए जाने वाले एमडीए राउंड में फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन करना, हम सबकी जिम्मेदारी बन जाती है। यदि पांच साल तक लगातार कोई भी व्यक्ति साल में एक बार दवाओं का सेवन करें तो वो फाइलेरिया के प्रकोप से पूरी तरह से बच सकता है। इसलिए मीडिया आगे आकर समुदाय में लोगों को जागरूक करने की जिम्मेदारी लें। मीडिया की आवाज और मीडिया की लेखनी पर समाज को भरोसा होता है। ऐसे में आज सभी लोगों तक यह संदेश पहुंचाएं कि फाइलेरिया रोधी दवाएं उनके और उनके बच्चों के लिए कितना फायदेमंद होता है।

लोगों को बताएं, हर सूजन हाथीपांव नहीं होता है : इस दौरान जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार ने पत्रकारों को बताया कि लोगों में फाइलेरिया (हाथीपांव) के लक्षणों की जानकारी होनी चाहिए। लोगों को मालूम होना चाहिए कि हर सूजन हाथीपांव नहीं होता है। हालांकि, हाथीपांव व एमडीए राउंड को लेकर अभी भी समाज और समुदाय में लोगों के बीच भ्रांतियां मौजूद है। उन्होंने कहा कि मीडिया यदि सहयोग करे तो हम बक्सर समेत पूरे राज्य से फाइलेरिया का उन्मूलन कर सकेंगे। बैठक का समापन सीएफएआर के डिप्टी स्टेट मैनेजर ने पत्रकारों का धन्यवाद ज्ञापन कर किया। मौके पर सदर प्रखंड के बीएचएम प्रिंस कुमार सिंह समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

बक्सर नप के सफाई कर्मियों ने वेतन भुगतान को लेकर किया हड़ताल

बक्सर। नगर परिषद के सफाई कर्मियों के हड़ताल पर चले जाने के कारण शुक्रवार को सफाई व्यवस्था नगर की प्रभावित हो गई। जिससे नगर की सफाई नहीं हो पाया। नगर में जहां तहां कचरा जमा हो गया है। यदि हड़ताल समाप्त नहीं होता है तो नगर में सफाई की व्यवस्था काफी दयनीय हो जाएगी। वहीं अपनी मांगों को लेकर नगर परिषद के सफाई कर्मियों ने किला मैदान स्थित रामलीला मंच पर संघ के नेतृत्व में एक बैठक किया। बैठक में मांगों को लेकर चर्चा की गई। साथ ही सफाई कर्मियों ने मांगों को पूरा होने तक हड़ताल जारी रखने पर अडिग रहे। नगर की सफाई व्यवस्था प्रभावित होने से नगर में चौक चौराहों तथा नगर के डंप सेंटरों पर कचरा जमा हो गया है। वहीं नगर के हर गली मुहल्लों से उठाव नहीं होने से कचरा पड़ा हुआ है।

इस संबंध में संघ के नेता इंद्रजीत चौबे ने बताया कि एजेंसी से हर माह के पहले सप्ताह में वेतन भुगतान को लेकर सहमति बनी थी, लेकिन तीन माह बीत जाने के बाद भी उनके वेतन भुगतान एजेंसी से नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि उनके मुख्य मांगों में दैनिक वेतन भोगी, नियमित कर्मचारी, संविदा कर्मचारी एवं सेवा निवृत कर्मचारियों के मासिक भुगतान प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में अचूक रूप से करने समेत अन्य मांगे शामिल है। एजेंसी द्वारा वेतन का भुगतान भी अलग-अलग दर से किया जाता है।

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के छोटका ढकाईच गांव के पास हुई बड़ी घटना

पटना-बक्सर फोरलेन पर अज्ञात वाहन व बाइक की टक्कर में दो युवकों की मौत

♦ मुफस्सिल व इटाढ़ी थाना क्षेत्र के रहने वाले है मृतक, पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव

केटी न्यूज/डुमरांव

शुक्रवार को पटना-बक्सर फोरलेन पर एक दर्दनाक हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना दोपहर बाद कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के छोटका ढकाईच गांव के पास की है। इसकी जानकारी मिलते ही डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी व कृष्णाब्रह्म थाने की पुलिस मौके पर पहुंची तथा दोनों शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजा, वहीं उनके स्वजनों को घटना की जानकारी दी गई।

मृतकों की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नोनियापुर गांव निवासी जनार्दन नोनिया के 43 वर्षीय पुत्र संतोष नोनिया व इटाढ़ी थाना क्षेत्र के हरपुर गांव निवासी बबन चौहान के 35 वर्षीय पुत्र श्रीनिवास नोनिया के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार दोनों एक बाइक पर सवार हो संभवतः किसी शादी समारोह में शामिल होने के लिए ब्रह्मपुर की तरफ जा रहे थे, लेकिन छोटका ढकाईच के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दिया, जिससे मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। स्थानीय निवासियों ने इसकी सूचना कृष्णाब्रह्म पुलिस को दी, वहीं, कृष्णाब्रह्म थाना द्वारा एसडीपीओ को घटना की जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवकों के पास से मिले आईडी व अन्य कागजातों के आधार पर दोनों की शिनाख्त की तथा उनके स्वजनों को इस मनहूस घटना की जानकारी दी। इधर पुलिस शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्रवाई में जुट गई है। शाम में कृष्णाब्रह्म पहुंचे स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक इस बात की जानकारी नहीं मिल पाई थी कि दोनों के बीच क्या संबंध था तथा दोनों कहा जा रहे थे।

फोरलेन पर नहीं थम रहा है दुर्घटनाओं का दौर : बता दें कि पटना-बक्सर फोरलेन सड़क पर सड़क दुर्घटनाओं का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। खासकर बक्सर से ब्रह्मपुर तक आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही है। इनमें सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं नया भोजपुर व कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र में हो रही है। जिससे कई सवाल खड़े हो रहे है। हाल के दिनों में ही इस पथ पर दर्जनों सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी है, बावजूद परिवहन विभाग व जिला प्रशासन लगातार हो रही दुर्घटनाओं के बावजूद मौन साधे है, जिससे दुर्घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ते जा रही है।

सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है

छोटका ढकाईच के पास सड़क दुर्घटना की जानकारी मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंच मामले की जांच की गई। दुर्घटना को अंजाम देने वाले वाहन का पता लगाने के लिए एनएच पर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। अभी तक इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं कराया गया है। वैसे पुलिस अपने स्तर से इस मामले की जांच कर रही है।
– **अफाक अख्तर अंसारी, एसडीपीओ, डुमरांव**

बिजली की चपेट में आकर महिला घायल

केसठ। प्रखंड अंतर्गत पोखराटोला गांव में शुक्रवार को तेज आंधी-तूफान के बीच एक महिला आकाशीय बिजली की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गई। घायल महिला की पहचान 50 वर्षीय शुशील देवी के रूप में हुई है। घटना उस समय हुई जब वो दोपहर में आम चुनने के लिए अपने घर के समीप स्थित बगीचे में गई हुई थीं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार की दोपहर अचानक मौसम ने करवट ली। तेज धूप के बाद अचानक आसमान में बादल छा गए और कुछ ही देर में तेज हवा और गरज के साथ आंधी शुरू हो गई। इसी बीच शुशील बगीचे में आम चुनने में व्यस्त थीं। तभी एक जोरदार आवाज के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में वह आ गईं। बिजली की मार से महिला बुरी तरह झुलस गईं, विशेष रूप से उनके सीने के पास जलने का गहरा निशान पाया गया है। घटना के बाद परिजनों ने आनन-फानन में महिला को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केसठ पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। प्राथमिक उपचार कर रहे पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विजय कुमार ने बताया कि शुशील की हालत अब स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। फिलहाल महिला की निगरानी की जा रही है।

प्री-मॉनसून की पहली बारिश में ही खुल गई नप की बरसात पूर्व तैयारियों की पोल

केटी न्यूज/डुमरांव

शुक्रवार को प्री-मॉनसून की पहली झमाझम बारिश हुई। इस बारिश ने बरसात पूर्व डुमरांव नगर परिषद की तैयारियों की पोल खोलकर रख दी है। बारिश होने से शहर के मुख्य पथ के अलावे गली-मोहल्लों में पानी भर गया। वहीं, कई नालियां ओवर फ्लो हो गई। जिस कारण लोगों को भारी फजीहत का सामना करना पड़ा।

दोपहर में हुई बारिश के बाद शहर के एक बड़े हिस्से में रात तक बिजली आपूर्ति ठप हो गई थी। जिस कारण लोगों का पेयजल के लिए भटकना पड़ा तथा शाम ढलते ही शहर अंधेरे में डूब गया था। बिजली आपूर्ति को दुरूस्त करने में बिजली कंपनी के अधिकारी परेशान रहे, बावजूद सफलता नहीं मिल सकी थी।

सबसे अधिक परेशानी नगर परिषद स्टेट हाईवे से हो रही है। हाईवे के किनारे रोड कटिंग में होने से जललजमाव की स्थिति बराबर बनी रहती है। रोड की जर्जर अवस्था ने जलजमाव को और बढ़ावा दे रहा है। इस संबंध में नप की चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने बताया की स्टेशन रोड एनएच-120 के होने के कारण नप इस पर काम नहीं लगा सकता है। अन्य स्थानों पर हुए जलजमाव के स्थल चयन कर रिपोर्ट मांगा गया है। रिपोर्ट मिलते ही स्थिति को सुधार दिया जाएगा। मालूम हो कि बरसात का मौसम अभी आया नहीं है, लेकिन बिन मौसम हुए बरिश ने नालियों के जाम होने से सड़कों, मुहल्लों और गलियों में जलजमाव हो गया था। इस जलजमाव से लोगों को घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो रहा था।

आंधी पानी में गुल हो गई थी बिजली: जानकारी के अनुसार दोपहर में बारिश के दौरान आंधी भी आई थी। इस दौरान कई जगहों पर पेड़ उखड़कर या डालियां टूटकर बिजली के तार व पोल पर गिर गई थी। जिस कारण आपूर्ति बाधित हुई थी। सहायक विद्युत अभियंता राकेश कुमार दूबे ने बताया कि नहर मार्ग, दक्षिण टोला समेत लगभग आधा दर्जन जगहों पर बिजली के तार व पोल पर पेड़ या उसकी डालियां गिर गई थी, जिस कारण आपूर्ति बाधित रही। उन्होंने कहा कि टूटे तारों की मरम्मत करवाया जा रहा है।

सूरत-ए-हाल: रेलवे स्टेशन पर यात्री शेड की कमी से बारिश में भींगते रहे रेल यात्री

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय रेलवे स्टेशन पर यात्री शेड की कमी से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं स्टेशन पर आने-जाने के लिये ओवर ब्रिज भी बगैर शेड का है। ऐसे में धूप और बारिश में खड़े होकर यात्री ट्रेन का इंतजार करने पर मजबूर हो जाते हैं। कभी-कभी तो स्टेशन के बाहर बुकिंग कार्यालय में बने प्रतिक्षालय में इंतजार करने में ट्रेन का पता नहीं चलता और छूट भी जाती है।

शुक्रवार को मौसम की पहली बारिश हो रही थी, लोग ट्रेन पकड़ने के लिये बारिश में भींगकर इंतजार कर रहे थे। जो स्टेशन मास्टर से सटे शेड है उसमें बैठे यात्री ट्रेन पकड़ने के लिये बारिश में भींगते हुए गए। विदित हो कि डुमरांव स्टेशन पर तीन शेड है, सभी सीढ़ी के पास ही है। वहीं पूर्व की तरफ प्लेटफार्म के अंतिम छोर तक कोई यात्री शेड नहीं है। शेड बनाने की मांग वर्षों से की जा रही है, लेकिन इस पर कोई ठोस कदम आजतक नहीं उठाया गया। ट्रेन से उतरकर ओवरब्रिज तक आने के लिये लोगों को लंबी दूरी तय करनी पड़ जाती है। दूरी के कारण बुजुर्ग और दिव्यांग यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

ब्रेक फेल स्कूली बस स्कॉर्पियो से टकराई

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा बक्सर मार्ग पर शुक्रवार की सुबह एक गंभीर लापरवाही सामने आई जब स्कूली बच्चों से भरी एक निजी बस का ब्रेक अचानक फेल हो गया। भैया-बहिनी पुल के पास हुए इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन करीब 20 बच्चों की जान कुछ पलों के लिए खतरे में पड़ गई।

घटना ने एक बार फिर स्कूल प्रशासन और परिवहन विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस सड़क किनारे खड़ी स्कॉर्पियो से टकराकर रुक गई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। हादसे के बाद चालक को मामूली चोटें आईं और बच्चों को दूसरी बस से स्कूल भेजा गया।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि अधिकतर निजी स्कूल बसें बिना किसी तकनीकी जांच के ही सड़कों पर दौड़ रही हैं। न तो उनके फिटनेस सर्टिफिकेट की निगरानी होती है, न ही ड्राइवरों की योग्यता की जांच।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बस को जब्त कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। वहीं लोगों ने मांग की है कि स्कूली बसों की समय-समय पर तकनीकी जांच अनिवार्य की जाए और दोषी संस्थाओं पर सख्त कार्रवाई हो।

भावपूर्ण श्रद्धांजली

'अस्तित्व व विनाशश्च द्वयं देहे प्रतिष्ठिते। मोहादुत्पद्यते मृत्यु सत्येनोत्पद्यतेऽमृतम॥
''यथा गांरद्ध स्थूलं जीर्णं भूत्वावमीदति। अहोरात्राणि गच्छन्ति सर्वेषां प्राणिनामिह॥'
श्राद्ध कर्म व ब्रह्म भोज
26-05-2025
सौजन्य
ऋषि राय व मुन्ना राय स्टेशन रोड, HDFC बैंक, डुमरांव
स्व. बसंती देवी
पति - ललन जी राय
स्वर्गवास तिथी 15-05-2025
ललन जी राय
मो. : 94731 61286
शोक संतप्त : समस्त राय परिवार

भारतीय सेना के सम्मान में सोनवर्षा में भव्य शौर्य जुलूस निकाला गया, बोले वक्ता...

सेना का सम्मान हम सबका कर्तव्य

♦ वंदे मातरम के साथ भारतीय सेना अमर रहे जैसे नारों से गूंज उठा था वातावरण

केटी न्यूज/नावानगर

ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी व भारतीय सेना के अदम्य साहस और शौर्य को सलामी देने के उद्देश्य से सोनवर्षा में एक भव्य शौर्य जुलूस निकाला गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, युवाओं व समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही जूलूस के दौरान श्भारत माता की जयश, वंदे मातरम और भारतीय सेना अमर रहे जैसे नारों से वातावरण गूंज उठा था।

जुलूस की शुरूआत सोनवर्षा सब्जी बाजार चौक से हुई, जो बाजार के मुख्य मार्गों से होते हुए पुनः चौक पर संपन्न हुआ। हाथों में तिरंगे झंडों, और देशभक्ति नारों के साथ पूरा नगर देशभक्ति के रंग में रंग गया था। इसके बाद समापन समारोह में वक्ताओं ने भारतीय सेना को राष्ट्र की आत्मा बताते हुए युवाओं से प्रेरणा लेने और देश सेवा के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सेना का सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है, क्योंकि वही देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं। कहा सेना के शौर्य से आने वाली पीढ़ियों को सेना के प्रति गर्व और सम्मान की भावना से ओतप्रोत करने का भी प्रयास है। शौर्य जूलूस की अध्यक्षता सोनवर्षा के भाजपा मंडल अध्यक्ष पिंकू कुमार चौबे ने की। जूलूस में

पूर्व प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष दुर्गेश सिंह, हरेराम गुप्ता, अभिनंदन मिश्रा, रामधनेश तिवारी, विमलेश सिंह, बृजबिहारी, प्रमोद पांडेय, मुना यादव, अनिल पाठक, कौशल सिंह, रवि, रितेश, कमेश्वर राम समेत अन्य थे।

भाजपा कार्यकताओं की बैठक आयोजित

बक्सर। शनिवार को बक्सर भाजपा की जिला कार्यसमिति आयोजित की गई है। इस कार्यसमिति को सफल बनाने के लिए पूर्व संध्या पर प्रमुख कार्यकताओं की एक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने की। बैठक मेंजिलाध्यक्ष ने कहा कि कार्यसमिति में 30 मई को प्रधानमंत्री के बिहार आगमन को लेकर भी चर्चा की जाएगी, सभा किस तरह और कैसे सफल हो इसकी जिम्मेदारी कार्यकताओं को दी जाएगी। जिला कार्यसमिति में मुख्य रूप से जनक राम अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री, संजय सरावगी भूमि सुधार मंत्री, राजेश वर्मा प्रदेश महामंत्री भाजपा उपस्थित रहेंगे।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723, SCHOOL No. 65720
Harnahi Road, Dumraon, Buxar - 802119
8210918840, 7319972175, 6393686958 www.cambridgeschooldumraon.com facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
OUTSTANDING PERFORMANCE OF OUR STUDENTS IN AISSE (Std. X) & AISSCE (Std. XII) CBSE BOARD EXAMS 2025

SCHOOL TOPPER- STD. XII
SARTHAK RAJ MISHRA 92%
SUBJECT WISE HIGHEST MARKS IN STD. XII

Chemistry	: 98	Biology	: 91
English Core	: 97	Physics	: 91
Physical Education	: 96	Business Studies	: 86
Mathematics	: 92	Economics	: 83

TOPPERS- STD. X
1st KHUSHI KUMARI 95.2%
2nd ANSH RAJ SINGH 94.8%
2nd PRAGATI KUMARI 94.8%
2nd SHREYA RAJ 94.8%
3rd ANMOL RAJ VATS 94%
3rd MOHIT KUMAR SINGH 94%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS

Mathematics	: 100	Sanskrit	: 100	Social Science	: 97
Science	: 100	English	: 95	Hindi	: 94

INFORMATION
The Information & Admission Cell at the JUNIOR WING, Dr. Jagnarayan Singh Hospital Campus, will remain open on all working days (Mon. - Sat.) from 9:00 am - 01:00 pm also during Summer Vacation.
LIMITED SEATS. HURRY UP!!!

REGISTRATION IS GOING ON FOR ADMISSION TO CLASS XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS) FOR THE ACADEMIC SESSION 2025-26. CLASSES WILL START FROM 23 JUNE, 2025.

SCHOLARSHIP SCHEME
CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII. OTHER CHARGES ARE PAYABLE FOR BOTH CLASSES.
INTEGRTION OF FOUNDATION CLASSES FOR NEET AND JEE MAINS IN CURRICULUM.
CHAIRMAN- MR. T.N. CHOUBEY

बड़हरा थाना क्षेत्र के केशोपुर मुक्तिधाम के समीप गंगा किनारे घटी घटना

भोजपुर में गंगा नदी में डूबने से प्रेमी युगल की मौत, शव बरामद

♦ पुलिस ने शव का सदर अस्पताल में कराया पोस्टमार्टम

केटी न्यूज/आरा

जिले के बड़हरा थाना क्षेत्र के केशोपुर मुक्ति धाम स्थित गंगा नदी में डूबने से प्रेमी युगल की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतकों में सिकरहटा थाना क्षेत्र के बसौढ़ी गांव निवासी स्व. बिजेंद्र कुमार शर्मा का 31 वर्षीय पुत्र विकास कुमार शर्मा एवं उड़ीसा के गंजम जिला के पतारापल्ली बेन कटरा गांव निवासी दिलीप नायक की 27 वर्षीय पुत्री सरिता कुमारी है एवं दोनों प्रेमिका बताया जा रहे हैं।

मृतक विकास कुमार शर्मा शेयर मार्केटिंग का काम करता था एवं वर्तमान में पीरो बाजार स्थित पीरो एसडीपीओ आवास के समीप अपना मकान बनाकर रहता था। घटना के संबंध में बताया जाता है कि शुक्रवार की दोपहर प्रेमी विकास कुमार शर्मा एवं प्रेमिका सरिता कुमारी दोनों गंगा नदी में डूब गए। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय गोताखोरों की मदद से दोनों को शवों को पानी से बाहर निकाला।

इसके पश्चात पुलिस ने इसकी सूचना मृतक विकास कुमार शर्मा के परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे। जिसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक विकास कुमार शर्मा अपने एक भाई व एक बहन में बड़ा था एवं अपने मां-बाप का इकलौता चिराग थाम मृतक के पिता विजेंद्र कुमार शर्मा आर्मी से रिटायर्ड थे एवं डेढ़ वर्ष पूर्व उनकी बीमारी के कारण मौत हो गई थी। मृतक के परिवार में मां पुष्पलता एवं एक बहन रानी उर्फ शालू है। घटना के बाद मृतकों के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतकों के परिवार के सभी सदस्यों का बुरा हाल है।

सोन नदी में डूबने से अधेड़ की मौत

आरा। सहार थाना क्षेत्र के सहार गांव सूर्य मंदिर स्थित सोन नदी में डूबने से एक अधेड की मौत हो गयी। इलाज के लिए अरवल सदर अस्पताल ले जाने के दौरान उन्होंने रास्ते में दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार मृतक सहार थाना क्षेत्र के बड़की खड़ाव गांव निवासी काशी रजक के 45 वर्षीय पुत्र जितेंद्र रजक है। वह पेशे से किसान थे। बताया जाता है कि वह अपने गांव के ही किसी व्यक्ति के शादी में शामिल होने के लिए सहार गांव स्थित सूर्य मंदिर आये थे, जहां से वह सूर्य मंदिर के किनारे सोन में नहाने चले गये। इस दौरान वह सोन में डूब गये। वहां मौजूद लोगों ने उन्हें सोन नदी से बाहर निकाला और आनन-फानन में उसे इलाज के लिए अरवल सदर अस्पताल ले गये। जहां चिकित्सक ने देख उन्हें मृत घोषित कर दिया।

आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए जिले भर में 26 से लगेगा विशेष कैंप

आरा। डीएम तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक की गयी। यह निर्णय लिया गया कि 26 से 28 मई तक जिले के चिह्नित सार्वजनिक स्थलों पर विशेष कैंप आयोजित कर पात्र लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनाया जायेगा। यह अभियान आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत संचालित होगा। प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर कार्यरत पर्यवेक्षीय अधिकारियों, जीविका दीदी, आशा कार्यकताओं,आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं के लिए आइडी निर्माण की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश भी दिये। साथ ही डीएम ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से जागरूक कर अभियान में भागीदारी सुनिश्चित करें।

अज्ञात वाहन ने अधेड़ व्यक्ति को मारी जोरदार टक्कर, अस्पताल में तोड़ा दम

केटी न्यूज/दिनारा

नेशनल हाईवे 319 मुख्य मार्ग परकोचस-बक्सर रोड में ग्राम भगतगंज के समीप शौच कर लौट रहे अधेड़ व्यक्ति को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दिया । जिससे व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गए । सूत्रों के मुताबिक घटना के संदर्भ में बताया जाता है कि नेशनल हाईवे 319 मुख्य मार्ग पर कोचस-बक्सर रोड में ग्राम भगतगंज के समीप गुरुवार को देर शाम करीब 7 से 8 बजे के बीच सड़क के किनारे कार खड़ी की गई थी।

कार में सवार नटवार थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सरांव निवासी स्वर्गीय बाबूलाल राम के करीब 60 वर्षीय पुत्र धर्मदेव राम शौच करने चले गए। जब शौच कर वे खड़ी कार के तरफ लौट रहे थे,तो अचानक अज्ञात वाहन ने धर्मदेव राम में जोरदार टक्कर मार दिया । जिससे वे गंभीर रूप से जख्मी हो गए । आनन फानन की स्थिति में घटित घटना को देखते हुए कार में सवार उनके साथ अन्य लोगों ने तत्परता दिखाते हुए जख्मी धर्मदेव राम को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दिनारा में इलाज के लिए भर्ती कराया।

लेकिन इलाज के क्रम में धर्मदेव राम ने अस्पताल में दम तोड़ दिय। घटना की सूचना मिलते ही दिनारा पुलिस अस्पताल पहुंच शव को अपने कब्जे में ले लिया। तत्पश्चात पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए उनके परिजनों के समक्ष मृतक के शव को पोस्टमार्टम कराकर सौंप दिया। इसकी जानकारी दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि यह हादसा अज्ञात वाहन से हुआ है । अज्ञात वाहन घटना को अंजाम देकर भागने में सफल रहा। वहीं थानाध्यक्ष का कहना है कि सीसीटीवी चेक का प्रयास हो रहा है।

नो एंट्री का उल्लंघन करने वालों का 1.28 लाख का कटा चालान

बिक्रमगंज। वाहन नो एंट्री नियम उलंघन के आलोक में शहर के मुख्य तेंदुनी चौक पर शुक्रवार को बिक्रमगंज ट्रैफिक पुलिस ने 1लाख 28500 हजार रुपए का चालान काटा। जिस अभियान से मालवाहक वाहनों के चालक में हड़कंप मच गई। इस संबंध यातायात ट्रैफिक पुलिस प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि जिला प्रशासन के आदेश पर प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 9 बजे तक भारी मालवाहक वाहनों पर नो एंट्री लागू रहता है। इसके बाद भी बहुत से भारी वाहन चालक मुख्य तेंदुनी चौक से चकमा देकर भगाने का प्रयास करते हैं। लेकिन यातायात पुलिस टीम के तत्परता भरी सघन अभियान से उस तरफ के वाहनों पर हरहाल में चालान काटा जाता हैं। जिसके अंतर्गत करीब 60 वाहनों से लाखों रुपए से अधिक का ऑनलाइन चालान काटा गया है।

चोरी की बाइक बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश, तीन हुए गिरफ्तार

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

बिक्रमगंज पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिलों की खरीद-बिक्री और उनके नंबर व चेचिस में हेरफेर कर बेचने वाले एक संगठित गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने इस मामले में तीन अपराधकर्मियों को गिरफ्तार किया है।

एसडीपीओ कुमार संजय ने बताया कि बिक्रमगंज थाना प्रभारी को गुप्त सूचना मिली कि मोरौना में अपने मौसा के घर मे एक युवक चोरी की बाइके अपने घर में छिपाकर, उनके चेचिस नंबर व निबंधन संख्या में छेड़छाड़ कर उन्हें बेचने का अवैध कारोबार कर रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम में काराकाट थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार,प्रदीप कुमार मंडल, विकास कुमार तथा दीनानाथ यादव समेत सशस्त्र बल को शामिल किया गया। टीम ने शमशाद आलम के घर की घेराबंदी की और अंदर घुसकर तलाशी ली। तलाशी के दौरान घर से तीन मोटरसाइकिलें बरामद की गईं, जिनमें से दो के चेचिस नंबर में टेम्परिंग की गई थी, तीसरी बाइक पर नंबर प्लेट और सीट कवर भी नहीं था। कई मोटरसाइकिल के खुले इंजन, टूटे-फूटे पार्ट्स, पेट्रोल टंकियां सहित अन्य सामान बरामद हुआ है।

ऑपरेशन सिंदूर के सम्मान में भाजपा ने निकाला तिरंगा यात्रा

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

बिक्रमगंज भाजपा कार्यकताओं ने स्थानीय नगर परिषद के तेंदुनी चौक के मां काली मंदिर शुक्रवार को काराकाट विधानसभा भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन एवं भाजपा नगर अध्यक्ष नागेश्वर कुशवाहा के नेतृत्व में देश के सिंदूर और सेना के शौगार्था के सम्मान में भव्य तिरंगा यात्रा निकाला। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर लोगों ने जमकर जश्न मनाया। तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता सहित विभिन्न क्षेत्रों के सैकड़ों महिला सहित पुरुषों ने हाथों में तिरंगा लेकर ऑपरेशन सिंदूर के सम्मान यात्रा में भाग लिया। कार्यक्रम का अध्यक्षता कर रहें भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सफल ऑपरेशन सिंदूर के बारे में अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए भारत माता की नारे लगाते हुए देश के बहादुर सेना,वायु सेना और नौसेना की अहम भूमिका को भी खूब सराहना। साथ ही बताया कि पाकिस्तान का झूठा और फर्जी प्रचार अब धराशायी हो रहा है, क्योंकि भारत के लक्षित और सटीक हमलों से जुड़े तथ्य हर दिन पूरे विश्व के सामने आ रहे हैं।

सूबे के मंत्री जनक राम ने भोजपुर जिले के सभी विकास मित्रों के साथ किया संवाद

एक अरब 86 करोड़ की लागत से जिलों में बन रहे सावित्री बाई फूले बालिका छात्रावास : मंत्री

केटी न्यूज/आरा

राज्य सरकार के अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री जनक राम शुक्रवार को प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के नेतृत्व में अनुसूचित जाति, जनजाति कल्याण विभाग द्वारा चल रही योजनाओं के लिए जिला में दो दिवसीय प्रवास पर रहे। इस दौरान जिले भर के विकास मित्रों के साथ संवाद कार्यक्रम किए। जिसमें एनडीए घटक दलों के नेता सहित जिला,अनुमंडल, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी शामिल हुए। मंत्री ने कहा कि डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती उत्सव 14 अप्रैल से मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बिहार के कमजोर वर्ग विशेष कर अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के 60 हजार टोलों को चिह्नित किया गया है। उस टोलों में डॉ आंबेडकर समग्र विकास शिविर का आयोजन किया जा रहा है। मंत्री जानकारी देते हुए कहा कि अनुसूचित जाति, जनजाति कल्याण विभाग की ओर से चलायी जा रहीं योजनाएं पिछड़े व दलित वर्गों को लाभ पहुंचा रही हैं। बताया कि अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग के सदस्य की हत्या होने पर आठ लाख 25 हजार रुपये मुआवजा देने का प्रावधान है। एफआइआर होने पर ही चार लाख 12 हजार पांच सौ रुपये मृतक के परिजन के खाते में उपलब्ध हो जाता है और शेष राशि चार्जशीट लागू होने के बाद प्रदान की जाती है। आरा में बिरजू कुमार राम की हत्या होने पर उनकी मां ममता देवी को चार लाख 12 हजार पांच रुपये प्रदान किया गया। वहीं, सूबे के हर जिले में अनुसूचित जाति छात्रावास की तरह ही पांच करोड़ की लागत से एक एकड़ जमीन में छात्राओं के लिए सावित्री बाई फूले बालिका छात्रावास का निर्माण होना है। कुल 38 जिलों में छात्रावास निर्माण पर एक अरब 86 करोड़ रुपये की लागत आएगी। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में आगामी सरकार एनडीए की बनेगी। इस बार नारा है 2025 दो सौ पचीस और बिहार में फिर नीतीश कुमार. राजद सहित देश के लगभग सभी पार्टियां वंशवाद और परिवारवाद है।

जिस थाने में थे थानेदार.. वहीं दर्ज हुआ मारपीट में एफआईआर

केटी न्यूज/सहरसा

सहरसा जिले से बड़ी खबर सामने आ रही। जहां, रंगदारी पूर्वक और जबरदस्ती उगाही मामले में निलंबित बैजनाथपुर थानाध्यक्ष अमरज्योति के खिलाफ बैजनाथपुर थाना में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू हो गई। अमर ज्योती जिस थाना में कुछ दिनों पहले तक थानेदार थे उसी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया गया है। इस मामले में बैजनाथपुर थानाध्यक्ष के अलावा एक अन्य पुलिस कर्मी रूपेश कुमार, बिचौलिया मुकेश कुमार एवं एक अन्य के विरूद्ध बैजनाथपुर थाना कांड दर्ज किया

गया है। सिमरी बख्तियारपुर एसडीपीओ मुकेश ठाकुर, मुख्यालय डीएसपी धीरेन्द्र पांडेय बैजनाथपुर थाना पहुंचकर उक्त मामले को लेकर छानबीन किया। इस दौरान निलंबित थानाध्यक्ष के थाना परिसर स्थित आवास का भी जांच किया गया। सौरबाजार बीडीओ व सीओ की मौजूदगी में आवास का ताला तोड़ आवास की जांच-पड़ताल की गई। वहीं, अधिकारियों ने थाने में लगे सीसीटीवी फुटेज का भी अवलोकन किया है।इस बाबत सिमरी बख्तियारपुर डीएसपी मुकेश कुमार ठाकुर ने बताया कि प्रथम द्दष्टया निलंबित थानाध्यक्ष व अन्य के खिलाफ मामला सत्य पाया गया। जिसके बाद बैजनाथपुर थाना में रिपोर्ट दर्ज किया गया है और वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर जांच-पड़ताल शुरू किया गया है। सिमरी बख्तियारपुर डीएसपी ने बताया मामले में आवेदक की शिकायत पर डीएसपी स्तर के पदाधिकारी द्वारा जांच-पड़ताल किया गया। मामला सत्य पाए जाने के बाद रिपोर्ट दर्जकर अनुसंधान शुरू किया गया है।मामले में अनुशंसधान का जिम्मा सिमरी बख्तियारपुर एसडीपीओ को दिया गया है। इधर मामले में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद निलंबित थानाध्यक्ष की गिरफ्तारी की संभावना भी बढ़ गई है।

बैजनाथपुर थानाध्यक्ष को निलंबित करते हुए लाईन हाजिर करने के मामले में पुलिस विभाग में हडकंप मचा हुआ है। वहीं, कार्रवाई के दौरान निलंबित थानाध्यक्ष के खिलाफ मुखर होकर लोग कई तरह की बातें कर रहे हैं। बताया जाता है कि निलंबित थानाध्यक्ष के खिलाफ कई अन्य मामले में कार्रवाई की जा सकती है। निलंबित थानाध्यक्ष अमर ज्योती के खिलाफ शिकायत और कार्रवाई पर पुलिस मुख्यालय भी नजर रख रही है।

अमर ज्योती के खिलाफ जबरदस्ती रंगदारी पूर्वक फंसाने का आरोप लगाते हुए मारपीट कर अवैध रूप से रूपया लेने के मामले में एसपी को शिकायत किया गया था। जांच सदर एसडीपीओ आलोक कुमार को दी गई थी। दरअसल मधेपुरा जिले के परमानंदपुर पथराहा निवासी अविनाश कुमार ने आवेदन देकर कई आरोप लगाते हुए शिकायत की थी।

राजस्व कर्मियों की हड़ताल पर सख्त हुआ विभाग

केटी न्यूज/पटना

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह एवं सचिव जय सिंह ने राजस्व कर्मचारियों की हड़ताल की स्थिति को देखते हुए विभागीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष से राज्य के सभी जिलाधिकारियों के साथ वीसी की। इस दौरान सभी जिलाधिकारी से जिलों की स्थिति पर चर्चा की गई और वैकल्पिक व्यवस्था के निर्देश दिये गये। अपर मुख्य सचिव सिंह ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि सोमवार को सभी अंचल अमीन और पंचायत सचिव को ऑनलाइन मोड में ट्रेनिंग दिए जाने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि दिन के 11 बजे से प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की गई है। इसमें संबंधित सभी कर्मियों की उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाय। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को ये भी निर्देशित किया कि सभी हड़ताली राजस्व कर्मचारियों को आवंटित लैपटॉप को

सोमवार को शाम पांच बजे तक जमा कराना सुनिश्चित कराया जाय। तीसरे निर्देश में जिलाधिकारियों को कहा गया है कि सेवानिवृत राजस्व कर्मियों की सेवा संविदा के आधार पर लेना सुनिश्चित की जाय। सेवानिवृत कर्मचारी 27 मई से 31 मई के बीच कार्यालय अवधि में पहचान पत्र के साथ अपने जिले के अपर समाहर्त्ता के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। अपर मुख्य सचिव ने वीसी में ये भी कहा कि विभाग हड़ताली राजस्व कर्मचारियों की मांगों के प्रति संवेदनशील है। वे हड़ताल समाप्त कर दूसरे दिन वार्ता को आएं, उनकी मांगों पर विचार किया जाएगा।

सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारियों को इसे लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी

बिहार के 1.30 लाख शिक्षकों की जिला स्तरीय तबादला प्रक्रिया पूरी

केटी न्यूज/पटना

बिहार के 1.30 लाख शिक्षकों का जिला स्तरीय तबादला हो गया है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब स्कूलों में इनकी पोस्टिंग की कवायद शुरू हो गई है। इसके लिए शिक्षा विभाग ने समुचित कार्ययोजना तैयार की है। सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारियों (डीईओ) को इसे लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दी गई है। विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ के स्तर से यह निर्देश जारी किया गया है। तबादला होकर आए सभी शिक्षकों को 15 जून तक विद्यालय आवंटित कर दिया जाएगा। स्थानांतरित हुए शिक्षक नए आवंटित विद्यालय में आगामी 23 से 30 जून के बीच अपना योगदान करेंगे। विभाग को तबादले से संबंधित 1 लाख 90 हजार 226 आवेदन शिक्षकों की तरफ से प्राप्त हुए थे। इसमें पारदर्शिता और गोपनीयता बरतने के लिए विभाग की तरफ से यह नई व्यवस्था की गई है।

ट्रांसफर का कारण नहीं देख पाएंगे डीईओ : जिला शिक्षा पदाधिकारियों को शिक्षकों के स्थानांतरण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हालांकि डीईओ शिक्षक का नाम, आईडी, पूर्व पदस्थापित विद्यालय और तबादले का कारण नहीं देख पाएंगे।

विद्यालय आंटन के लिए बनाई गई गाइडलाइनः जिला शिक्षा पदाधिकारी के लॉग-इन

में उन सभी शिक्षकों की सूची भेज दी गई है, जो पहले से उस जिले में पदस्थापित थे या अन्य जिलों से स्थानांतरण के बाद आए हैं। श्रेणीवार शिक्षकों की सूची डीईओ के लॉग-इन में उपलब्ध होगी, लेकिन डीईओ इस सूची को नहीं देख सकेंगे। शिक्षा विभाग के पोर्टल पर डीईओ को एक बार में किसी एक शिक्षक की जानकारी ही दिखेगा। शिक्षक आईडी नहीं दिखेगी। लेकिन अन्य विवरणी मसलन कोटि, विषय, वर्ग, पंचायतों का विकल्प दिख सकेगा। इसका मकसद पारदर्शिता को बनाए रखना है। डीईओ के लॉग-इन में प्रदर्शित शिक्षक के सामने अंकित प्रोसिड बटन पर क्लिक करने पर उस शिक्षक के भरे सभी पंचायतों के विकल्प खुलेंगे। इसमें उपलब्ध रिक्ति के आधार पर विद्यालय आवंटन की कार्रवाई की जाएगी। अगर शिक्षक की ओर से भरे गए 10 विकल्पों में से किसी में रिक्ति नहीं हो तो डीईओ विकल्प में दिए गये पंचायत के निकटतम किसी पंचायत का विद्यालय आवंटित करेंगे। पोर्टल पर ऐसी व्यवस्था की गई है कि एक शिक्षक के आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही डीईओ के समक्ष दूसरे शिक्षक का आवेदन प्रदर्शित हो सकेगा। डीईओ किसी भी शिक्षक के आवेदन को अनदेखा नहीं कर सकेंगे।

दूसरे चरण में आवेदन करेंगे शेष शिक्षक : वैसे शिक्षक जो अपने तबादले से असंतुष्ट हैं, वे स्थानांतरित विद्यालय में योगदान देने के बाद डीईओ को फिर से आवेदन कर सकते हैं। इनके आवेदनों का निपटारा दूसरे चरण में किया जाएगा। ऐसे शिक्षक ई-शिक्षाकोष से अपना आवेदन वापस भी ले सकते हैं या अपने आवेदन को डिलीट कर नये सिरे से अपने लिए अन्य विकल्प चुन सकते हैं। इन सभी आवेदनों पर दूसरे चरण में जिलों में रिक्ति की उपलब्धता और छात्र शिक्षक अनुपात के आधार पर विचार किया जायेगा।

डॉक्टर बनकर रचाई शादी, अब सट्टेबाज निकला पति

पटना। दीघा थाना क्षेत्र में एक महिला को शादी के कुछ ही महीनों बाद ससुराल वालों की प्रताड़ना का शिकार होना पड़ रहा है। पीड़िता प्रीति कुमारी का आरोप है कि उसके पति धर्मेंद्र कुमार ने खुद को डॉक्टर बताकर उससे झूठ बोलकर शादी की। बाद में पता चला कि वह सट्टेबाजी का काम करता है। प्रीति की शादी 2 फरवरी 2025 को हिन्दू रीति रिवाज से धूमधाम से हुई थी। पीड़िता का आरोप है कि धर्मेंद्र और उसके परिवार वाले उससे 5 लाख रुपये दहेज की मांग कर रहे हैं।

पीके जनसुराज के सीएम फेस : उदय

केटी न्यूज/बेगूसराय

जन सुराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने बेगूसराय में प्रशांत किशोर को सीएम फेस बताया है। इन्होंने कहा है कि ये जनता तय करेगी, लेकिन हमारे दिल में तो प्रशांत किशोर सबसे आगे है। पप्पू सिंह ने ये तंज कसते हुए कहा कि देश के सभी मेडिकल कॉलेज में ब्लड बैंक के बदले सिंदूर बैंक बनाना होगा। सभी मेडिकल कॉलेज को कहना पड़ेगा कि ब्लड बैंक के बदले सिंदूर बैंक बनाएं। अब सब चाहेंगे कि हम सबके रगों में सिंदूर दौड़े। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह जुमला बाजी है, इसका कोई मतलब नहीं है। उनको देश को जवाब देना चाहिए। उदय सिंह ने प्रशांत किशोर को मुख्यमंत्री के गांव जाने से रोकने वाले अफसर पर भी निशाना साधा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा है कि देश की सेना ने जिस बहादुरी से पाकिस्तान के दांत खट्टे किए, इसका श्रेय मोदी को नहीं देश की सेना को जाता है। मोदी देशवासियों को जवाब दें कि पहलगाम की घटना कैसे घटी, सुरक्षा में इतनी बड़ी चूक कैसे हो

गई। सेना तो किसी भी समय अपने जान पर खेल कर देश को बचाएगा ही। सुरक्षा में इतनी बड़ी चूक, कैसे हो गई है।

कोई भी पार्टी हमारे लिए चुनौती नहींविधानसभा चुनाव में चुनौती के सवाल पर उदय सिंह ने कहा कि हम लोग किसी पार्टी को चुनौती नहीं मान रहे हैं। एक ही चुनौती है कि बिहार की जनता के मन में जो बदलाव है, उस संदेश को कितनी जल्दी और कितनी दूर तक अपने लोगों के बीच पहुंचा सकते हैं। हमारी लड़ाई एनडीए, यूपीए, बीजेपी या आरजेडी से नहीं है, हमारी किसी से लड़ाई नहीं है।हम किसी से लड़ने नहीं आए हैं, बिहार की जनता के साथ मिलकर बिहार में बदलाव करने के लिए आए हैं। हमारी पूरी कोशिश, हमारा पूरा श्रम इसी में लगेगा कि गांव-गांव जाकर, जन-जन तक अपनी बात, जन सुराज की बात कैसे पहुंचा दें। देखना होगा कि जिस तरह से प्रशांत किशोर दिन रात मेहनत कर रहे हैं, जहां तक संभव हो सकेगा। भ्रष्ट अफसर नहीं चाहते कि सच्चाई खुलेप्रशांत किशोर को नीतीश कुमार के गांव कल्याण बिगहा जाने से रोकने को उदय सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार को पता ही नहीं है कि क्या हो गया। जो भ्रष्ट अफसर है, वह नहीं चाहते थे कि सच्चाई खुले। इसलिए प्रशांत किशोर को जाने से रोका गया। नीतीश कुमार की यह स्थिति नहीं है कि पता हो कि कौन कहां जाना चाहता है। भ्रष्ट पदाधिकारी का सारा दोष है जो नहीं चाहते थे कि उनका पदार्फाश हो।

कंटेनर में लगी भीषण आग, हाईवे पर जला लाखों का सामान

रोहतास। जिले के दरिगांव थाना क्षेत्र में बुढ़न मोड़ के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर खड़े एक कंटेनर में अचानक आग लग गई, जिससे उसमें रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। बताया गया कि यह घटना शुक्रवार दोपहर की है। कोलकाता से बनारस जा रहा एक कंटेनर रास्ते में राजमार्ग के किनारे खड़ा था।

उसी समय तेज हवा चली और कंटेनर ऊपर से गुजर रहे हाई टेंशन तार से छू गया। इससे कंटेनर में आग लग गई और कुछ ही समय में उसमें रखा सारा सामान जल गया।कंटेनर में आग लगते ही हाईवे पर अफरातफरी मच गई। कंटेनर से निकलती आग की तेज लपटों को देखकर अन्य वाहन चालक भी रुक गए। आसपास के लोग भी मौके पर जमा हो गए और आग बुझाने की कोशिश करने लगे। लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। कुछ देर बाद दमकल की गाड़ियां पहुंचीं और काफी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया गया।

सूबे के सभी जिलों में समग्र सेवा अभियान चलाने की कार्य योजना तैयार की गई

दलित टोलों में विकास की बयार... शिविर में आए 23 लाख आवेदन, तेजी से हो रहा निपटारा

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आदेश पर बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के मौके पर सभी जिलों में समग्र सेवा अभियान चलाने की कार्य योजना तैयार की गई। राज्य के 60 हजार से अधिक छोटे-बड़े अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति टोलों में डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत विशेष विकास शिविर आयोजित किए गए थे। इनमें 22 प्रमुख योजनाओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए। 14 अप्रैल से 17 मई तक आयोजित सभी शिविरों में 22 लाख 99 हजार 405 आवेदन प्राप्त हुए। इसमें 9 हजार 477 आवेदन आधारभूत संरचनाओं तथा 22 लाख 89 हजार 928 आवेदन विभिन्न योजनाओं को पूरा करने की मांग को लेकर प्राप्त हुए हैं। इन पर संबंधित विभाग के स्तर से क्रियान्वयन की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। एक तिहाई मामलों का

निष्पादन करते हुए संबंधित व्यक्ति को इसका लाभ भी दिया जा चुका है। आधारभूत संरचनाओं से संबंधित कुल 9 हजार 477 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 3 हजार 114 कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किए जा चुके हैं। शेष 4 हजार 652 मामलों में कार्य प्रगति पर है। बड़ी बात ये है कि इस श्रेणी में प्राप्त हुए सभी आवेदनों में अबतक 32.86 प्रतिशत का निपटारा कर लिया गया है। वहीं, विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित 22 लाख 89 हजार 928 आवेदनों में से 9 लाख 92 हजार 203 को स्वीकृत किया गया है। इनमें 43.48 प्रतिशत आवेदनों का निपटारा कर दिया गया है।

विद्यालय निर्माण की स्थिति : आधारभूत संरचनाओं की जरूरतों से संबंधित विद्यालय निर्माण के लिए कुल 207 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 45 स्थलों पर काम पूरा हो चुका है। वहीं, 151 विद्यालय निर्माण के मामले प्रक्रियाधीन हैं। बड़ी बात ये है कि मुजफ्फरपुर जिले से विद्यालय निर्माण के लिए सर्वाधिक 24 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें तीन पर काम पूरा हो चुका है जबकि 21 विद्यालय निर्माण के मामले प्रक्रियाधीन हैं। वहीं, नवादा से कुल 14 आवेदन प्राप्त हुए हैं, इनमें 11 पर काम पूर्ण हो चुके हैं जबकि तीन मामले प्रक्रियाधीन हैं। वहीं, सीवान, वैशाली और गोपालगंज जिले से विद्यालय निर्माण के लिए कुल 12 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें सीवान में एक जगह पर काम पूर्ण हो चुका है।

संक्षिप्त समाचार

चिड़िया में आंधी और पानी ने मचायी तबाही, घर के ऊपर गिरा पेड़, कई घायल

पश्चिमी सिंहभूम, एजेंसी। जिले के मनोहरपुर प्रखंड में बुधवार की शाम तेज आंधी–तूफान ने चिड़िया और आसपास के क्षेत्र में खूब तबाही मचायी। देर शाम करीब 8 बजे तेज आंधी और पानी के बीच चिड़िया के बाजार हाता में एक बड़ा पेड़ दो घरों के ऊपर गिर गया। इस हादसे में बाजार हाता निवासी 71 वर्षीय लक्ष्मी खंडाईत, 60 वर्षीय सुलेखा हरिजन, 37 वर्षीय अमर हंस घायल हो गये। तीनों का सिर फट गया। इधर सीमान निवासी 50 वर्षीय राम संडील के घर का टीना उड़ गया, जिसे बचाने के दौरान राम संडील का बायां हाथ बुरी तरह जख्मी हो गया। सभी घायलों को इलाज के लिए चिड़िया के सेल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दूसरी ओर जोरदार हवा से चिड़िया माइंस रोड में दर्जनों की संख्या में पेड़ गिर गये, जिससे माइंस से लौट रहे दर्जनों मजदूर सेल ।कर्मी व सेल अधिकारी रास्ते में फंस गये। देर रात सभी को वहां से बाहर निकाला गया और सुरक्षित चिड़िया लाया गया।

गुमला में होटल संचालक का शव मिलाः बंद घर से सड़ी हुई लाश बरामद, एक सप्ताह से बंद था दरवाजा

गुमला, एजेंसी। गुमला के भरनो क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह एक होटल संचालक का शव उसके बंद घर से बरामद किया गया है। मृतक की पहचान गढ़ाटोली गांव के 50 वर्षीय गंदूर उरांव के रूप में हुई है। मिशन चौक स्थित दामाद के घर में अकेले रहने वाले गंदूर एक छोटा होटल चलाते थे। पिछले एक सप्ताह से उनका घर बाहर से बंद था। शुक्रवार को घर के आसपास दुर्गंध आने पर उनके दामाद ने दरवाजा तोड़कर देखा तो गंदूर का शव बेड के नीचे पड़ा मिला। परिजनों के अनुसार, गंदूर शराब का अधिक सेवन करता था। वह पीछे के दरवाजे से घर में प्रवेश करता था और अंदर से दरवाजा बंद कर लेता था। उसकी बेटी और दामाद बगल के घर में रहते हैं। सूचना मिलते ही सब इंस्पेक्टर मंटू चौधरी दल–बल के साथ मौके पर पहुंचे। शव को प्लास्टिक में लपेटकर बाहर निकाला गया। पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेज दिया है। शव की स्थिति से अनुमान लगाया जा रहा है कि मौत करीब 5 दिन पहले हुई होगी। भरनो पुलिस मौत के कारणों की जांच कर रही है।

जामताड़ा पुलिस ने साइबर अपराधी मुख्तार अंसारी को किया गिरफ्तार

जामताड़ा, एजेंसी। जामताड़ा साइबर पुलिस ने कर्माटांड़ थाना क्षेत्र के मोहालीडीह गांव से साइबर अपराधी मुख्तार अंसारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त सूचना के आधार पर यह सफलता मिली। एसपी डॉ.एहतेशाम बकारीब के अनुसार, मुख्तार अंसारी एक हिस्ट्रीशीटर है। वह पहले भी साइबर अपराध के मामलों में जेल जा चुका है। उसके पास से 16 लाख 58 हजार रुपए नकद, 6 मोबाइल फोन और 5 सिम कार्ड मिले हैं। मुख्तार अंसारी ने पश्चिम बंगाल, बिहार, असम और महाराष्ट्र के लोगों को अपना शिकार बनाया। वह ई–कॉमर्स कंपनियों का कस्टमर केयर एजेंट बनकर लोगों को फोन करता था। फिर उनके मोबाइल फोन को हैक कर बैंक खातों से पैसे निकाल लेता था। पुलिस को उम्मीद है कि मुख्तार की गिरफ्तारी से साइबर अपराध के कई अन्य मामलों का खुलासा होगा। जांच टीम उसके नेटवर्क और पीड़ितों की संख्या का पता लगा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अनजान कॉल्स पर विश्वास न करें। साथ ही अपनी निजी जानकारी किसी से साझा न करें। साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत पुलिस से संपर्क करें। पुलिस इस मामले में अन्य संदिग्धों की तलाश कर रही है।

बिरसा हरित ग्राम योजना में आएगी तेजी

धनबाद, एजेंसी। बिरसा हरित ग्राम योजना में और तेजी आएगी। इसके लिए जिला प्रशासन ने व्यवस्था कायम की है। अब इमारती पौधे के साथ फलदार पौधे भी लगाए जाएंगे। इसके लिए अच्छी नस्ल के फलदार पौधे की खरीदारी की जाएगी। नर्सरी से पौधे की खरीदारी होगी। ग्रामीणों के बीच पौधे का वितरण किया जाएगा। आम, अमरूद, कटहल, नींबू व सहजन के पौधे की होगी खरीद- आम, अमरूद, कटहल और सहजन (ड्रम स्टीक) के पौधे की खरीद होगी। नर्सरी से पौधे खरीदे जाएगा। इसके लिए विभाग ने मानक भी तय कर दिया है।

हजारीबाग में अवैध कोयला खदान में घुसा पानी तीन मजदूरों की मौत, तलाशी अभियान जारी

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग के केरेडारी थाना क्षेत्र के कंडाबेर एवं बरियातू सीमावर्ती क्षेत्र स्थित खावा नदी के किनारे अवैध कोयले की खदान में नदी का पानी घुस गया। इसमें फंसे तीन मजदूरों की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार, प्रशासन ने मजदूरों को निकालने के लिये एनटीपीसी से मदद की गुहार लगायी है। इस पर एनटीपीसी ने अवैध कोयला खदान में तीन बड़े-बड़े मोटर पंप उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

केरेडारी कंडावेर के खावा नदी के किनारे कोयला का अवैध उत्खनन कई माह से बड़े पैमाने पर किया जा रह था। 21 मई की दोपहर तीन बजे अचानक तेज बारिश शुरू हो गयी। बारिश को देखते हुए कोयले का अवैध उत्खनन करनेवाले तीन लोग खदान के अंदर रखे गये पानी मशीन को निकालने पहुंचे थे। इसी बीच तेज बारिश होने के कारण नदी पानी को रोकने के लिए बनाये गये मेढ़ को तोड़ते खदान में घुस गयी। इस हादसे

में तीनों मजदूर खदान में ही फंस गये और उनकी मौत हो गयी।

खदान में फंसने वाले मजदूरों में कंडाबेर गांव निवासी रीतलाल साव के 45 वर्षीय पुत्र प्रमोद साव, शंभू साव के 25 वर्षीय पुत्र उमेश कुमार और बदरुद्दीन मियां के 25 वर्षीय पुत्र नौशाद आलम शामिल हैं। इनमें से प्रमोद साव और उमेश साव खदान संचालक है। तीनों की मौत की खबर से इलाके में मातम फैल गया है।

खदान में फंसकर जान गंवाने वाले कंडाबेर गांव निवासी नौशाद की पत्नी अजमेरी खातून और प्रमोद साव की पत्नी मंजू देवी ने बताया कि बुधवार एक बजे दिन को खराब मौसम देखते हुए घर में खदान जाने की बात कर रहे थे। बारिश शुरू होने से पहले पानी मशीन को खदान से बाहर करने वाले थे। तीनों ने मोबाइल पर बात की, फिर बाजार टांड़ कंडाबेर पहुंचे। वहां से तीनों खदान चल गये। परिजनों ने बताया कि चार बजे ग्रामीणो से सूचना मिली कि तीनों खदान में डूब गए है। डूबने की जानकारी मिलते ही परिजन खोजबीन के लिए खदान पहुंचे।

अंचलाधिकारी रामरतन वर्णवाल ने बताया कि घटना की सूचना सुबह मिली। घटनास्थल पर पहुंच कर निरीक्षण किया। इसके बाद एनटीपीसी के अधिकारियों को फोन कर कंपनी से तीन पानी पंप मशीन मंगाया गया है। तीनों मशीन से खदान का पानी सुखाने का प्रयास किया जा रहा है।

वहीं, केरेडारी थाना प्रभारी विवेक कुमार ने कहा कि उन्हें अवैध कोयला उत्खनन की जानकारी नहीं थी। जंगल में कोयले का अवैध खदान चलता है,इसकी जानकारी पहली बार हुई। मामले की जांच की जा रही है। अवैध कार्य में संलिप्त लोगों पर उचित कार्रवाई की जायेगी।

महेशपुर में शिव-पार्वती मंदिर की प्राण प्रतिष्ठाः वाराणसी से आए पंडितों ने किया पूजन

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ जिले के महेशपुर ब्लॉक परिसर में नवनिर्मित शिव-पार्वती मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को मंदिर से एक शोभायात्रा निकाली गई। इस यात्रा में शिवलिंग और विभिन्न देवी-देवताओं की प्रतिमाओं का नगर भ्रमण कराया गया। शोभायात्रा ब्लॉक सभागार से शुरू होकर डाकबंगला मोड, ग्वालपाड़ा, हाटपाड़ा और शिवमंदिर होते हुए वापस ब्लॉक स्थित मंदिर पर समाप्त हुई। काशी से आए पंडितों ने पूजन किया। शुक्रवार को शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी।

मंदिर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले रंजीत मंडल ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 23 मई तक चलेगा। वाराणसी से आए पंडित आचार्य दुलाल पांडे ने मंत्रोच्चारण के साथ अनुष्ठान प्रारंभ किया। कलश यात्रा में गोपाल प्रसाद भगत, मनोज पाल, नितन दास समेत कई भक्त शामिल हुए। कार्यक्रम में महेशपुर के सीओ, बीडीओ, कनीय अभियंता और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य उपस्थित रहे। प्रखंड मुख्यालय और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं।

प्रदेश में झमाझम बरसेंगे बादल, मानसून को लेकर भी आया अपडेट

जमशेदपुर, एजेंसी। शहर में तेज हवा और गर्जन के साथ बुधवार शाम जोरदार वर्षा हुई। इस दौरान जुगसलाई ओवर ब्रिज और आदित्यपुर रेलवे ब्रिज के समीप पानी का जमाव हो गया। इससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बुधवार को दिन में तेज धूप देखने को मिली थी, पर शाम होते-होते पूरा मौसम ही बदल गया। हालांकि, मौसम विभाग ने इसका अलर्ट पूर्व में ही जारी किया था, ताकि लोगों को वज्रपात से बचाया जा सके।

मौसम विभाग के अनुसार 27 मई तक इसी तरह का मौसम देखने को मिलेगा। इस दौरान तापमान में भी दो से तीन डिग्री की गिरावट आएगी। ऐसे में आने वाले समय में गर्मी से राहत मिलेगी। बुधवार को शहर का अधिकतम तापमान 37.7 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तेज हवा की वजह से बिजली भी गुल रहा। मानगो सहित कई गैर कंपनी इलाकों में अंधेरा छाया रहा। इससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

दूसरी ओर शहरवासियों के लिए एक अच्छी खबर है। अगर, इसी तरह मौसम

बरकरार रहा तो इस बार झारखंड में मानसून समय से पूर्व प्रवेश कर जाएगा। इसकी भविष्यवाणी बुधवार को मौसम विभाग ने की।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने कहा कि अभी इसी तरह मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। दोपहर तक धूप और उसके बाद बादल, तेज हवा, हल्की वर्षा और वज्रपात होने की संभावना बनी रहेगी।

इसे लेकर मौसम विभाग ने यलो अलर्ट भी जारी किया है। ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो। अभिषेक आनंद ने कहा कि मानसून को लेकर अभी तक पाजिटिव रिपोर्ट है। उम्मीद है कि केरल में मानसून 25 मई तक प्रवेश करेगा। वहीं, झारखंड में 5 से 7 जून तक पहुंचेगा। इसके बाद अगले एक सप्ताह के अंदर सभी जिलों तक पहुंचेगा।

पहली बार मॉल में खुलेंगी कंपोजिट शराब की दुकानें

रांची, एजेंसी। उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग ने नई उत्पाद नीति की अधिसूचना जारी कर दी।इसके अनुसार राज्य में पहली बार मॉल में कंपोजिट शराब की दुकान खुलेगी। इसके माध्यम से देशी और मसालेदार देशी शराब भी मॉल में उपलब्ध हो सकेगी। इसके पहले मॉल में सिर्फ विदेशी शराब की दुकान का ही लाइसेंस दिया गया था। कंपोजिट शराब की दुकानों का मतलब है कि वैसी दुकान जहां एक ही लाइसेंस पर देसी शराब, देसी मसालेदार शराब, विदेशी शराब, बियर, वाइन या अन्य किसी भी प्रकार की शराब, जिसे राज्य सरकार द्वारा मानव उपयोग के लिए अनुमति दी गई हो, बिक सकेगी।

मॉल में शराब की कंपोजिट दुकान केवल वैसे मॉल में खोली जा सकेंगी, जिसके कारपेट एरिया का क्षेत्रफल कम से कम 50,000 वर्गफीट (पार्किंग एरिया को छोड़कर) हो। एक मॉल में अधिकतम दो दुकानें खोली जा

सकेंगी। इस दुकान का न्यूनतम क्षेत्रफल कम से कम 200 वर्गफीट होनी चाहिए। इसके लिए लाइसेंस समान्यतः एक वित्तीय वर्ष के लिए ही मिलेगा। प्रत्येक आगामी वित्तीय वर्ष में इनका नवीकरण शर्तों के अनुरूप होगा।

इन दुकानों का न्यूनतम प्रत्याभूत राजस्व निर्धारित नहीं किया जाएगा। लाइसेंस स्वीकृति की पात्रता खुदरा उत्पाद दुकानों को लाइसेंस प्राप्त करने के लिए निर्धारित पात्रता के अनुसार होगी। इनके द्वारा सभी पैक साइज एवं आयातित विदेशी शराब (मूल में बोतलबंद), लागर बीयर, वाइन एवं ब्रीजर की बिक्री हो पाएगी।

शराब की खुदरा दुकानें सुबह 10 बजे से रात 11 बजे तक खोली जा सकेंगी। अपरिहार्य कारणों से एक सप्ताह से अधिक के लिए खुदरा शराब की दुकानें बंद कराए जाने की स्थिति में डीसी को प्रशासी विभाग से अनुमति प्राप्त करनी होगी। इसी तरह से अपरिहार्य कारणों से शराब की आपूर्ति में विलंब होने, किसी अन्य विधि व्यवस्था अथवा दैविक विपत्ती या प्राकृतिक प्रकोप , सामाजिक आंदोलनों आदि से संबंधित समस्याओं के फलस्वरूप यदि किसी प्रकार की कोई क्षति होती है तो लाइसेंसधारी को किसी प्रकार की क्षतिपूर्ति सरकार द्वारा देय नहीं होगी। 21 साल से कम उम्र के किसी भी व्यक्ति को शराब की बिक्री नहीं की जाएगी। इसकेअलावा जिसने पूर्व से ही अत्यधिक शराब पी रखी हो, तो उसे भी शराब नहीं बेची जाएगी। ड्यूटी में पदस्थापित वर्दीधारी कर्मी को भी शराब की बिक्री नहीं होगी। किसी लाइसेंसधारी के निधन पर उसके वैध वारिस को लाइसेंस का स्थानांतरण हो सकेगा।

मॉडल शॉप के लिए भी लाइसेंस दिए जाएंगे। इसमें केवल नगर निगम एवं नगर परिषद क्षेत्र में वातानुकूलित एवं कम सेकम 600 वर्गफीट क्षेत्रफल वाली कंपोजिट ऑन बिक्री दुकान, जिसके लाइसेंसधारी के पास शराब पीने वाले व्यक्तियों को अल्पाहार प्रस्तुत करने के लिए किचन एवं प्रसाधन की व्यवस्था हो। यह मॉडल शॉप कंपोजिट मदिरा की ऑफ बिक्री की दुकान के ही धारक को दी जा सकेगी। इच्छुक लाइसेंसधारी का वार्षिक एमजीआर 5प्रतिशत बढ़ाकर निर्धारित किया जाएगा।

झारखंड को पीएम मोदी की सौगात, अमृत भारत योजना के तहत तीन आधुनिक रेलवे स्टेशनों का वर्चुअल उद्घाटन

रांची, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को झारखंड के तीन रेलवे स्टेशनों का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। ये स्टेशन अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत नए रूप में विकसित किए गए हैं। गोंविदपुर रोड (खूंटी), राजमहल (साहेबगंज) और शंकरपुर (देवघर) स्टेशन अब आधुनिक सुविधाओं से युक्त और यात्रियों के लिए अधिक अनुकूल हो गए हैं।

जानकारी के मुताबिक, खूंटी जिले के गोंविदपुर रोड रेलवे स्टेशन को हाटिया-राउरकेला रेलखंड के अंतर्गत दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल में विकसित किया गया है। करीब 6.65 करोड़ रुपये की लागत से इस स्टेशन का कायाकल्प किया गया। पुनर्विकास का शिलान्यास इसी साल 26 फरवरी को किया गया था।

पहले जहां स्टेशन पर केवल बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध थीं, अब यहां एक नया स्टेशन भवन, विस्तृत प्रतीक्षालय, कम्प्यूटरीकृत टिकट काउंटर, उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म, विस्तारित प्लेटफॉर्म शेड, आधुनिक फुटओवर ब्रिज, लिफ्ट, रैंप, एलईडी लाइटें, दिव्यांग यात्रियों के लिए स्पेशल रैंप और टैक्टाइल पाथ, शुद्ध पेयजल सुविधा, सुव्यवस्थित पार्किंग क्षेत्र और चौड़ी पहुंच सड़कें मौजूद हैं। इसके साथ ही स्टेशन परिसर को स्थानीय कला और सांस्कृतिक झलकियों से सजाया गया है, जो क्षेत्रीय पहचान को भी उभारता है। इस मौके पर राज्य के भूमि एवं राजस्व मंत्री दीपक बिरुआ, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और टोरपा विधायक सुदिव्या गुड़िया भी गोंविदपुर रोड स्टेशन परिसर में आयोजित समारोह में मौजूद रहे।

साहेबगंज जिले का राजमहल स्टेशन और देवघर का शंकरपुर स्टेशन पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत आते हैं। इन दोनों स्टेशनों का पुनर्विकास लगभग 15 करोड़ रुपये की संयुक्त लागत से किया गया है। यहां पर यात्रियों की सुविधा के लिए प्लेटफॉर्म का विस्तार, आधुनिक टॉयलेट, सर्कुलेटिंग एरिया, हरियाली और सौंदर्यीकरण के साथ-साथ दिव्यांग अनुकूल सुविधाएं जैसे रैंप, गाइडिंग टैक्टाइल पाथ और सुलभ शौचालयों का निर्माण किया गया है। रेलवे ने यह भी बताया कि इस विकास कार्य का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित और सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध यात्रा अनुभव प्रदान करना है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत झारखंड के कुल 57 रेलवे स्टेशनों को आधुनिक रूप दिया जा रहा है। यह योजना यात्रियों की सुविधा के साथ-साथ स्थानीय कला, संस्कृति और विरासत को भी रेलवे के माध्यम से प्रदर्शित करने का एक सशक्त माध्यम बन रही है।

झारखंड में लगातार 28 मई तक बारिश का अलर्ट : आकाशीय बिजली गिरने की भी चेतावनी

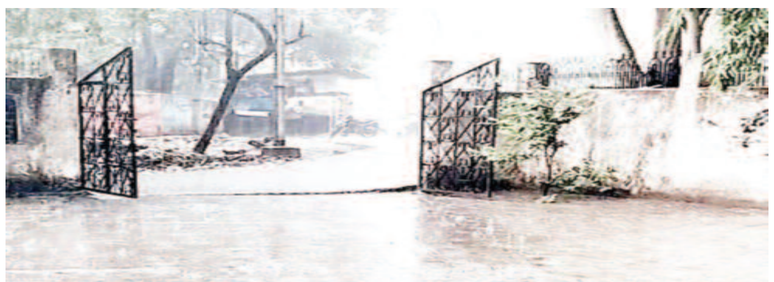

रांची, एजेंसी। झारखंड में गरज के साथ बारिश और आंधी का चलना फिलहाल जारी रह सकता है। मौसम विभाग ने लगातार 28 मई तक राज्य के कई हिस्सों में बारिश और तेज हवा के साथ वज्रपात का भी अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज जिले में कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवा के साथ वज्रपात की संभावना है। हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रह सकती है।वहीं, पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार और लोहरदगा जिले समेत उत्तरी मध्य हिस्सों में कहीं-कहीं पर भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले 5 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।

24 मईः देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज में कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवा चल सकती है। साथ ही आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। 25 और 26 मईः देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज के कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवा का झोंका चल सकता है। वज्रपात की भी संभावना बनी हुई है।

27 और 28 मईः राज्य में कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवा चलने के असार है। वज्रपात भी हो सकती है।पिछले 24 घंटे में राज्य में लगभग सभी जगहों पर आंधी और गर्जन/वज्रपात के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। जबकि कहीं-कहीं पर भारी बारिश भी हुई। सबसे अधिक बारिश 102.6 एमएम सदर चाईबासा में दर्ज की गई। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 40.3 डिग्री सेल्सियस डाल्टेनगंज में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 18.5 डिग्री सेल्सियस लातेहार में दर्ज की गई।

बदमाशों ने दो को मारी गोली, एक की मौत साहिबगंज के दो थाना क्षेत्र में हुई घटना

साहिबगंज, एजेंसी। साहिबगंज में गुरुवार की रात दो अलग-अलग थाना क्षेत्र में फायरिंग की घटना हुई। इसमें एक युवक की मौके पर मौत हो गई। जबकि दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी है। घटना तालझारी थाना क्षेत्र और राधानगर थाना क्षेत्र की है। वहीं, घटना के बाद लोगों ने सड़क पर आगजनी कर रोड जाम कर दिया। पहली घटना तालझारी थाना क्षेत्र के महाराजपुर स्थित डाक बंगला खंता इलाके में हुई। यहां पांचू मंडल (30) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जुआ खेलने के दौरान पैसे की लेनदेन पर विवाद हुआ था। इसके बाद आरोपी ने इस घटना को अंजाम दिया।

गोली लगने के बाद पांचू मंडल को गंभीर हालत में सदर अस्पताल ले जाया

गया, जहां डॉ. मुकेश कुमार ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर ने बताया कि गोली सीने के बीचों-बीच लगी थी, जो आर-पार हो गई। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगा कि कितनी गोलियां लगी थीं।

घटना स्थल पर पहुंचने पर मृतक के बड़े भाई फेकन मंडल ने बताया कि घायल पांचू ने अंतिम सांस लेने से पहले खुद बताया कि गदाई दियारा का जॉनी टाइगर नामक युवक ने उसे गोली मारी है। पांचू मंडल और आरोपी के बीच जुआ खेलने को लेकर पैसे की लेनदेन पर कुछ विवाद भी हुआ था। पुलिस इस हत्याकांड को आपसी रंजिश या व्यक्तिगत दुश्मनी से भी जोड़कर देख रही है। वहीं, दूसरी घटना राधानगर थाना क्षेत्र में हुई। राधानगर पंचायत भवन के पास अज्ञात हमलावरों ने कृष्ण घोष (60) को गोली मार दी। परिजन उन्हें गंभीर हालत में पश्चिम बंगाल के फरक्का स्थित एक निजी अस्पताल ले गए। कृष्णा घोष बाजार से घर लौट रहे थे। राधानगर थाना घाट के निकट एक पुलिया के नीचे से अचानक गांव के ही तीन लोग निकले और किसी ने गोली चलाई तो किसी ने धारदार हथियार से उनके सिर पर वार कर दिया।

उसी अवस्था में कृष्ण घोष वहां से भागे और कुछ दूर जाकर जमीन पर गिर गए। घटना को अंजाम देकर तीनों आरोपी घटनास्थल से फरार हो गए। सूचना मिलते ही राधानगर, बरहरवा और राजमहल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया। घायल कृष्णा घोष ने गांव के ही वासुदेव घोष, संतोष घोष तथा जोष्टी मंडल के बेटे पर हमला करने का आरोप लगाया है। लोगों ने बताया कि आरोपियों का कृष्ण घोष के साथ जमीन विवाद चल रहा है।

झारखंड में कभी भी बंद हो सकता है आयुष्मान योजना के तहत इलाज

रांची, एजेंसी। झारखंड के मरीजों के लिए सबसे भरोसेमंद योजना का लाभ मरीजों को मिलना कभी भी बंद हो सकता है। झारखंड के करीब 750 अस्पतालों को पिछले साढ़े तीन महीने से आयुष्मान योजना के तहत हुए इलाज के पैसे का भुगतान नहीं किया गया है। एसोसिएशन ऑफ हेल्थ केयर प्रोवाइडर्स ऑफ इंडिया झारखंड चैप्टर और आईएमए ने संयुक्त तौर पर प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि पिछले साढ़े तीन महीने से अस्पतालों के करीब 450 करोड़ रुपये बकाया है, जिसका भुगतान नहीं किया जा रहा है। भुगतान नहीं होने से अब अस्पतालों के पास संसाधनों के लिए खर्च करने के पैसे खत्म हो रहे हैं।

इसके अलावा वहां कार्यरत कर्मियों को भी वेतन का भुगतान नहीं कर पा रहे हैं। अधिकतर अस्पतालों में सत्तर फीसदी से

अधिक मरीज आयुष्मान योजना के ही होते हैं, ऐसे में भुगतान रुक जाने से अस्पतालों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि वे इलाज करने में सक्षम नहीं हो पा रहे हैं। साथ ही अस्पतालों के बंद होने तक की स्थिति आ गई है।

अस्पतालों के प्रबंधकों और एएचपीआई के अनुसार वे आयुष्मान योजना के तहत आने वाले मरीजों का इलाज करने में सक्षम नहीं हैं। भुगतान नहीं होने की स्थिति में धीरे-धीरे एक सप्ताह से दस दिनों के अंदर रांची सहित राज्य के सभी अस्पताल आयुष्मान योजना से इलाज बंद कर देंगे। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पदाधिकारियों ने बताया कि पहले हॉस्पिटल इंपैनल्ड मॉड्यूल (एचईएम) से वेतन का भुगतान किया जाता था। जिससे बिलिंग के दो सप्ताह के अंदर भुगतान कर दिया जा रहा था।

अब एचईएम को एचईएम 2.0 पोर्टल में अपडेट किया गया है, जिसमें तकनीकी खामियों को बताकर भुगतान नहीं किया जा रहा है। आईएमए, एएचपीआई और एचबीआई के पदाधिकारियों ने बताया कि सरकार अगर चाहे तो तुरंत इस समस्या का समाधान हो सकता है, पर लापरवाही के कारण भुगतान लंबित है।

सुभाषितम्

अपने भाई बंधु जिसका आदर करते हैं, दूसरे भी उसका आदर करते हैं।

- महाभारत

दिल्ली-एनसीआर का विकास उड़ गया आंधी में !

- निर्मल रानी

दिल्ली-एनसीआर को गत दिनों तेज आंधी,बारिश व तूफान का सामना करना पड़ा। इस तेज आंधी में नई दिल्ली स्टेशन के करीब नबी करीम क्षेत्र में एक निमार्णाधीन मकान की दीवार गिर गई जिसमें दब जाने से 3 लोगों की मौत हो गई और 3 लोग घायल हो गये। जबकि कई जगहों पर पेड़ उखड़ने का भी समाचार है। परन्तु शायद इस आंधी का सबसे अधिक प्रकोप न्यू अशोक नगर रैपिड मेट्रो स्टेशन को झेलना पड़ा। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ रैपिड रेलवे ट्रांजिट सिस्टम के बीच आने वाले इस स्टेशन के एक बड़े हिस्से की छत ही तेज हवा के चलते उड़ गई। और छत की कई टीन नीचे सड़क पर जा गिरी तो कई हवा में लटकने लगीं। गौर तलब है कि अभी करीब चार माह पूर्व ही 5 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिल्ली-मेरठ रेपिड रेलवे ट्रांजिट सिस्टम के 13 किलोमीटर लंबे जिस सेक्शन का उद्घाटन किया था, न्यू अशोक नगर स्टेशन भी उसी सेक्शन के बीच आने वाला एक प्रमुख स्टेशन है। और यह नवनिर्मित स्टेशन आंधी-तूफान का एक झटका भी नहीं झेल पाया। दिल्ली के न्यू अशोक नगर को उत्तर प्रदेश के साहिबाबाद से जोड़ने वाली इस परियोजना में 4,600 करोड़ रुपये की लागत आई है। न्यू अशोक नगर रैपिड मेट्रो स्टेशन पर हुये इस हादसे के बाद सुरक्षा के द्दष्टिगत नमो भारत ट्रेन की सेवाओं के आवागमन को अगले आदेश तक स्थगित करना पड़ा था। इस हादसे के बाद एक बार फिर स्टेशन की छत के निर्माण की गुणवत्ता पर प्रश्न उठने लगे हैं। यहाँ एक बात यह भी काबिले गौर है न केवल प्रधानमंत्री नई ट्रेन को झंडी दिखा कर रवाना करते हैं बल्कि पुल,हाईवे एक्प्रेसवे के छोटे से नवनिर्मित हिस्से जैसी परियोजनाओं का भी वे स्वयं उद्घाटन करते हैं बल्कि ऐसे अवसरों पर प्रायः कांग्रेस की सरकार को कोसने और अपनी पीठ थपथपाने से भी नहीं चूकते। मिसाल के तौर पर गत वर्ष द्वारका एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के समय प्रधानमंत्री ने तंज करते हुये कहा था कि ह्लकांग्रेस ने 7 दशक तक जो गड्ढे खोदे थे वे अब तेजी से भरे जा रहे हैं। उसी समय उन्होंने यह भी कहा था कि मैं न छोटा सोच सकता हूं, न मैं मामूली सपने देखता हूं और न ही मैं मामूली संकल्प करता हूं। मुझे जो चाहिए विराट चाहिए, विशाल चाहिए और तेज गति से चाहिए क्योंकि 2047 में मुझे देश को ह्यविकसित भारतह्ण के रूप में देखना है। परन्तु उन्होंने यह नहीं कहा कि मुझे हर परियोजना का निर्माण टिकाऊ व मजबूत भी चाहिये। याद कीजिये 16 जुलाई को प्रधानमंत्री ने जिला जालौन के कैथेरी में पूरे प्रचार-प्रसार के साथ जिस बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया था वह एक्सप्रेस-वे उद्घाटन के केवल 5 दिन बाद ही जगह-जगह से धंस गया था और उसमें कई जगह बड़े बड़े गड्ढे पड़ गये थे। जिसके कारण कई वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गये थे। चित्रकूट के भरतकूप से शुरू होकर इटावा के कुदरेल में मिलने वाले इस बुन्देलखंड एक्सप्रेस वे के निर्माण पर करीब 14 हजार करोड़ की लागत आई थी। इसके एक वर्ष बाद फिर इसी एक्सप्रेस वे पर पुनः चित्रकूट को जाने वाली लेन पर करीब एक दर्जन गढ्ढे हो गए थे। इन गड्ढों में पानी भरने से एक्सप्रेस वे से निकलने वाले कई वाहनों को दुर्घटना का शिकार होना पड़ा था। उस समय भी मीडिया में इस परियोजना की गुणवत्ता पर सवाल खड़े किये गए थे और काफी घटिया निर्माण के चलते सरकार की काफी फजीहत हुई थी। जाहिर है यह गड्ढे कांग्रेस के समय के नहीं थे। इसी तरह देश के सबसे लंबे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर दौसा जिले के भांडारेज के पास पर भारी वाहन गुजरने से सड़क धंस गई, जिससे बड़ा गड्ढा हो गया था। इस परियोजना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट बताया गया था। यहाँ भांडारेज टोल के पास भारी वाहन गुजरने मात्र से सड़क धंस गई थी जिससे सड़क के बीचों-बीच 15 फुट गहरा गड्ढा हो गया था । इस एक्सप्रेस वे पर गड्ढे होने के बाद इसमें भी घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल तथा लापरवाही का आरोप लगा था। इस परियोजना के निर्माण पर भी लगभग 1 लाख करोड़ रुपये की लागत आई थी। 12 फरवरी 2023 को इस का भी प्रधानमंत्री मोदी ने ही उद्घाटन किया था और उद्घाटन करते हुये इसे भी देश की आधारभूत संरचना का एक उत्कृष्ट उदाहरण बताया था। लेकिन उद्घाटन के कुछ ही महीनों में बारिश ने इस उत्कृष्ट निर्माण की वास्तविकता को उजागर कर दिया था। इस तरह के दर्जनों ऐसे उदाहरण हैं जो या तो निर्माण के समय ही ध्वस्त या क्षतिग्रस्त हो गये या उद्घाटन के कुछ समय बाद ही उनकी असलियत उजागर हो गई। अभी गत वर्ष बिहार में इसतरह एक के बाद एक कई बड़े पुल ढह गए। गत वर्ष अयोध्या नगरी में कई जगह सड़कें धंस गयीं। चंडीगढ़ से राजस्था को जाने वाला अंबाला से होकर गुजरने वाला हाइवे अपने निर्माण के कुछ ही समय बाद क्षतिग्रस्त हो गया था। इसपर बने कई पुल भारी वहां गुजरने पर आज भी थरथर हिलते हैं। यह सारे गड्ढे विकसित राष्ट्र के मार्ग में पड़ने वाले गड्ढे हैं जिनकी जिम्मेदारी न ही कांग्रेस की है न ही पंडित नेहरू की।

सवाल यह है कि इस तरह के घटिया निर्माण के पीछे का रहस्य आखिर क्या है ? कौन हैं इन कंपनीज के मालिक जो जनता के टैक्स के पैसों की इसतरह खुलकर लूट करते हैं ? जनधन की लूट खसोट का यह सिलसिला आखिर कभी खत्म भी होगा या नहीं ? इन लुटेरी निर्माण कंपनियों को किसकी शह मिली हुई है ? क्या वजह है कि जिन मुगलों को विदेशी व आक्रांता बताकर दिन रात वोट बटोरने की राजनीति की जाती है उनके समय के बनाये हुये हजारों निर्माण आज भी पूरी मजबूती के साथ अपना सिर बुलंद किये खड़े हैं। इसी तरह अंग्रेजों के शासनकाल के अनेक महत्वपूर्ण निर्माण आजतक क्षतिग्रस्त नहीं हुये। उदाहरणार्थ 18 जनवरी 1927 को तत्कालीन गवर्नर-जनरल लॉर्ड इरविन द्वारा उद्घाटित व ब्रिटिश वास्तुकारों एडविन लुटियंस और हर्बर्ट बेकर द्वारा डिजाइन किये गये पुराने संसद भवन का आज तक बाल भी बांका नहीं हुआ जबकि सेन्ट्रल विस्टा परियोजना के अंतर्गत बना नया संसद भवन जिसका उद्घाटन 28 मई 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था उसमें पहली बारिश के दौरान ही पानी टपकने लगा था। निश्चित रूप से यह इस भवन की गुणवत्ता या निर्माण में कमी के कारण ही था। इससे नये संसद भवन की प्रतिष्ठा को भी ठेस पहुंची थी। परन्तु आश्चर्य है कि भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस व विकास का हर वक़्त ढिंढोरा पीटने वाली सरकार का विकास कहीं गड्ढों में घुसा जा रहा है तो कहीं आंधी में उड़ा जा रहा है ?

सरकार की आलोचना एवं अभिव्यक्ति अब कानूनन अपराध?

भारत की स्वायत्तता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने का कानून अब सरकार की आलोचना करने पर भी लागू होने लग गया है। इस बात को लेकर देशभर में बड़ी बहस छिड़ गई है। लोग कहने लगे हैं कि सरकार की आलोचना कब से अपराध हो गया है? हाल ही में फेसबुक पर अशोका यूनिवर्सिटी के राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर अली खान मोहम्मद की गिरफ्तारी, जिस पोस्ट के आधार पर हुई है उसके बाद से यह सवाल आम जनता के मन में बड़ी तेजी के साथ घूम रहा है। हद तो तब हो गई जब यह मामला सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए गया और सुप्रीम कोर्ट ने शर्तो के साथ प्रोफेसर अली खान की अंतरिम जमानत को मंजूर किया, लेकिन जो सुप्रीम कोर्ट ने कहा है उसकी तीव्र आलोचना भारत में हो रही है। भारत में क्या कानून अब जाति या धर्म के आधार पर लागू होंगे? भारतीय संविधान में अभी तक सभी नागरिकों को समान अधिकार थे, लेकिन जिस तरह से दो घटनाएं सामने आई हैं और पुलिस द्वारा दोनों घटनाओं में जिस तरह की कार्रवाई की गई, सुप्रीम कोर्ट ने दोनों घटनाओं के बारे में जिस तरह का निर्णय दिया है। उसके बाद देश में यह खुलेआम कहा जा रहा है सरकार और न्यायपालिका किसी पर रहम करते हुए दिखती है तथा किसी निर्दोष को सजा देते हुए दिखती है। यह कैसा तंत्र है? संविधान के अंतर्गत बनाए गए कानून और नियमों का पालन अब जाति, धर्म और पद देखकर होगा। न्याय भी दक्षिणपंथी, वामपंथी एवं विचारधारा को देखकर किया जाएगा? प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस में अपने विचार व्यक्त किए थे, जिसमें उन्होंने कर्नल कुरैशी का नाम नहीं लिया। सेना और सरकार की तारीफ करते हुए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जो बात कही गई थी उसी पर एक लाइन उन्होंने लिखी थी। दक्षिणपंथी टिप्पणी कर जिस तरह से कर्नल कुरैशी की तारीफ कर रहे हैं यदि वह माब लिंचिंग और बुलडोजर और नफरत फैलाने वाले लोगों पर भी इसी तरह से प्रतिक्रिया देते तो यह एक अच्छा संदेश होता। इतना लिखना उनके लिए गुनाह हो गया। वहीं दूसरी तरफ मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन बताकर जो बयान दिया गया मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज करने का आदेश दिया। मंत्री जी सुप्रीम कोर्ट चले गए। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों मामलों में जिस तरह की कार्यवाही की है, उसको देखने के बाद अब यह कहा जाने लगा है यदि आप वामपंथी हैं, आप सरकार की नीतियों को लेकर यदि कोई आलोचना करते हैं, आप किसी एक धर्म विशेष से आते हैं तो ऐसी स्थिति में न्यायपालिका भी अपने निर्णय उपरोक्त आधार पर करेगी या सभी को सामान्य रूप से न्याय मिलेगा? सभी नागरिकों को संविधान की सुरक्षा और मौलिक अधिकारों का संरक्षण करने का काम न्यायपालिका करेगी। इसको लेकर अब आम आदमी के मन में संशय उत्पन्न हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह से अली खान मेहमूदाबाद के ऊपर फेसबुक की वह टिप्पणी जिसमें कोई अपराध ही नहीं बनता है उसके लिए एसआईटी का गठन, उनको आगे कोई अभिव्यक्ति व्यक्त करने पर रोक लगाने, पासपोर्ट न्यायालय में जमा करने तथा विश्वविद्यालय के छात्रों को भी जिस तरह से अभिव्यक्त करने के लिए रोका गया है, उसको लेकर सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय की चर्चा जन-जन में हो रही है। मंत्री विजय शाह के मामले में एसआईटी का गठन सुप्रीम कोर्ट द्वारा किया गया है। उन्हें गिरफ्तारी से छूट दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने उनके ऊपर कोई शर्तें भी नहीं लगाई हैं। सुप्रीम कोर्ट के दोनों ही निर्णय से न्याय पालिका की निष्पक्षता और न्यायप्रियता भी सवालों के घेरे में आ गई है। देश में यह भी सवाल उठ रहे हैं कि क्या भारत का राजनीतिक तंत्र युगांडा के तानाशाह ईदी अमीन की तरह संचालित हो रहा है? युगांडा में बोलने की आजादी थी, लेकिन बोलने के बाद आजादी की कोई गारंटी नहीं थी अर्थात चुपचाप देखो बोलने से बचो, सरकार जो कहती है वह करो। भारत की न्यायपालिका और भारत का प्रशासकीय तंत्र भीड़ तंत्र के दबाव में उसी तरह से चलता हुआ दिख रहा है। भारत में इस तरह के हालात बन गए हैं कौन कानून के दायरे में आएगा और कौन नहीं आएगा, इसका फैसला सरकार ही करेगी।

चिंतन-मनन

प्रतिभा और ज्ञान

एक संत को जंगल में एक नवजात शिशु मिला। वह उसे अपने घर जे आए। उन्होंने उसका नाम जीवक रखा। उन्होंने जीवक को अच्छी शिक्षा-दीक्षा प्रदान की। जब वह बड़ा हुआ तो उसने संत से पूछा, गुरुजी, मेरे माता-पिता कौन हैं? संत को जीवक के मुंह से यह सुनकर बड़ा आश्चर्य हुआ लेकिन उन्होंने उसे सच बताने का निश्चय किया और बोले, पुत्र, तुम मुझे घने जंगलों में मिले थे। मुझे नहीं मालूम कि तुम्हारे माता-पिता कौन हैं और कहां हैं? जीवक अत्यंत उदास होकर बोला, गुरुजी, अब आत्महीनता का भार लेकर मैं कहां जाऊं? इस पर संत उसे सांत्वना देते हुए बोले, पुत्र, इस बात से दुखी होने के बजाय तुम तक्षशिला जाओ और वहां विद्याध्ययन करके अपने ज्ञान के प्रकाश से संपूर्ण समाज को आलोकित करो। जीवक अध्ययन के लिए चल पड़ा। वहां पहुंचकर वहां के आचार्य को उसने अपने बारे में सब कुछ बता दिया। आचार्य ने उसकी स्पष्टवादिता से प्रभावित होकर उसे विश्वविद्यालय में प्रवेश दे दिया। जीवक वहां पर कठोर परिश्रम के साथ विद्या प्राप्त करने लगा। वहां उसने आयुवेर्दाचार्य की उपाधि प्राप्त की। संपूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के बाद एक दिन आचार्य जीवक से बोले, पुत्र, अब तुम मगध जाकर वहां के लोगों की सेवा करो। यह सुनकर जीवक परेशान हो गया। आचार्य उसे दुखी देखकर बोले, कौन सी बात तुम्हें टीस रही है? जीवक बोला, आचार्य, आप तो जानते ही हैं कि मेरा कोई कुल और गोत्र नहीं है। मैं जहां भी जाऊंगा, लोग मुझ पर उंगलियां उठाएंगे।

हिंदी में कार्यरत वैज्ञानिक संस्थान को प्रोत्साहित करने की जरुरत

- संजय गोस्वामी

आज हिंदी में कार्यरत वैज्ञानिक संस्थान को प्रोत्साहित करने की जरुरत है इसी उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर की संस्थान,हिं वि सा परिषद यानी हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद के नई कार्यकारणी का गठन 18.05.25 को भाभा पार्क अनुशक्तिनगर में सुबह 10:30 बजे शुरू हुआ औ? 12बजे खत्म हुआ आज का युग विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है।जो मातृभाषा में करना आवश्यक है हमारे जीवन की छोटी-बड़ी हर घटना का संबंध विज्ञान और प्रौद्योगिकी से जुड़ा हुआ है। आज हम चाहकर भी मोबाइल, इंटरनेट, टीवी, स्कूटर, कार, बस और ट्रेन से अपने को दूर नहीं रख सकते। अब आप बताइए ये सभी साधन विज्ञान और प्रौद्योगिकी की देन हैं या नहीं? आपका जवाब हां में होगा! सभ्यता के आरंभिक चरण, कृषि और औद्योगिक क्रांति के बाद वर्तमान में हम प्रौद्योगिकी तथा सूचना क्रांति के युग में जी रहे हैं। लोगों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के संबंध में जानकारी देना आज एक अहम आवश्यकता बन गई है। भारतीय सम्विधान के अंतर्गत भी इसे एक मूलभूत कर्तव्य का दर्जा प्राप्त है। विज्ञान साहित्य और इसके लेखन को लोकप्रिय विज्ञान या लोकविज्ञान साहित्य कहते हैं। इसका महत्व किसी भी भाषा के साहित्य से कम नहीं होता। क्योंकि एक विज्ञान लेखक के पास साहित्य और लेखन कौशल के साथ विज्ञान की प्रमाणिक जानकारी भी होती है। वास्तव में विज्ञान लेखन साहित्य का अभिन्न हिस्सा है और इस विज्ञान साहित्य का सृजन वैज्ञानिक जानकारी और साहित्यिक तत्वों के संयोग या सम्मिलन से होता है। विज्ञान रिपोर्ट, विज्ञान लेख, विज्ञान समाचार, विज्ञान कथा, विज्ञान नाटक, विज्ञान रूपक, विज्ञान उपन्यास विज्ञान लेखन की विभिन्न धाराएं होती हैं।हिंदी विज्ञान में एक नई क्रांति मुंबई के वैज्ञानिकों ने 1968 में हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद की नींव रखी और 2साल बाद वैज्ञानिक पत्रिका का सतत प्रकाशन हुआ जो आज भी ऑनलाइन माध्यम से चल रही है अतः राष्ट्रीय अस्तर पर हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद ही एक मात्र ऐसी संस्था बची है जो इन उद्देश्यों को पूर्ण कर सकती है नई कार्यकारिणी का गठन हेतु 18 मई 25 को अनुशक्तिनगर में विशेष आम सभा में चुनाव अधिकारी ने सभी प्रत्याशी के नाम का ऐलान किया आम सभा से पहले चुनाव अधिकारी श्री बलवंत सिंह ने नई कार्यकारिणी 25-27 हेतु सभी चयनित उम्मीदवार के परिणाम प्रस्तुत किए गए -जो निम्न है अध्यक्ष - कृष्ण कुमार वर्मा - - उपाध्यक्ष - ब्रजेश कुमार सिन्हा,सचिव,शेर सिंह मीणा, संजय गोस्वामी -सयुंक्त सचिव,राज कुमार डाबरा -कोषाध्यक्ष बी.एन मिश्र -सयुंक्त कोषाध्यक्ष,सदस्य हेतु डॉ सुभाष दोन्दे,अश्विनी कुमार मिश्रा,संजू वर्मा, राजेश कुमार सचान - अनिल अहिरवार प्रकाश कश्यप - आलोक कुमार त्रिपाठी आदि निर्विरोध चुने गए हैं 18 मई 25 को आम सभा में चुनाव अधिकारी ने आवेदकों का नाम आम सभा में अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जिसे आम सभा में परिषद के सभी सभी लोगों एक मत अनुमोदन किया जिसके बाद में वैज्ञानिक के नए संपादक मंडल व व्यवस्थापन मंडल के सदस्य बाद में नई कमिटी द्वारा बनाए जायेंगे व परिषद के सचिव श्री सत्य प्रभात प्रभाकर व सह सचिव श्री राजेश कुमार ने नई कार्यकारिणी के सदस्यों को वर्तमान कार्यकारिणी को अब परिषद के आगे के कार्यक्रम के बारे में बताया जो सभा में उपस्थित सभी लोगों ने स्वीकार किया परिषद के सभी आजीवन सदस्यो ने आम सभा, जो भाभा पार्क, अणुशक्तिनगर में 10:30 बजे सुबह उपस्थित रहें उसमें सभी ने परिषद के कार्यों की सराहना की हिन्दी विज्ञान की लोकप्रिय पत्रिका वैज्ञानिक से जुड़े नव विज्ञान लेखक, प्रोफेसर, वैज्ञानिक और इंजीनियर ने सभी पाठकों और सृजनशील व्यक्तियों के निरंतर सहयोग, स्नेह, विश्वास और वैज्ञानिक से लगाव रहा है। इसके मुख्य संपादक श्री राजेश कुमार मिश्र हैं व संपादकीय बोर्ड के सदस्य सर्वश्री, राजेश कुमार, केके वर्मा, डॉ संजय कुमार पाठक व वैज्ञानिक के व्यवस्थापक ,सर्वश्री श्री नवीन त्रिपाठी, बी.एन. मिश्र,अनिल अहिरवार, प्रकाश कश्यप, बधाई के पात्र हैं। विज्ञान साहित्य का ऐसा मिला-जुला ढंग उस साहित्य के सृजन में सहायक होता है जो पूर्णतः भौतिकवादी होता है तथा शुद्ध कला का निर्माण नहीं करता है। हिंदी विज्ञान की पत्रिका वैज्ञानिक का योगदान विज्ञान संचार हेतु जरुरी है ताकि इससे नवविज्ञान लेखकों को एक वैज्ञानिक मंच मिल सके। हिंदी में विज्ञान संचार हेतु हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद का 55वर्षों से अधिक का लम्बा इतिहास रहा है राष्ट्रभाषा हिंदी आपसी सहयोग, साहचर्य एवं प्यार की भाषा है। इसे विश्वसमुदाय में स्थापित करना इन मूल्यों के संवर्द्धन हेतु अत्यंत लाभप्रद होगा।हिंदी को विश्वभाषा बनाने के मकसद से परिषद ने दो महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। विज्ञान संस्थाओं में हिंदी व हिंदी माध्यम से इंजीनियरिंग के विभिन्न अध्ययन व अनुसंधान के लिए परिषद की पत्रिका वैज्ञानिक की महत्वपूर्ण भूमिका रही है यह एक विज्ञान लेखक की महारत या दक्षता होती है और इसे किसी मायने में कमतर आँका जाना उचित नहीं है। हमें इस बात का भी संज्ञान अवश्य लेना होगा कि कालांतर में हिंदी और दूसरी भाषाओं के अनेक साहित्यकारों ने स्वयं वैज्ञानिक लेखन किये हैं तथा समाज के लिए इसके महत्व को रेखांकित करते रहे हैं।पूर्व में परिषद के अध्यक्ष भारत के मशहूर वैज्ञानिक डॉ. पी.के. अयंगर पूर्व अध्यक्ष एईसी व भारत के महत्वपूर्ण वैज्ञानिक भी थे परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. पी. के. अयंगर, परमाणु उपकरण के वास्तविक निर्माण के पीछे मुख्य वैज्ञानिकों में से एक थे, जिसने 18 मई, 1974 को पोखरण कके साथ भारत को परमाणु मानचित्र पर ला खड़ा किया। उन्होंने 40 वर्षों तक परमाणु ऊर्जा विभाग में काम किया।अतः अब परिषद उनके मार्गदर्शन में आगे कार्य सुचारु रूप से करेगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगतविचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

...तो मोदी जी ने कर ही दिया सिंदूर खेला

- राकेश अंचल

आखिर जिस बात की आशंका थी वो हो ही गया। 22 अप्रैल को पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा किए गए नृशंस हत्याकांड का बदला लेने के लिए भारत सरकार ने अपनी सेना के माध्यम से जो आपरेशन सिंदूर चलाया था उसका असली खेल 22 मयी 2025 को बीकानेर में तब खेला गया जब माननीय, प्रातः स्मरणीय , विश्वगुरु प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपनी रगों में लहू के बजाय सिंदूर बहने का दावा किया।

सिंदूर खेला है तो एक सांस्कृतिक घटना लेकिन भारत में आजादी के बाद पहली बार इसे सियासी मकसद से खेला गया है।आपको सिंदूर खेला के बारे में भी बता दूं। सिंदूर खेला बंगाल में विजयादशमी (दशहरा) के दिन मनाया जाता है। यह मुख्य रूप से विवाहित महिलाओं द्वारा किया जाने वाला अनुष्ठान है, जो दुर्गा पूजा के समापन का प्रतीक है। इस रिवाज में विवाहित महिलाएं एक-दूसरे के माथे पर सिंदूर (लाल रंग का पाउडर) लगाती हैं और माँ दुर्गा को विदाई देने से पहले यह अनुष्ठान करती हैं। यह उनके पति की लंबी उम्र और वैवाहिक सुख की कामना का प्रतीक माना जाता है।इसके अलावा, यह सामाजिक एकता और बहनापे का भी प्रतीक है, क्योंकि महिलाएं एक साथ इकट्ठा होती हैं, हंसी-मजाक करती हैं और इस रस्म को उत्सव के रूप में मनाती हैं। यह रिवाज विशेष रूप से पश्चिम बंगाल और बंगाली समुदायों में प्रचलित है। हमारे दूरद्दष्टा प्रधानमंत्री ने पहलगाम में 26 महिलाओं की मांग का सिंदूर उजाडे जाने की घटना को पूरी गंभीरता से लिया। वे सऊदी अरब का दौरा छोडकर भारत लौटे और पहलगाम जाने के बजाय मधुबनी जाकर बोले। सेना के हाथ खोले और सेना को पंद्रह दिन बाद पाकिस्तानी आतंकियों के ठिकाने नेस्तनाबूत करने के लिए आपरेशन सिंदूर की जिम्मेदारी सौंपी। सेना ने 7 मयी से 10 मयी तक आपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तानी आतंकियों के 21में से 9 ठिकाने और अनेक सैन्य अड्डे तबाह कर दिए, लेकिन आपरेशन पूरा होने से पहले ही अचानक भारत की ओर से अमेरिका ने और बाद में भारत सरकार ने युद्ध विराम की घोषणा कर सेना के हाथ फिर बांध दिए।उल्टे प्रधानमंत्री ने कहा कि सिंदूर खेला तो मात्र 22 मिनिट में हो गया था। आपरेशन सिंदूर का शेष बारूद प्रधानमंत्री जी ने अपने लिए बचा लिया। कुछ उनकी रगों में बह रहा है और शेष बिहार और बंगाल की सधवाओं के लिए बचाकर रख लिया गया है। मुमकिन है कि विधानसभा चुनावों के दौरान मोदी जी की तस्वीरों वाली सिंदूर की डिब्बियां पीले चावलों के स्थान पर बिहार और बंगाल में घर घर वितरित की जाएं। आपरेशन सिंदूर की टीशर्ट और मोदी जी के सैन्य वर्दी वाले होर्डिंग्स से तो देश के गली चौराहे पटने लगे हैं ही। सिंदूर जिसे हमारे बुंदेलखंड में सेंदुर भी कहते हैं का इतना शानदार, बाजिब और राष्ट्रव्यापी इस्तेमाल भारत में पहले कभी नहीं किया गया। महात्मा गांधी ने जिस तरह नमक सत्याग्रह किया था उसी तर्ज पर हमारे देदीप्यमान प्रधानमंत्री जी सिंदूर सत्याग्रह चला रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष भाग्य साथ देगा और तरक्की होगी। आपको मंगल उत्सवों में शामिल होने का मौका मिलेगा।

वृषभ यात्रा से मन को सकून मिलेगा। कानूनी विवाद में विजय होने से मन काफी प्रसन्न होगा।

मिथुन दिन काफी रचनात्मक है और आप बुद्धि के प्रयोग से जो भी काम करेंगे सफलता प्राप्त होगी।

कर्क आज भाग्य साथ देगा। दिन काफी सृजनात्मक है, जो भी काम लगन के साथ करेंगे।

सिंह भाग्य साथ देगा और तरक्की के योग बने हैं। दिन वैसे तो काफी व्यस्त रखने वाला है।

कन्या काम में सावधानी रखने की सलाह है। वरना आपका कोई बड़ा नुकसान हो सकता है।

तुला आज लाभ से भरा होगा और आपको हर कार्य में किस्मत का साथ मिलेगा।

वृश्चिक आर्थिक मामलों में तरक्की से भरा होगा। रुपये-पैसे के मामले में दिन मजबूत है।

धनु सतर्कता का है। बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाएंगे तो आपको लाभ होगा।

मकर आपको भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा। पार्टनरशिप में किया जाने वाला काम आपको लाभ देगा।

कुंभ करियर में लाभ होगा और आपको सफलता प्राप्त होगी। खानपान में लापरवाही न बरतें।

मीन आज दिन लाभकारक रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम हितकर रहेगा।

विशेष

भाजपा के पास विदेश नीति के सांसदों का टोटा

भारतीय जनता पार्टी के पास संसद के दोनों सदनों में विदेश नीति को लेकर सांसदों का टोंटा देखने को मिला। डेलिगेशन का जो नेतृत्व कर रहे हैं। उनमें अधिकांश मे कांग्रेस के पूर्व या वर्तमान सांसद प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। भाजपा में विदेश मंत्री के रूप में यशवंत सिन्हा ने काम किया था। अब वह पार्टी छोड़कर चले गए हैं। जसवंत सिंह रहे नहीं। अरुण जेटली और सुषमा स्वराज भी नहीं है। पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार में जो विदेश मंत्री और विदेश राज्य मंत्री रहे हैं। उन्हें डेलिगेशन में नहीं रखा गया। विदेश के सभी मामले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देखते थे। जिसके कारण किसी को विदेशी रिलेशन के बारे में कुछ भी नहीं पता। मीनाक्षी लेखी, जनरल बीके सिंह मोदी सरकार के राज्य मंत्री रहे हैं। राजकुमार राजन और वी मुरलीधरन विदेश मंत्री थे,वसुंधरा राजे अटल जी के समय विदेश राज्य मंत्री थी। परनीत कौर कांग्रेस से भाजपा में आई हैं।

स्टालिन ने लिखी चिट्ठी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने आठ मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने राष्ट्रपति ने जो रेफरेंस का पत्र मुख्य न्यायाधीश को भेजा है। उसका सामूहिक विरोध करने, राजनीतिक एवं कानूनी लड़ाई लड़ने का निर्णय लेने के लिए कहा है। जिन राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं। वहां के राज्यपाल कई महीनो और वर्षों तक विधेयक को मंजूरी नहीं देते हैं। राज्यपाल राजनीतिक हस्तक्षेप करते हैं। अपने आप को मुख्यमंत्री और राज्य मंत्रिमंडल से ऊपर मानते हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1875 सैयद अहमद खान ने एंगलो ओरिएंटल स्कूल की स्थापना अलीगढ़ में की जो 1920 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्व विद्यालय बना. 1941 द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मन युद्धपोत बिस्मार्क ने उत्तर अटलांटिक ब्रिटिश युद्धपोत को 1300 व्यक्तियों सहित डुबो दिया. 1956 भगवान बुद्ध की ढाई हजारवीं जयंती मनाई गई. 1964 लीमा में फुटबॉल मैच के दौरान दंगा हो जाने 300 दर्शक मारे गए. 1974 अमरीका ने वियतनाम और कंबोडिया के शरणार्थियों के पुर्नवास के लिए 40 करोड़ डालर की राशि मंजूर की. 1984 अमरीका और इसरायल ने पश्चिम एशिया सम्मेलन के बारे में राष्ट्रसंघ के प्रस्ताव को ठुकरा दिया. 1990 अमरीका ने चीन को व्यापार में विशेष वरीयता देने का दर्जा बिना शर्त नवीकरण किया. 1998 राजस्थान के राज्यपाल दरबारा सिंह का निधन.

दैनिक पंचांग

24 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

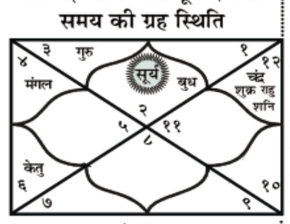

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.45 बजे से
चंद्र	मीन में	कर्क	08.58 बजे से
मंगल	कर्क में	सिंह	11.14 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.26 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.37 बजे से
शुक्र	मीन में	वृश्चिक	17.52 ब.से
शनि	मीन में	धनु	20.08 बजे से
राहु	मीन में	मकर	22.13 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	23.59 बजे से
राहुकाल		मीन	01.32 बजे से
9.00 से 10.30		मेष	03.03 बजे से
बजे तक		वृष	04.43 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 144 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण
तिथि द्वादशी 19.21 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रेवती 13.48 बजे को समाप्त।
योग आयुष्मान 15.00 बजे को समाप्त।
करण कौलव 08.58 बजे तदनन्तर तैतिल 19.21 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20° 46'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872354
जूलियन दिन 2460819.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्काद
तारीख 25
विशेष प्रदोष व्रत, शनि त्रयोदशी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55	से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37	से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23	से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10	से	08.42 बजे तक
रोग	08.51	से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42	से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19	से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14	से	11.47 बजे तक
चर	11.46	से	01.14 बजे तक	चर	11.47	से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14	से	02.42 बजे तक	रोग	01.19	से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42	से	04.10 बजे तक	काल	02.51	से	04.23 बजे तक
काल	04.10	से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23	से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

कब से शुरू हो रहा है नौतपा? इस दौरान क्या करें क्या नहीं

नौतपा के नौ दिन जहां वैज्ञानिक रूप से सूर्य की किरणें सबसे ज्यादा तीखी होती हैं जिसके कारण सबसे ज्यादा गर्मी पड़ती है तो वहीं, दूसरी ओर ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि सूर्य को प्रसन्न करने के लिए ये नौ दिन सर्वाधिक शुभ हैं।

नौतापा का हिन्दू धर्म में बहुत महत्व माना गया है। नौतपा वो नौ दिन होते हैं जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं और उनकी ऊर्जा एवं उनका तेज चरम पर होता है। नौतपा के नौ दिन जहां वैज्ञानिक रूप से सूर्य की किरणें सबसे ज्यादा तीखी होती हैं जिसके कारण सबसे ज्यादा गर्मी पड़ती है तो वहीं, दूसरी ओर ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि सूर्य को प्रसन्न करने, सूर्य के तेज को अपने व्यक्तित्व में उतारने एवं भाग्योदय के लिए ये नौ दिन सर्वाधिक शुभ हैं। ऐसे में आइये जानते हैं ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से कि इस साल कब से शुरू हो रहा है नौतपा और इन नौ दिनों में क्या करना चाहिए क्या नहीं।

नौतपा 2025 कब से शुरू है?

सूर्य देव इस वर्ष 25 मई, रविवार के दिन ठीक 3 बजकर 15 मिनट पर रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे, जिसके साथ ही नौतपा शुरू हो जाएगा और यह अगले नौ दिनों तक रहेगा। वहीं, सूर्य देव 8 जून, रविवार के दिन को दोपहर 1 बजकर 4 मिनट तक रोहिणी नक्षत्र में विराजमान रहेंगे। इसके बाद, 8 जून को वे मृगशिरा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे और फिर 15 जून को मिथुन राशि में गोचर करेंगे।

नौतपा 2025 में क्या करें?

नौतपा के नौ दिनों के दौरान सूर्य देव को रोजाना लाल चंदन और गेंदे का एक फूल जल में डालकर अर्घ्य दें। इसके अलावा, इन नौ दिनों में रोजाना आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें। नौतपा के दौरान जल, वस्त्र, भोजन आदि का दान अवश्य करें। हवा का दान कूलर या फिर ऐसी के रूप में भी कर सकते हैं। नौतपा के नौ दिन धार्मिक कार्यों में लीन रहना चाहिए। इससे शुभता घर में बनी रहती है।

नौतपा 2025 में क्या न करें?

नौतपा के नौ दिन भूल से भी बुरे विचारों एवं बुरे कार्यों में नहीं पड़ना चाहिए नहीं तो इससे सूर्य कुंडली में कमजोर होते हैं। सूर्य से जुड़ी वस्तुओं जैसे कि लाल रंग के वस्त्र, गेहूं, गुड़, सोना, माणिक्य, घी, केसर, तांबा आदि का दुष्प्रयोग न करें, नहीं तो इससे भयंकर सूर्य दोष लग सकता है। नौतपा के नौ दिनों तक ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए और बिस्तर के बजाय जमीन पर सोना चाहिए।

वट सावित्री अमावस्या पर कैसे करें पूजन

इस वर्ष वट सावित्री व्रत पर्व 26 मई सोमवार को मनाया जा रहा है। यह व्रत अखंड सौभाग्य पाने के लिए जाना जाता है। महिलाओं का वट सावित्री अमावस्या के दिन सावित्री ने यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राणों की रक्षा की थी। हिन्दू धर्म में वट सावित्री अमावस्या सौभाग्यवती स्त्रियों का महत्वपूर्ण पर्व है। इस व्रत को ज्येष्ठ कृष्ण त्रयोदशी से अमावस्या तक तथा ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी से पूर्णिमा तक करने का विधान है।

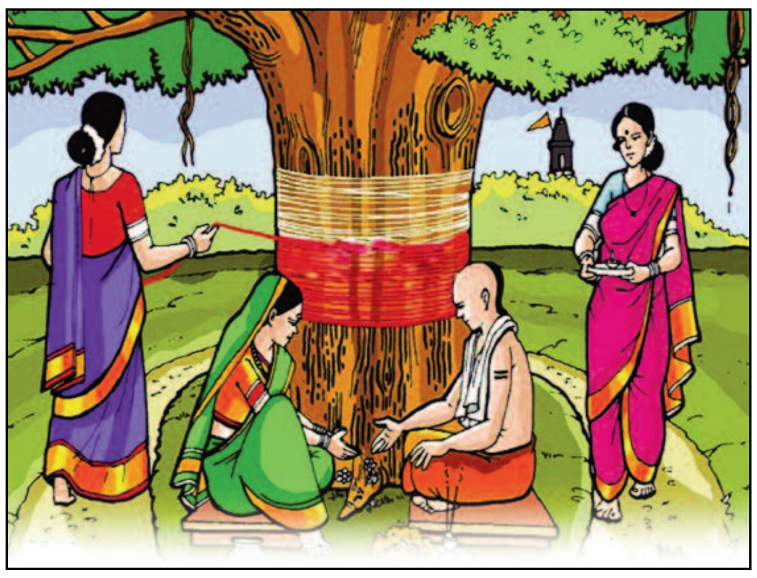

मान्यता है कि वट सावित्री व्रत करने से पति दीर्घायु और परिवार में सुख शांति आती है। पुराणों के अनुसार वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु व महेश तीनों का वास है। इस व्रत में बरगद वृक्ष चारों ओर घूमकर सौभाग्यवती स्त्रियां रक्षा सूत्र बांधकर पति की लंबी आयु की कामना करती हैं। वट सावित्री व्रत में 'वट' और 'सावित्री' दोनों का खास महत्व माना गया है। पीपल की तरह ही वट या बरगद वृक्ष का भी विशेष महत्व है। इस व्रत को सभी प्रकार की स्त्रियां यानी कुमारी, विवाहिता, कुपुत्रा, सुपुत्रा, विधवा आदि करती हैं। इस व्रत को स्त्रियां अखंड सौभाग्यवती रहने की मंगलकामना से करती हैं। आजकल अमावस्या को ही इस व्रत का नियोजन होता है। इस दिन वट (बड़, बरगद) का पूजन होता है।

वट सावित्री अमावस्या पूजा विधि

- वट सावित्री अमावस्या के दिन प्रात:काल घर की सफाई कर नित्य कर्म से निवृत्त होकर स्नान करें।
- तत्पश्चात पवित्र जल का पूरे घर में छिड़काव करें।
- इसके बाद बांस की टोकरी में सप्त धान्य भरकर ब्रह्मा की मूर्ति की स्थापना करें।
- ब्रह्मा के वाम पार्श्व में सावित्री की मूर्ति स्थापित करें।
- इसी प्रकार दूसरी टोकरी में सत्यवान तथा सावित्री की मूर्तियों की स्थापना करें। इन टोकरियों को वटवृक्ष के नीचे ले जाकर रखें।
- इसके बाद ब्रह्मा तथा सावित्री का पूजन करें।
- अब निम्न श्लोक से सावित्री को अर्घ्य दें–
  अवैधव्यं च सौभाग्यं देहि त्वं मम सुव्रते।
  पुत्रान्‌ पौत्रांश्च सौख्यं च गृहाणार्घ्यं नमोस्तुते।।
- तत्पश्चात सावित्री तथा सत्यवान की पूजा करके बड़ की जड़ में पानी दें।
- इसके बाद निम्न श्लोक से वटवृक्ष की प्रार्थना करें–
  यथा शाखाप्रशाखाभिर्वृद्धोसि त्वं महीतले।
  तथा पुत्रैश्च पौत्रैश्च सम्पन्नं कुरु मा सदा।।
- पूजा में जल, मौली, रोली, कच्चा सूत, भिगोया हुआ चना, फूल तथा धूप का प्रयोग करें।
- जल से वटवृक्ष को सींचकर उसके तने के चारों ओर कच्चा धागा लपेटकर 3 बार परिक्रमा करें।
- बड़ के पत्तों के गहने पहनकर वट सावित्री की कथा सुनें।
- भीगे हुए चनों का बायना निकालकर, नकद रुपए रखकर सासुजी के चरण स्पर्श करें।
- यदि सास वहां न हो तो बायना बनाकर उन तक पहुंचाएं।
- वट तथा सावित्री की पूजा के पश्चात प्रतिदिन पान, सिन्दूर तथा कुमकुम से सौभाग्यवती स्त्री के पूजन का भी विधान है। यही सौभाग्य पिटारी के नाम से जानी जाती है। सौभाग्यवती स्त्रियों का भी पूजन होता है। कुछ महिलाएं केवल अमावस्या को एक दिन का ही व्रत रखती हैं।
- पूजा समाप्ति पर ब्राह्मणों को वस्त्र तथा फल आदि वस्तुएं बांस के पात्र में रखकर दान करें।
- अंत में निम्न संकल्प लेकर उपवास रखें
  मम वैधव्यादिसकलदोषपरिहारार्थं
  ब्रह्मसावित्रीप्रीत्यर्थं
  सत्यवत्सावित्रीप्रीत्यर्थं च
  वटसावित्रीव्रतमहं करिष्ये।
- इस वट वृक्ष के नीचे सावित्री-सत्यवान की कथा को पढ़ने अथवा सुनने से मनोवांछित सुफल की प्राप्ति होती है।

वट सावित्री अमावस्या पूजन सामग्री की आवश्यक सूची

वट सावित्री व्रत यानी वट सावित्री अमावस्या 26 मई सोमवार को रखा जा रहा है। यह व्रत हर साल ज्येष्ठ माह की अमावस्या के दिन रखा जाता है। वट सावित्री व्रत करने से महिलाओं को अखंड सौभाग्य का आशीर्ष एवं संतान की प्राप्ति होती है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार वट सावित्री व्रत में पूजन सामग्री विशेष महत्व रखती है। इन सामग्रियों के बिना यह व्रत अधूरा रह जाता है। अत: पूजन करते समय इन चीजों का होना आवश्यक है

- सावित्री-सत्यवान की मूर्ति या तस्वीर
- कच्चा सूत ◗ बांस का पंखा
- सुपारी ◗ पान ◗ नारियल
- लाल कपड़ा ◗ सिंदूर
- दूर्बा घास ◗ अक्षत
- सुहाग का सामान ◗ नकद रुपए
- लाल कलावा ◗ बरगद का फल,
- धूप ◗ मिट्टी का दीपक ◗ घी
- फल (आम, लीची और अन्य फल)
- फूल ◗ बताशे ◗ रोली (कुमकुम)
- कपड़ा 125 मीटर ◗ इत्र,
- पूड़ियां ◗ भिगोया हुआ चना
- स्टील या कांसे की थाली ◗ मिठाई
- जल से भरा कलश आदि

शनि जयंती कब है महत्व और शनिदेव को प्रसन्न करने की विशेष पूजा विधि

इस साल शनि जयंती 27 मई के दिन है। शनि जयंती न्याय के देवता शनिदेव के जन्मोत्सव के रूप में मनाई जाती है। आप अगर शनिदेव की विशेष कृपा पाना चाहते हैं, तो आपको शनि जयंती पर शनि चालीसा का पाठ जरूर करना चाहिए।
इस साल शनि जयंती 27 मई के दिन है। हिन्दू पंचांग के अनुसार इस साल ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि 27 मई को है और इस तारीख पर न्याय के देवता शनिदेव का जन्मदिवस मनाया जाएगा।

शनि जयंती पर का महत्व और शुभ मुहूर्त

शनि जयंती शनिदेव की विशेष कृपा पाने के लिए सबसे शुभ दिन माना जाता है।
शनि जयंती 6 जून को है, इसलिए आप किसी भी समय पर शनिदेव की पूजा कर सकते हैं। इससे शनिदेव की कृपा आप पर बनी रहती है लेकिन पौराणिक मान्यता है कि अगर सूर्य के ढलने के समय अगर शनिदेव की पूजा की जाए, तो शनिदेव की विशेष कृपा मिलती है। विशेषकर जो लोग शनि की साढ़ेसाती या शनि की ढैया से पीड़ित हैं, उन्हें शनि जयंती पर शनिदेव की पूजा जरूर करनी चाहिए।

शनिदेव को प्रसन्न करने की पूजा विधि

शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए सुबह जल्दी उठकर स्नान कर लें। इसके बाद नीले या काले रंग के कपड़े पहन लें। शनि मंदिर जाकर सरसों के तेल में काले तिल डालकर शनिदेव को अर्पित करें। इसके बाद शनिदेव के सामने दीपक जलाकर उनकी कृपा पाने के लिए प्रार्थना करें। शनि चालीसा का पाठ करके शनिदेव को प्रसाद चढ़ाएं।

शनिदेव की कृपा पाने के लिए इन बातों का रखें ध्यान

- शनिदेव की कृपा पाने के लिए याद रखें कि शनिदेव को न्याय का देवता माना जाता है, इसलिए कभी भी बुरे कर्म ना करें या इसे समर्थन ना दें।
- शनिदेव को लाल रंग के फूलों की जगह नीले रंग के फूल अर्पित करें।
- शनि जयंती पर पीपल की जड़ में पानी और कच्चा दूध मिलाकर चढ़ाने से भी आपकी कुंडली से शनि का नकारात्मक प्रभाव कम होता है।

शनि अमावस्या पर पढ़ें शनिदेव के 10 प्रिय नाम

पुराणों के अनुसार महर्षि पिप्लाद ने शनिदेव की संतुष्टि के लिए उनके 10 नामों की रचना की है। जनमानस में यह बात मानी जाती हैं कि शनि का जिक्र होते ही व्यक्ति के मन में भय व शंका का भाव आता है। जबकि सच यह है कि शनि ग्रह थोड़ी-सी स्तुति से तुरंत प्रसन्न हो जाते हैं। अगर आप शनिदेव के इन नामों का उच्चारण प्रतिदिन प्रात:काल में स्नान करके करते हैं तो वह व्यक्ति शनि की प्रतिकूलता, साढ़ेसाती, ढैया आदि किसी भी प्रकार का कष्ट दूर होकर शनि कृपा होती है। अगर आप शनिश्चरी अमावस्या पर शनि के इन 10 नामों का उच्चारण निरंतर करते हैं तो यह सोने पे सुहागा वाली बात होगी यानी कि शनिदेव प्रसन्न होकर अपनी कृपा बरसाएंगे।

शनिदेव के 10 नाम

नमस्ते कोण संस्थाय पिंगलाय नमोस्तुते।
नमस्ते बभ्रुरुपाय कृष्णाय नमोस्तुते।
नमस्ते रौद्रदेहाय नमस्ते चांतकायच।
नमस्ते यमसंज्ञाय नमस्ते सौरये विभो।
नमस्ते मंदसंज्ञाय शनैश्चर नमोस्तुते।
प्रसादं कुरू देवेश दीनस्य प्रणतस्य च।

कर्म को सुधारें

सबसे जरूरी बात है कर्म को सुधारना। मतलब यह कि आप जुआ-सट्टा खेलना, शराब पीना, ब्याज का धंधा करना, किसी महिला के प्रति बुरी नजर रखना, निर्दोष पशु या पक्षी को सताना, धर्म का मजाक उड़ाना, छुआछूत या ऊंच नीच की भावना रखना, परिवार और रिश्तों का सम्मान नहीं करना, गाली बकते रहना आदि कार्य करना छोड़ दें।

अखंड सौभाग्य का वरदान देता है वट वृक्ष

हिन्दू धर्म संस्कृति में 'वट सावित्री अमावस्या एवं पूर्णिमा' का व्रत आदर्श नारीत्व का प्रतीक बन चुका है। वट पूजा से जुड़े धार्मिक, वैज्ञानिक और व्यावहारिक पहलू में 'वट' और 'सावित्री' दोनों का विशिष्ट महत्व माना गया है। अमावस्या और पूर्णिमा के दिन मनाया जाने वाला यह व्रत सौभाग्य और संतान प्राप्ति में सहायता देने वाला माना गया है। आइए जानते हैं सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य देने वाले वट वृक्ष की विशेषताएं

- पुराणों में यह स्पष्ट किया गया है कि वट में ब्रह्मा, विष्णु व महेश तीनों का वास है।
- प्राचीनकाल में मानव ईंधन और आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए लकड़ियों पर निर्भर रहता था, किंतु बारिश का मौसम पेड़-पौधों के फलने-फूलने के लिए सबसे अच्छा समय होता है। साथ ही अनेक प्रकार के जहरीले जीव-जंतु भी जंगल में घूमते हैं। इसलिए मानव जीवन की रक्षा और वर्षाकाल में वृक्षों को कटाई से बचाने के लिए ऐसे व्रत विधान धर्म के साथ जोड़े गए, ताकि वृक्ष भी फलें-फूलें और उनसे जुड़ी जरूरतों की अधिक समय तक पूर्ति होती रहे।
- वट वृक्ष ज्ञान व निर्माण का प्रतीक है।
- भगवान बुद्ध को इसी वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था।
- वट एक विशाल वृक्ष होता है, जो पर्यावरण की दृष्टि से एक प्रमुख वृक्ष है, क्योंकि इस वृक्ष पर अनेक जीवों और पक्षियों का जीवन निर्भर रहता है।
- इसकी हवा को शुद्ध करने और मानव की आवश्यकताओं की पूर्ति में भी भूमिका होती है।
- दार्शनिक दृष्टि से देखें तो वट वृक्ष दीर्घायु व अमरत्व के बोध के नाते भी स्वीकार किया जाता है।
- वट सावित्री में स्त्रियों द्वारा वट यानी बरगद की पूजा की जाती है।
- इसके नीचे बैठकर पूजन, व्रत कथा आदि सुनने से मनोकामना पूरी होती है।
- वट वृक्ष का पूजन और सावित्री-सत्यवान की कथा का स्मरण करने के विधान के कारण ही यह व्रत वट सावित्री के नाम से प्रसिद्ध हुआ।
- धार्मिक मान्यता है कि वट वृक्ष की पूजा लंबी आयु, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य देने के साथ ही हर तरह के कलह और संताप मिटाने वाली होती है।
- वट पूजा से जुड़े धार्मिक, वैज्ञानिक और व्यावहारिक पहलू हैं। यह एक बहुवर्षीय विशाल वृक्ष है, जिसे बरगद, 'वट' और 'बड़' भी कहते हैं। इस व्रत के व्यावहारिक और वैज्ञानिक पहलू पर गौर करें तो इस व्रत की सार्थकता दिखाई देती है। आज भी यह व्रत परंपरा के अनुसार मनाया जाता है।

कब रखा जाएगा वट सावित्री का व्रत, क्या है पूजा का मुहूर्त और महत्व

हिंदू धर्म में वट सावित्री का व्रत बेहद सौभाग्यशाली माना जाता है। इस दिन पत्नी अपने पति की लंबी आयु और सलामती के लिए व्रत रखती हैं और पूजा-पाठ करती हैं। अब ऐसे में इस साल वट सावित्री का व्रत कब रखा जाएगा और इस किस मुहूर्त में पूजा करने से लाभ हो सकता है।

सनातन धर्म में वट सावित्री की पूजा भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित है। इस दिन बरगद के पेड़ की पूजा-अर्चना करने का विधान है। ऐसा कहा जाता है कि वट सावित्री व्रत के दिन बरगद के पेड़ की पूजा करने से व्यक्ति को आरोग्य का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही सुख-समृद्धि की भी प्राप्ति होती है। वट सावित्री का व्रत रखने से दांपत्य जीवन खुशहाल बना रहता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि का आरंभ 26 मई को सुबह 10 बजकर 54 मिनट से आरंभ हो रहा है और इसका समापन 27 मई को सुबह 08 बजकर 31 मिनट पर होगा। इसलिए उदया तिथि के आधार पर वट सावित्री का व्रत 26 मई को रखा जाएगा।

वट सावित्री व्रते के दिन पूजा के लिए शुभ मुहूर्त के बारे में जानना बेहद जरूरी है। इसलिए आप सही मुहूर्त में ही पूजा-पाठ करें। आप वैसे विशेष रूप से चौघड़िया मुहूर्त और अभिजीत मुहूर्त में पूजा कर सकती हैं। यह पूजा के लिए उत्तम समय बताया गया है।

चौघड़िया का शुभ समय – सुबह 8 बजकर 52 मिनट से 10 बजकर 25 मिनट तक।
अभिजित मुहूर्त – 11 बजकर 51 मिनट से 12 बजकर 46 मिनट तक।
दोपहर का शुभ समय – दोपहर 3 बजकर 45 मिनट से 5 बजकर 28 मिनट तक।

5वीं बार बोनस देने जा रही है सरकारी कंपनी कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया

मुंबई। सरकारी कंपनी कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने बोनस शेयर देने का फैसला किया है। कंपनी पांचवी बार निवेशकों को बोनस शेयर देगी। इसका ऐलान गुरुवार को हो गया है। बता दें, कंपनी ने डिविडेंड का भी ऐलान किया है।

डिविडेंड दे रही है कंपनी – पीएसयू स्टॉक कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया है कि 5 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 2 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। यानी योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 40 प्रतिशत का फायदा होगा। इस डिविडेंड के कंपनी ने 6 जून की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है।

5वीं बार कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ देने जा रही है बोनस शेयर 22 मई को एक्सचेंज को कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने बताया था

कि 5 रुपये के फेस वैल्यू वाले 4 शेयर पर एक शेयर बोनस के तौर पर दिया जाएगा। इस बोनस इश्यू के लिए कंपनी ने अभी रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया है। इससे पहले कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने 2008 में निवेशकों को बोनस शेयर दिया था। तब कंपनी को एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया गया था। दूसरी बार कंपनी ने 2013 में 2 पर एक शेयर बोनस दिया था। वहीं, तीसरी बार 2017 में और चौथी बार 2019 में बोनस शेयर दिया था। आखिरी दोनों बार कंपनी ने 4 शेयर पर एक शेयर बोनस के तौर पर ही दिया है।

शेयर बाजार में कैसा रहा प्रदर्शन– बीते एक हफ्ते में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 10 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। हालांकि, इसके बाद भी एक साल कंटेनर कॉरपोरेशन के शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों को 35 प्रतिशत टूटा है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 1193.95 रुपये है। कंपनी का 52 वीक लो लेवल 601.65 रुपये है। शुक्रवार यानी आज कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के शेयर गिरावट के साथ खुले हैं। बीएसई में स्टॉक 718.10 रुपये के लेवल पर खुला है। शुरुआती कारोबार में स्टॉक का भाव 4 प्रतिशत से अधिक टूट चुका था। अह्मद्गह्वस्र्द्य4ह्वद्ग के डाटा के अनुसार इस कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी 54.80 प्रतिशत है।

1 लाख रुपये के बना दिए 1 करोड़ रुपये, दहाड़ रहा डिफेंस शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। डिफेंस कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर शुक्रवार को उछाल के साथ 389.90 रुपये पर जा पहुंचे हैं। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों ने लंबी अवधि का नजरिया रखने वाले निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयरों ने 1 लाख रुपये के निवेश को पिछले 10 साल में 1 करोड़ रुपये बना दिया है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों ने यह कमाल बोनस शेयरों के दम पर दिखाया है। कंपनी ने पिछले 10 साल में निवेशकों को 3 बार बोनस शेयर का तोहफा दिया है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 230 रुपये है। 1 लाख रुपये के ऐसे बन गए 1 करोड़ रुपये नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर 29 मई 2015 को 36.19 रुपये पर थे। अगर किसी व्यक्ति ने 29 मई 2015 को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते तो उसे कंपनी के 2760 शेयर मिलते। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने पिछले 10 साल में 3 बार बोनस शेयर दिए हैं। कंपनी ने सितंबर 2015 में 2:1 के रेशियो में, सितंबर 2017 में 1:10 के रेशियो में और सितंबर 2022 में 2:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए हैं। अगर कंपनी की तरफ से दिए गए बोनस शेयरों को जोड़ लें तो कुल शेयरों की संख्या बढ़कर 27,324 पहुंच जाती है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर शुक्रवार 23 मई 2025 को 389.90 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं।

दूध-तेल ने बिगाड़ा किचन का बजट

सस्ती दाल और सब्जियों ने दी राहत

नईदिल्ली, एजेंसी। देश भर में दूध और खाने के तेल के दाम आसमान छू रहे हैं। जून 2021 से अब तक दूध के भाव में 13 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो चुकी है। दूध के अलावा दही, पनीर, छाछ जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स भी महंगे हो रहे हैं। वहीं, खाने के तेल के दाम भी सितंबर 2023 से लगातार चढ़ रहे हैं। इनकी कीमतों में 10 से 20 रुपये प्रति लीटर तक की तेजी आई है। हालांकि, दालों, फलों और सब्जियों के दामों में ज्यादा उछाल नहीं आया है, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिली है।

आरबीआई की रिपोर्ट क्या कहती है?

आरबीआई के मुताबिक, औसत महंगाई काबू में है, लेकिन कुछ चीजों के दाम आग की तरह बढ़ रहे हैं। खासकर, मूंगफली, सरसों, और सूरजमुखी के तेल के भाव आसमान पर हैं। पिछले एक साल में खाद्य तेल के सूचकांक में 25 अंक से ज्यादा की छलांग लगी है। वहीं,

डेयरी प्रोडक्ट्स के सूचकांक में भी 30 अंक की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, अनाज, चीनी, दाल, और सब्जियों के दामों में गिरावट ने लोगों के हौसले बनाए रखे हैं।

कहां कितना बढ़ा, कहां नहीं?

खाद्य तेल : सूरजमुखी का तेल 130 से 159.2 रुपये/किलो, सरसों 152 से 170.8 रुपये/किलो, मूंगफली 182 से 190.4 रुपये/किलो।
दालें : उड़द 117 रुपये/किलो, मूंग 111.1 रुपये/किलो, मसूर 87.7 रुपये/किलो, चना 86.3 रुपये/किलो।

दूध और तेल महंगा होने की वजह?

. दूध : गर्मी में दूध उत्पादन घटता है, जबकि डिमांड बढ़ जाती है। साथ ही, डेयरी कंपनियों का स्टोरेज और ट्रांसपोर्ट का खर्च भी बढ़ जाता है। 2022–23 में देश में 230.58 मिलियन टन दूध का उत्पादन हुआ।

इंडसइंड बैंक को लगा एक और बड़ा झटका

बीएसई सेंसेक्स से बाहर होगा स्टॉक

नईदिल्ली, एजेंसी। संकट से जूझ रहे इंडसइंड बैंक को एक और बड़ा झटका लगा है। प्रबंधन संबंधी मुद्दों और 172 करोड़ के आंतरिक घोटाले के कारण बैंक के स्टॉक को बीएसई के बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स से हटाया गया है। एशिया इंडेक्स प्राइवेट लिमिटेड (बीएसई की सहयोगी कंपनी) ने सेंसेक्स के 30 शेयरों वाले सूचकांक में बड़ा बदलाव किया है। टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट लिमिटेड और सरकारी कंपनी

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को सेंसेक्स में जगह मिली है, जबकि इंडसइंड बैंक और नेस्ले इंडिया को सूचकांक से हटा दिया गया है। यह बदलाव 23 जून 2025 से लागू होगा।

निवेशकों पर क्या असर होगा– ट्रेंटः: ट्रेंट को लगभग 2,400 करोड़ (278 मिलियन डॉलर) के निवेश की उम्मीद है, जो उसके रोजाना के कारोबार से 2.5 गुना ज्यादा है।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड–डिफेंस सेक्टर की कंपनी बीईएल को भी 2,300 करोड़ (275 मिलियन डॉलर) के निवेश का अनुमान है। पिछले 6 महीनों में इसके शेयर 37 प्रतिशत चढ़े हैं।

नेस्ले इंडिया – नेस्ले इंडिया के शेयरों से 1,800 करोड़ (210 मिलियन डॉलर) निकल सकते हैं, जो उसके दैनिक कारोबार का 7.7 गुना है। हालांकि, पिछले 6 महीनों में इसके शेयर 5 प्रतिशत बढ़े थे।

इंडसइंड बैंक– इंडसइंड बैंक को प्रबंधन संबंधी मुद्दों और 172 करोड़ के आंतरिक घोटाले के कारण सूचकांक से हटाया गया है। इसके शेयर पिछले साल 40 प्रतिशत गिर चुके हैं, और अब इसमें 1,155 करोड़ (135 मिलियन डॉलर) की निकासी हो सकती है।

सूचकांक बदलाव क्यों महत्वपूर्ण हैं– बीएसई के अनुसार, इंडेक्स में बदलाव बाजार के लिए अहम होते हैं, क्योंकि यह दिखाता है कि निवेशकों का पैसा किन क्षेत्रों की ओर जा रहा है। इन बदलावों के बाद, सेंसेक्स को ट्रैक करने वाले म्यूचुअल फंड और श्वञ्जस्न (एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड) अपने पोर्टफोलियो को नए सिरे से व्यवस्थित करते हैं।

अन्य इंडेक्स में बदलाव

1. बीएसई 100 डिक्सन टेक्नोलॉजीज, कोफोर्ज लिमिटेड, इंडस टावर्स को शामिल किया गया। भारत फोर्ज, डाबर इंडिया, सीमेंस लिमिटेड को हटाया गया।
2. सेंसेक्स 50 इंडिगो (इंटरग्लोब एविएशन) ने ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज की जगह ली। श्रीराम फाइनेंस ने हीरो मोटोकॉर्प को रिप्लेस किया।
3. सेंसेक्स नेक्स्ट 50
ब्रिटानिया, डिक्सन टेक्नोलॉजीज, कोफोर्ज, हीरो मोटोकॉर्प, इंडस टावर्स शामिल हुए। इंटरग्लोब एविएशन, श्रीराम फाइनेंस, भारत फोर्ज, डाबर, सीमेंस को हटाया गया।
4. बीएसई बैंकेक्स : आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने केनरा बैंक की जगह ली।

अगले दशक में भारत बनेगा वैश्विक तेल मांग का सबसे बड़ा इंजन, रेटिंग एजेंसी मूडीज का दावा

नईदिल्ली, एजेंसी। चीन ने पिछले दशक में वैश्विक तेल की मांग को बढ़ावा दिया, लेकिन अब भारत आने वाले दस वर्षों में तेल की मांग में वृद्धि के मामले में चीन को पीछे छोड़ने के लिए तैयार है। भारत और चीन दुनिया के दूसरे और तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता देश हैं, लेकिन दोनों देशों में मांग वृद्धि में अंतर है। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अपनी ताजा रिपोर्ट में यह जानकारी दी। मूडीज के मुताबिक, अगले दशक में भारत में मांग वृद्धि और आयात निर्भरता अधिक होगी। भारत में मांग चीन की तुलना अधिक तेजी से बढ़ेगी, क्योंकि चीन का आर्थिक विकास धीमा हो रहा है। भारत की सरकारी तेल

विपणन कंपनियां बीते कुछ वर्षों से अपनी रिफाइनिंग क्षमता बढ़ाने में काफी निवेश कर रही हैं। इनमें भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) शामिल हैं।

चीन के मुकाबले भारत में गैस की मांग अधिक– गैस की मांग पर मूडीज ने कहा है कि भारत में प्राकृतिक गैस की मांग चीन के मुकाबले थोड़ा ज्यादा तेजी से बढ़ेगी। भारत का लक्ष्य 2030 तक अपनी ऊर्जा खपत में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य है। फर्टिलाइजर और पेट्रोकेमिकल जैसे उद्योगों में गैस का इस्तेमाल होता है। साथ ही, शहरों और कस्बों में घरेलू और ट्रांसपोर्ट के लिए भी गैस की खपत बढ़ रही है। इन सब कारणों से भारत में प्राकृतिक गैस की मांग हर साल 4 से 7 प्रतिशत तक बढ़ सकती है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर पर फोकस करने की जरूरत – रिपोर्ट में कहा गया है कि सीएनजी (कंप्रेस्ड नेचुरल गैस) और पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) का उपयोग शहरों में वाहनों और घरों में तेजी से बढ़ा है। लेकिन आगे इसमें विस्तार की कुछ चुनौतियां भी हैं, जैसे कि पूरे देश में गैस की पाइपलाइन कनेक्टिविटी का अभाव और कीमतों की समस्या। क्योंकि गैस की तुलना में नवीकरणीय ऊर्जा (रिन्यूएबल एनर्जी) जैसे विकल्प कई बार सस्ते होते हैं। भले ही भारत में गैस की मांग बढ़ रही है, लेकिन इसकी पूरी संभावनाओं को पाने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर और किफायती दामों पर फोकस करना जरूरी है।

नुकसान के अब मुनाफे में लौटी कंपनी, शेयरों ने लगाई जोरदार छलांग, 16 प्रतिशत से ज्यादा का उछाल

मुंबई। मार्केट बंद होने के बाद होनासा कंज्यूमर लि. ने मार्च तिमाही (त्त्4 एफवाय25) के नतीजे घोषित किए, और शुक्रवार को इसके शेयरों में 12 प्रतिशत की जोरदार छलांग लगी। ह्रस्श्व पर कंपनी के शेयर का भाव दिन भर में 14.12 प्रतिशत बढ़कर 314 रुपये तक पहुंच गया। यह शेयर लगातार दूसरे दिन चढ़ाव में रहा और आज 16 प्रतिशत से ज्यादा का उछाल दर्ज किया। आज यह शेयर 285 रुपये पर खुला और देखते ही देखते 16.48 पर्सेंअ की उड़ान भरकर 320.50 रुपये पर पहुंच गया। इसका 52 हफ्ते का हाई 547 रुपये और लो 197.51 रुपये है। दो दिन में शेयर ने 20 पर्सेंट से अधिक की उड़ान भरी है।

क्यों मची हलचल– कंपनी का रेवेन्यू पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले 13 प्रतिशत बढ़कर 533.5 करोड़ रुपये हुआ। यह बढ़त इसलिए खास है, क्योंकि बाकी स्न्रस्स्ष्टत्र कंपनियों ने इस दौरान सिर्फ सिंगल डिजिट ग्रोथ दर्ज की थी। यह सुधार कंपनी के ऑफलाइन व्यवसाय के पुनर्गठन (जुलाई–सितंबर 2024 से शुरू) का नतीजा माना जा रहा है।

नुकसान के बाद अब मुनाफे में लौटी कंपनी– सितंबर 2024 तिमाही में होनासा कंज्यूमर 18.5 करोड़ रुपये के नुकसान में थी। यह नुकसान प्रोजेक्ट नीव के तहत डायरेक्ट–टू–कंज्यूमर मॉडल की शुरुआत और इन्वेंटरी में बदलाव की वजह से हुआ था। मार्च तिमाही में कंपनी ने 24.9 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। हालांकि, यह पिछले साल के मुकाबले 18 प्रतिशत कम है, लेकिन पिछली तिमाही (26 करोड़) के मुकाबले स्थिरता दिखाता है।

होनासा कंज्यूमर शेयर मूल्य – मार्केट बंद होने के बाद होनासा कंज्यूमर लि. ने मार्च तिमाही के नतीजे घोषित किए, और शुक्रवार को इसके शेयरों में 12 प्रतिशत की जोरदार छलांग लगी। ह्रस्श्व पर कंपनी के शेयर का भाव दिन भर में 14.12 प्रतिशत बढ़कर 314 रुपये तक पहुंच गया। यह शेयर लगातार दूसरे दिन चढ़ाव में रहा और आज 16 प्रतिशत से ज्यादा का उछाल दर्ज किया। आज यह शेयर 285 रुपये पर खुला और देखते ही देखते 16.48 पर्सेंअ की उड़ान भरकर 320.50 रुपये पर पहुंच गया। इसका 52 हफ्ते का हाई 547 रुपये और लो 197.51 रुपये है। दो दिन में शेयर ने 20 पर्सेंट से अधिक की उड़ान भरी है।

क्यों मची हलचल– कंपनी का रेवेन्यू पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले 13 प्रतिशत बढ़कर 533.5 करोड़ रुपये हुआ। यह बढ़त इसलिए खास है, क्योंकि बाकी स्न्रस्स्ष्टत्र कंपनियों ने इस दौरान सिर्फ सिंगल डिजिट ग्रोथ दर्ज की थी।

नारियल तेल हुआ महंगा

कंपनियों ने एक साल में खूब बढ़ा दिए दाम, कितना पड़ा जेब पर असर

नईदिल्ली, एजेंसी। लगभग हर घर में इस्तेमाल होने वाली नारियल तेल की कीमत बढ़ गई है। पिछले एक साल में नारियल के तेल में 30 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। इसका सबसे बड़ा कारण कच्चे सामान की कीमत में आई तेजी है। इस तेजी के कारण कंपनियों को नारियल के तेल की कीमत बढ़ानी पड़ी है। मारिको और डाबर जैसी कंपनियों ने पिछले एक साल में नारियल तेल की कीमतों में लगभग 40 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की है।

मारिको के एमडी और सीईओ सौगत गुप्ता का कहना है कि कमोडिटी की कीमतें अब लगभग स्थिर हो गई हैं। उनके अनुसार, अब कीमतों में बड़ी बढ़ोतरी होने की संभावना कम है। लेकिन अगर कोई अप्रत्याशित घटना होती है, तो कीमतें बढ़ सकती हैं। गुप्ता एफएमसीजी सेक्टर के लिए इस वित्तीय वर्ष में बेहतर ग्रोथ की उम्मीद कर रहे हैं।

कच्चे माल की कीमत में तेजी– मारिको पैराशूट नारियल तेल बनाती है। नारियल तेल बनाने में इस्तेमाल होने वाला खोपरा एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। पिछले एक साल में खोपरा की कीमतें 40 से 50 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। इस वजह से मारिको को कीमतों में लगभग 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी करनी पड़ी। बाजार के अनुमानों के अनुसार, मारिको की नारियल तेल बाजार में 50 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सेदारी है। मारिको जैसी बड़ी कंपनियां खोपरा से नारियल तेल बनाती हैं, जबकि कुछ कंपनियां सीधे बाजार से तेल खरीदती हैं।

डाबर ने कितनी बढ़ाई कीमत– स्टॉकिस्ट सूत्रों के अनुसार, डाबर ने पिछले तीन से छह महीनों में इस श्रेणी में लगभग 10 प्रतिशत की मूल्य वृद्धि की है। डाबर इंडिया के सीएफओ अंकुश जैन ने कहा, हमने वैल्यू इंजीनियरिंग, लागत बचाने के उपायों और सोच-समझकर कीमतों में वृद्धि करके महंगाई के असर को कम किया है। हमने प्रतिस्पर्धा को भी ध्यान में रखा है।

दुनिया में महंगा हो रहा तेल– नारियल तेल की कीमतें पूरी दुनिया में बढ़ रही हैं। कीमतें रेकॉर्ड स्तर पर

पहुंच गई हैं। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस महीने फिलीपींस के नारियल तेल की थोक कीमत रोटरडम में 2,700 डॉलर प्रति मीट्रिक टन से ऊपर चली गई। यह 2000-2020 के औसत से लगभग 200 प्रतिशत अधिक है। दक्षिण पूर्व एशिया में खराब मौसम के कारण नारियल का उत्पादन प्रभावित हुआ है।

गांव-गांव तक के लिए मुकेश अंबानी ने बनाया तगड़ा प्लान !

60 करोड़ ग्राहकों पर है रिलायंस की नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज अब गांव-गांव तक अपनी पहुंच बनाने की तैयारी में है। रिलायंस की नजर खासकर देश में के तेजी से बढ़ रह एमएफसीजी सेक्टर पर है। इसके लिए कंपनी एक खास रणनीति पर काम कर रही है। कंपनी का फोकस आम लोगों तक अपनी पहुंच बनाने पर है। इसके लिए एफएमसीजी सेक्टर में सस्ते प्रोडक्ट लाना चाहती है। दूसरी तरफ हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, आईटीसी, नेस्ले और डाबर जैसी ज्यादातर कंपनियां ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए प्रीमियम उत्पादों पर ध्यान दे रही हैं। यानी वे महंगे प्रोडक्ट बेच रही हैं। ऐसे में रिलायंस को इस मार्केट में एक बड़ा मौका दिख रहा है। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स

लिमिटेड के डायरेक्टर टी कृष्णकुमार ने कहा कि उनकी नजर 60 करोड़ ग्राहकों पर है। कंपनी आस-पड़ोस की दुकानों के साथ मिलकर काम करेगी और उन्हें अच्छा मार्जिन देगी। कृष्णकुमार ने एक इंटरव्यू में कहा कि भारत की आबादी लगभग 1.4 अरब है। इसमें एक बड़ा मध्यम वर्ग है। लगभग 60 करोड़ ऐसे उपभोक्ता हैं, जिनके लिए हम अच्छी क्वालिटी के प्रोडक्ट बनाना चाहते हैं। इस क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर किसी ने भी स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ प्रवेश करने की कोशिश नहीं की है। रीजनल और लोकल कंपनियों ने कोशिश की, लेकिन वे टिक नहीं पाईं।

कंपनी ने खरीदे 15 ब्रांड्स– रिलायंस का कंज्यूमर बिजनस 2022 में रिलायंस रिटेल वेंचर्स की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में शुरू हुआ था। तबसे इसने 15 से ज्यादा ब्रांड खरीदे हैं। इनमें कैंपा सॉफ्ट ड्रिंक्स सबसे पहले थी। इसे 2022 में प्योर ड्रिंक्स लिमिटेड से लगभग 22 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। फिलहाल ज्यादातर ब्रांड कुछ ही बाजारों में उपलब्ध हैं। कैंपा के अलावा रिलायंस के पोर्टफोलियो में स्द्बद्य जैम और स्प्रेड, लोटस चॉकलेट, टॉफमैन और रावलगांव जैसे कन्फेक्शनरी ब्रांड, एलन का बगल्स स्नैक्स, वेलवेट शैम्पू और इंडिपेंडेंस स्टेपल्स जैसे खुद के बनाए ब्रांड शामिल हैं। कृष्णकुमार ने कहा कि मार्च 2027 तक इस पोर्टफोलियो को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया जाएगा। कंपनी का फोकस पेय पदार्थ और स्टेपल्स के अलावा कन्फेक्शनरी पर भी है। उन्होंने कहा, जब मैं कहता हूं कि हम स्केल अप कर रहे हैं, तो इसका मतलब कल नहीं है। किसी भी प्रोडक्ट को बड़े पैमाने पर बढ़ाने के लिए 24-30 महीने चाहिए, क्योंकि इससे कम समय में आप ठीक से काम नहीं कर सकते।

आगे का प्लान

एफवाय25 में आरसीपीएल ने 11,500 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया, जिसमें से 60 प्रतिशत से ज्यादा जनरल ट्रेड से आया। कंपनी ने घोषणा की कि कैंपा और इंडिपेंडेंस दोनों ने बिक्री में 1,000 करोड़ रुपये और कुल मिलाकर 10 लाख दुकानों तक पहुंच हासिल की है। कृष्णकुमार ने कहा कि हमें एक सप्लाई चेन बनाने की जरूरत है। पिछले साल के अंत तक पेय पदार्थों और स्टेपल्स में हमारी बाजार हिस्सेदारी लगभग 20 प्रतिशत थी। हमें मार्च 2026 तक इसे 60-70 प्रतिशत तक ले जाना है। बाकी कैटेगरी में भी हम व्यवस्थित रूप से शुरुआत करेंगे।। सॉफ्ट ड्रिंक्स, चॉकलेट और डिटर्जेंट जैसी कैटेगरी में कंपनी ने सभी उत्पादों की कीमतें कोका-कोला, मोंडेलेज और एचयूएल जैसे प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में 20-40 प्रतिशत कम रखी हैं। रिलायंस की यह विस्तार योजना ऐसे समय में आई है, जब शहरों में आर्थिक मंदी है। पिछले पांच तिमाहियों में शहरों के उपभोक्ताओं ने बढ़ती खाद्य और ईंधन महंगाई के बीच गैर-जरूरी खर्चों में कटौती की है। कृष्णकुमार ने कहा कि कंपनी ऑर्गेनिक ग्रोथ और एक्विजिशन का मिश्रण जारी रखेगी। लेकिन भारी लागत पर अधिग्रहण नहीं करेगी।

आईपीएल 2025:

11 साल में पहली बार शीर्ष दो में रहने पर पंजाब की नजरें

जयपुर, एजेंसी। एक दशक की नाकामी के बाद सफलता की नयी दास्तान लिख रही पंजाब किंग्स इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स का सामना करेगी तो उसकी नजरें 11 साल में पहली बार शीर्ष दो में जगह बनाने पर लगी होंगी। इससे पहले 2014 सत्र में पंजाब टीम लीग में शीर्ष पर रही थी लेकिन फाइनल में हार गई। पंजाब पिछले 18 साल के लीग के इतिहास में एक बार और ही प्लेऑफ में पहुंच सकी है। 11 बरस का इंतजार खत्म करने के बाद अब पंजाब की नजरें शीर्ष दो में रहने पर ही नहीं बल्कि एक और फाइनल खेलकर पहला खिताब जीतने पर लगी है। आत्मविश्वास से ओतप्रोत पंजाब टीम के हौसले और बढ गए जब उसके विदेशी खिलाड़ी मार्कस स्टोइनिस, जोश इंगलिस, आरोन हार्डी और काइल जैमीसन तीन दिन पहले टीम से जुड़े। ये चारों चयन के लिए उपलब्ध होंगे जब उनकी टीम मुंबई इंडियंस से हारकर यहां पहुंची दिल्ली का सामना करेगी।

भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के कारण लीग एक सप्ताह के लिए स्थगित होने के बाद ये विदेशी खिलाड़ी स्वदेश लौट गए थे। पंजाब और दिल्ली के बीच आठ मई को धर्मशाला में मैच पहली पारी के बाद बीच में रद्द कर दिया गया था। टूर्नामेंट बहाल होने के बाद पंजाब टीम ने अपने विदेशी खिलाड़ियों को वापिस बुला लिया।

आईपीएल प्लेआफ में तीन अलग-अलग टीमों की कप्तानी करने वाले पहले कप्तान बने पंजाब के श्रेयस अय्यर पर काफी दारोमदार होगा जो बतौर कप्तान अपना शानदार फॉर्म कायम रखना चाहेंगे। पिछले साल कोलकाता नाइट राइडर्स को खिताब दिलाने वाले अय्यर 2019 और 2020 में दिल्ली को प्लेआफ तक ले जा चुके हैं। दिल्ली की टीम 2020 में उनकी कप्तानी में फाइनल में पहुंची थी। पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह (458 रन), अय्यर (435 रन), प्रियांश आर्य (356 रन), अर्शदीप सिंह (11 विकेट) और युजवेंद्र चहल (13 विकेट) ने शानदार प्रदर्शन किया है। दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स को कई मौके मिले लेकिन प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव साफ नजर आया। तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के लौट जाने से भी उसके प्रदर्शन पर असर पड़ा। अब टीम जीत के साथ टूर्नामेंट से विदा लेना चाहेगी।

टीमें:

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, मार्कस स्टोइनिस, नेहल वढेरा, ग्लेन मैक्सवेल, विशाक विजयकुमार, यश ठाकुर, हरप्रीत बराड़, विष्णु विनोद, मार्को जानसन, लॉकी फर्ग्यूसन, जोश इंगलिस, जेवियर बार्टलेट, कुलदीप सेन, पायला अविनाश, सूर्यांश शेडगे, मुशीर खान, हरनूर पन्नू, आरोन हार्डी, प्रियांश आर्य, अजमतुल्लाह उमरजई।

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), जेक फ्रेजर–मैकगर्क, अभिषेक पोरेल, करुण नायर, लोकेश राहुल, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, समीर रिजवी, दर्शन नालकंडे, डोनोवन फरेरा, त्रिपुराना विजय, दुष्मंता चमीरा, फाफ डु प्लेसी, टी नटराजन, अजय जादव मंडल, मनवंत कुमार एल और माधव तिवारी।

समय : शाम 7 :30 बजे।

शुभमन गिल को मिल सकती है भारतीय टेस्ट टीम की कप्तान

इंग्लैंड दौरे के लिए दौड़ में सबसे आगे

मुंबई, एजेंसी। विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के बाद भारतीय क्रिकेट में बदलाव के नए दौर की शुरूआत होगी जब पांच टेस्ट मैचों के इंग्लैंड दौरे के लिए राष्ट्रीय चयनकर्ता शनिवार को नए टेस्ट कप्तान का चयन करेंगे। इंग्लैंड दौरे के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के नए चक्र का आगाज होगा और 25 बरस के शुभमन गिल कप्तानी की दौड़ में सबसे आगे हैं। ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे पर जसप्रीत बुमराह उप-कप्तान थे और उन्हें ही कप्तानी सौंपी जानी चाहिए थी लेकिन उनकी फिटनेस और कार्यभार प्रबंधन को देखते हुए वह दौड़ में पिछड़ सकते हैं। ऋषभ पंत आईपीएल में पूरी तरह से नाकाम रहे लेकिन टेस्ट प्रारूप में बदलाव के दौर से गुजरने जा रही भारतीय टीम का वह अभिन्न अंग होंगे और उन्हें उप-कप्तान बनाया जा सकता है। कप्तान के अलावा टीम में ज्यादा बदलाव की संभावना नहीं है। विराट और रोहित के जाने से खालीपन पैदा हुआ है जिससे केएल राहुल जैसे बल्लेबाजों से उम्मीदें बढ़ जाएंगी। राहुल और यशस्वी जायसवाल 20 जून से लीड्स में शुरू हो रहे पहले टेस्ट में पारी का आगाज कर सकते हैं। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले साई सुदर्शन रिजर्व सलामी बल्लेबाज हो सकते हैं।

अब देखना यह है कि अतिरिक्त विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर करूण नायर, सरफराज खान या श्रेयस अय्यर में से किसी को चुना जाता है क्या। रविचंद्रन अश्विन के संन्यास के बाद रविंद्र जडेजा प्रमुख स्पिनर होंगे लेकिन यह भी देखना होगा कि इंग्लैंड के हालात को देखते हुए क्या दो या तीन स्पिनरों को उतारा जा सकता है। अगर दो को चुना जाता है तो वॉशिंगटन सुंदर को कुलदीप यादव पर तरजीह मिल सकती है।

विकेटकीपिंग में पंत पहली पसंद होंगे और रिजर्व के तौर पर ध्रुव जुरेल को चुना जा सकता है। तेज गेंदबाजी में बुमराह क्या पांच मैचों तक फिट रह पायेंगे, यह एक सवाल है। मोहम्मद शमी की फिटनेस को लेकर भी संदेह है। मोहम्मद सिराज तीसरे तेज गेंदबाज होंगे लेकिन अगर पांच तेज गेंदबाजों को चुना जाता है तो प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप और अर्शदीप सिंह चुने जा सकते हैं।

हमारे पास प्लेऑफ में जाने के मौके थे, गुजरात पर जीत के बाद छलका पंत का दर्द

अहमदाबाद, एजेंसी। लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने स्वीकार किया कि उनकी टीम ने आईपीएल 2025 में कई मौकों पर अच्छा प्रदर्शन तो किया लेकिन मौके भुना नहीं सकी जिससे प्लेआफ की दौड़ से बाहर होना पड़ा। लखनऊ को प्रदर्शन में निरंतरता का खामियाजा भुगतना पड़ा और कई करीबी मुकाबलों में उसे पराजय भी मिली।

पंत ने गुजरात टाइटंस पर 33 रन से जीत के बाद कहा, 'हम अच्छा क्रिकेट खेलने की बात करते हैं और हमने कई मौकों पर खेला भी। टूर्नामेंट में ऐसा भी समय आया जब हमारे पास प्लेऑफ में पहुंचने का मौका था लेकिन हम पहुंच नहीं सके। लेकिन यह खेल का हिस्सा है। उन्होंने दोहराया कि प्रमुख गेंदबाजों की चोट से उनका आक्रमण कमजोर हुआ। लखनऊ ने सत्र में अपने अभियान का आगाज मोहसिन खान, आवेश खान, आकाश दीप और मयंक यादव के बिना किया। शार्दुल ठाकुर को सत्र के बीच में शामिल किया गया जबकि आवेश और आकाश ने वापसी की। मयंक दो मैच खेलने के बाद बाहर हो गए। पंत ने कहा, 'टूर्नामेंट की शुरूआत में कई फिटनेस समस्याएं थी। हमने तय किया था कि इस पर बात नहीं करेंगे। फील्डिंग में हमे कमी खली। हम बहाने नहीं बना सकते।

इंग्लैंड वर्सेस जिम्बाब्वे:

जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक लगाते ही इंग्लैंड के ओली पोप ने रच दिया इतिहास

ऐसा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के नंबर 3 ओली पोप ने गुरुवार 22 मई 2025 की रात इतिहास रचा। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में घरेलू मैदान (नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज स्टेडियम) पर शतक लगाया। जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक लगाने के साथ ही वह विभिन्न देशों के खिलाफ अपने पहले 8 टेस्ट शतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए।

खास यह है कि ओली पोप ने अब तक 9 टीमों के खिलाफ टेस्ट मैच खेला है। इसमें से 8 टीमों के खिलाफ उन्होंने शतक लगाये हैं। वह भारत, साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, श्रीलंका, पाकिस्तान, आयरलैंड और जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट मैच में शतक लगा चुके हैं। सिर्फ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही वह अब तक टेस्ट मैच में शतक नहीं लगा पाए हैं। इस साल के अंत में उनके ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने की संभावना है। अगर वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी टेस्ट शतक बनाने में सफल हो जाते हैं तो एक बेहतरीन क्लब में शामिल हो जाएंगे।

जिम्बाब्वे के खिलाफ इंग्लैंड के शीर्ष 3 बल्लेबाजों ने शतक लगाए – नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज में चार दिवसीय टेस्ट के पहले दिन पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 88 ओवर में 3 विकेट पर 498 रन बनाए। बेन स्टोक्स की अगुआई वाली इंग्लैंड के शीर्ष तीनों बल्लेबाजों ने शतक बनाए। सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने घरेलू मैदान पर 100 गेंद मे शतक जड़ा, जबकि जैक क्रॉली ने अपेक्षाकृत धीमे शतक (145 गेंद में) लगाया। वह 171 गेंद में 124 रन बनाकर आउट हुए। दिन का खेल खत्म होने के समय ओली पोप 163 गेंद में 169 और हैरी ब्रूक 18 गेंद में 9 रन बनाकर क्रीज पर थे। जो रूट 44 गेंद में 3 चौके की मदद से 34 रन बनाकर पवेलियन लौट चुके थे।

ओली पोप ने 109 गेंद में पूरा किया शतक – ओली पोप ने 109 गेंद में अपना 8वां टेस्ट शतक पूरा किया। उन्होंने 3 अंकों का आंकड़ा पार करते हुए कई रिकॉर्ड्स अपने नाम किये। ओली पोप ने नंबर 3 पर अपना सातवां शतक बनाया। इससे वह इस स्थान पर इंग्लैंड के बल्लेबाजों में जोनाथन ट्रॉट के बराबर आ गए।

पंजाब किंग्स में संकट

टीम के सह-निदेशकों के खिलाफ कोर्ट पहुंचीं प्रीति जिंटा, यह है वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब किंग्स में मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। टीम के मालिकों के बीच विवाद छिड़ गया है। टीम की सह-मालकिन प्रीति जिंटा अदालत पहुंच गईं हैं। उन्होंने टीम के सह निदेशकों मोहित बर्मन और नेस वाडिया के खिलाफ चंडीगढ़ की एक अदालत में लीगल केस दायर किया है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में टीम शानदार फॉर्म में है।

श्रेयस अय्यर की अगुआई में पंजाब किंग्स प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर चुकी है। उसके 12 मैच में 17 अंक हैं और वह आईपीएल 2025 की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। उसके अभी दो मुकाबले बाकी हैं। उसे अब 24 मई को दिल्ली कैपिटल्स और 26 मई को मुंबई इंडियंस से भिड़ना है। मुंबई इंडियंस भी आईपीएल 2025 प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर चुकी है। दिल्ली कैपिटल्स बाहर हो चुकी है। पंजाब किंग्स की नजर दोनों मैच जीतकर अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए नॉकआउट चरण में प्रवेश करने पर है। आईपीएल 2014 के बाद से यह पहली बार है जब पंजाब प्लेऑफ में पहुंची है। अब उसकी नजर खिताब का सूखा खत्म करने और अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी जीतने पर होगी।

विशेष आम बैठक की वैधता को दी चुनौती – प्रीति जिंटा की ओर से दायर याचिका में 21 अप्रैल को आयोजित विशेष आम बैठक की वैधता को चुनौती दी गई है। आरोप लगाया गया है कि टीम के अन्य सह निदेशकों ने नियमों का उल्लंघन करते हुए बैठक की। बॉलीवुड स्टार प्रीति जिंटा, मोहित बर्मन और नेस वाडिया केपीएच ड्रीम क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक हैं। यही कंपनी इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी पीबीकेएस (पंजाब किंग्स) की मालिक है।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रीति जिंटा ने कहा है कि 21 अप्रैल को आयोजित ईजीएम (विशेष आम बैठक) में कंपनी अधिनियम, 2013 और अन्य सचिवीय नियमों के तहत उचित प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया। अभिनेत्री और कारोबारी प्रीति जिंटा ने दावा किया है कि उन्होंने 10 अप्रैल को एक ईमेल के माध्यम से बैठक पर आपत्ति जताई थी, लेकिन संदेश को नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि मोहित बर्मन ने नेस वाडिया के समर्थन से बैठक आयोजित की थी।

इंडिया वर्सेस इंग्लैंड:

टीम इंडिया को बड़ा झटका

मोहम्मद शमी का इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में खेलना मुश्किल, मेडिकल टीम ने बीसीसीआई को दी अहम जानकारी

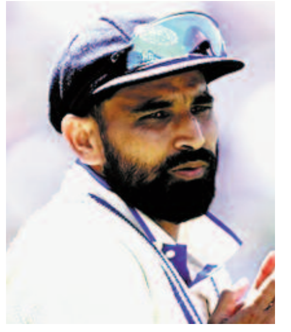

नई दिल्ली, एजेंसी। देवेंद्र पांडे। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच की टेस्ट सीरीज के लिए टीम का चयन करने को लेकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पास अब बस कुछ ही दिन बचे हैं। पता चला है कि सीनियर चयन समिति तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को दौरे से बाहर कर सकती है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बोर्ड को सूचित किया है कि 34 वर्षीय तेज गेंदबाज लंबे स्पैल नहीं कर पाएंगे। उनके सभी पांच टेस्ट मैच खेलने की संभावना भी बहुत कम है।

शमी को लेकर दुविधा में चयनकर्ता – मोहम्मद शमी को भारतीय टीम के साथ ले जाने और उन्हें कुछ मुकाबलों में खिलाने पर विचार-विमर्श किया गया। चूंकि जसप्रीत बुमराह ने पहले ही बीसीसीआई को सूचित कर दिया है कि उनका शरीर तीन टेस्ट मैच से अधिक नहीं झेल सकता है। ऐसे में चयन समिति इस दुविधा में है कि क्या इसी तरह के अनिश्चित गेंदबाज को टीम में शामिल किया जाए, जो शायद कुछ ही मैच खेल पाए। इससे भारतीय टीम की योजना भी प्रभावित होती है।

लंबे स्पैल गेंदबाजी करने वाले खिलाड़ी की मांग – पता चला है कि चयनकर्ता भारतीय टीम में फिट गेंदबाजों को शामिल करना चाहते हैं, जो जरूरत पड़ने पर लंबे स्पैल में बॉलिंग कर सकें। एक सूत्र ने बताया, 'शमी आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए 4 ओवर गेंदबाजी कर रहे हैं। बोर्ड और चयनकर्ताओं को नहीं पता कि वह एक दिन में 10 ओवर से ज्यादा गेंदबाजी कर सकते हैं या नहीं।

अंपायर या चीयरलीडर, IPL टूर्नामेंट में ज्यादा कौन कमाता है? इनकी सैलरी जानकर उड़ जाएंगे होश

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग केवल एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि एक बिजनेस मॉडल भी है. इस खेल में टीम के मालिकों के साथ ही खिलाड़ी भी करोड़ों रुपये कमाते हैं. वहीं चीयरलीडर्स और अंपायर को भी खूब पैसा मिलता है. टीम के खिलाड़ियों की नीलामी लगती है, जिससे उन्हें मिलने वाली रकम का खुलासा हो जाता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि चीयरलीडर्स और अंपायर को एक मैच के लिए कितने रुपये मिलते हैं.

चीयरलीडर्स की एक आईपीएल मैच की सैलरी – आईपीएल मैच के दौरान चौके-छक्के पड़ने पर या किसी टीम की विकेट गिरने पर चीयरलीडर्स अपनी-अपनी टीम को सपोर्ट करती नजर आती हैं. सभी टीमों की चीयरलीडर्स की सैलरी अलग-अलग होती है. सभी फ्रेंचाइजी अपने-अपने मुताबिक इनकी सैलरी निर्धारित करती हैं. चीयरलीडर्स आईपीएल के एक सीजन से दो से चार लाख रुपये तक कमा सकती हैं. आईपीएल में जहां कोई टीम अपनी चीयरलीडर्स को एक मैच के लिए 14 हजार रुपये के करीब देती हैं. वहीं कोई टीम 24 हजार रुपये तक भी देती है. इस तरह टीम के मुताबिक चीयरलीडर्स को अलग-अलग पैसे मिलते हैं.

अंपायर को मिलते हैं इतने रुपये – अंपायर का काम मैच को सही तरीके से चलाने का होता है और ये मैच में निर्णायक भूमिका निभाते हैं. अंपायरों का काम चीयरलीडर्स की तुलना में ज्यादा होता है और इसी वजह से इनकी सैलरी भी ज्यादा होती है. आईपीएल 2019 में सबसे प्रमुख अंपायर जवागल श्रीनाथ को 52.45 लाख रुपये मिले थे. वहीं मनु नायर को आईपीएल में अंपायरिंग करने के लिए 41.96 लाख रुपये मिल चुके हैं. आईपीएल मैच में फर्स्ट अंपायर के निर्णय को बदलने के लिए रिव्यू भी लिया जा सकता है, जिसे डीआरएस कहते हैं. फील्ड अंपायर के निर्णय को थर्ड अंपायर बताता है.

118 मैच, 15 साल से ज्यादा का करियर... श्रीलंका के इस दिग्गज ने टेस्ट क्रिकेट को कहा अलविदा

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका के महानतम क्रिकेटर्स में शुमार एंजेलो मैथ्यूज ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है. मैथ्यूज ने कहा कि वो अपना आखिरी टेस्ट मैच जून में बांग्लादेश के खिलाफ खेलेंगे. यह मुकबाला 17 से 21 जून तक गॉल में खेला जाना है. मैथ्यूज ने सोशल मीडिया पर 23 मई (शुक्रवार) को एक इमोशनल पोस्ट शेयर करके इस बात की जानकारी दी. मैथ्यूज ने स्पष्ट किया कि वो व्हाइट बॉल क्रिकेट खेलते रहेंगे. लगभग 16 साल लंबे अपने टेस्ट करियर में मैथ्यूज ने न केवल बल्ले से, बल्कि अपनी कप्तानी से भी श्रीलंकाई फैन्स के दिलों में खास जगह बनाई है.

मैंने क्रिकेट को अपना सब कुछ दिया...

एंजेलो मैथ्यूज ने ङ्ग पर लिखा, अब समय आ गया है कि मैं क्रिकेट के सबसे पसंदीदा फॉर्मेट, इंटरनेशनल टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहूं. पिछले 17 सालों से श्रीलंका के लिए क्रिकेट खेलना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान और गर्व की बात रही है. जब कोई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनता है, तो जो देशभक्ति और सेवा की भावना होती है, उसकी तुलना किसी चीज से नहीं की जा सकती. मैंने क्रिकेट को अपना सब कुछ दिया है और बदले में क्रिकेट ने भी मुझे बहुत कुछ दिया, मुझे वो इंसान बनाया जो मैं आज हूं.

उन्होंने आगे लिखा, मैं इस खेल के प्रति आभारी हूं और उन हजारों श्रीलंकाई क्रिकेट फैन्स का दिल से धन्यवाद करता हूं जो मेरे करियर के उतार-चढ़ाव में हमेशा मेरे साथ खड़े रहे. जून में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाला पहला टेस्ट मैच मेरे टेस्ट करियर का आखिरी मुकाबला होगा. जैसा कि चयनकर्ताओं से बात हुई है, मैं टेस्ट क्रिकेट से विदाई के बाद व्हाइट बॉल (वनडे और ञ्20) क्रिकेट में चयन के लिए उपलब्ध रहूंगा, अगर मेरे देश को मेरी जरूरत होगी. मैथ्यूज लिखते हैं, मुझे भरोसा है कि यह टेस्ट टीम एक प्रतिभाशाली टीम है, जिसमें भविष्य और मौजूदा दौर के कई महान खिलाड़ी हैं. मुझे लगता है कि यह सही समय है जब किसी युवा खिलाड़ी को मौका दिया जाए, ताकि वह देश के लिए चमक सके. मैं ईश्वर का, अपने माता-पिता का, अपनी पत्नी और बच्चों का, अपने पूरे परिवार व करीबी दोस्तों का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने मुझ पर हमेशा भरोसा किया और हर हाल में मेरा साथ दिया. साथ ही मैं श्रीलंका क्रिकेट और सभी कोचों को भी खास धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने मेरे करियर के दौरान मेरा हमेशा सहयोग किया. एक अध्याय खत्म हो रहा है, लेकिन खेल के प्रति मेरा प्यार हमेशा बना रहे.

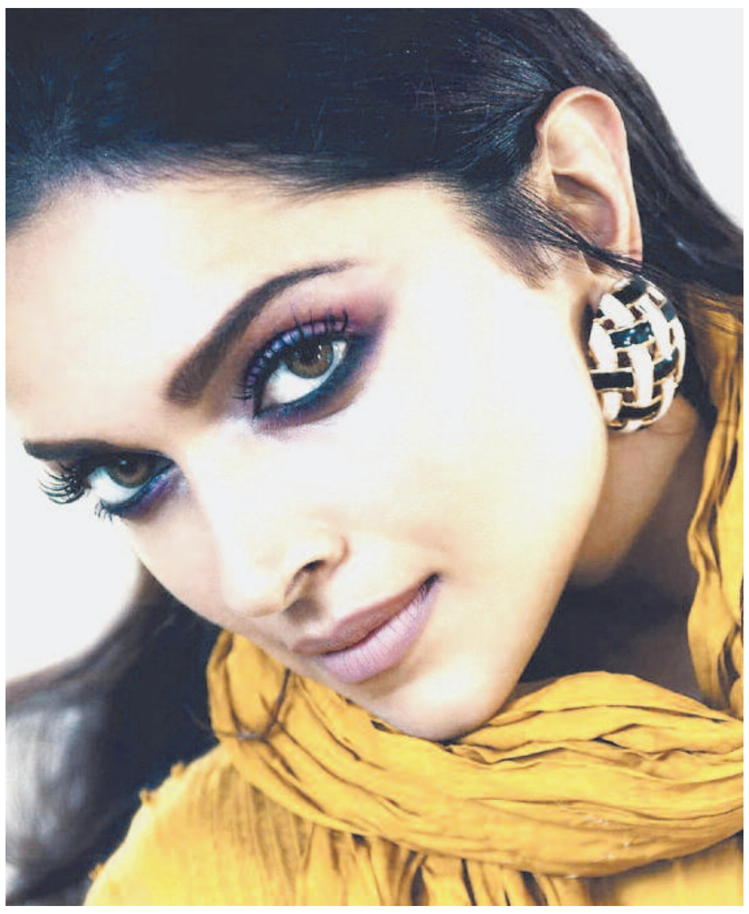

प्रभास की फिल्म छोड़ दीपिका ने थामा साउथ स्टार का दामन

आठ घंटे ही एक दिन में करेंगी काम

हीरोइन नंबर वन दीपिका पादुकोण की निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा से खटक गई है। वह अब उनकी फिल्म 'स्पिरिट' में शायद ही काम करें क्योंकि दीपिका के अब एक दिन में सिर्फ आठ घंटे ही काम करने के नए नियम से संदीप खुश नहीं थे। 'स्पिरिट' की डेट्स दीपिका ने फिल्म 'जवान' के अपने निर्देशक एटली की झोली में डाल दी हैं, जो जल्द ही अभिनेता अल्लू अर्जुन के साथ एक मेगा बजट फिल्म करने जा रही हैं। फिल्म 'एनिमल' के बाद इसके निर्देशक संदीप रेड्डी वंगा अब तक दूसरी फिल्म शुरू नहीं कर पाए हैं। लोगों को इसकी सीक्वल 'एनिमल पार्क' का बेसब्री से इंतजार है लेकिन उससे पहले संदीप का वादा प्रभास के साथ फिल्म 'स्पिरिट' पूरी करने का है। इस फिल्म की शूटिंग बीते साल ही शुरू हो जानी थी, लेकिन दीपिका के मां बनने की खबरें आने के बाद संदीप ने इस फिल्म की शूटिंग आगे के लिए टाल दी। अब दीपिका के मां बनने के बाद जो पहली फिल्म शुरू होनी थी, उसमें सबसे पहले 'स्पिरिट' का ही नंबर था। फिल्म के निर्माता इस फिल्म के लिए दीपिका को 20 करोड़ रुपये देने की बात भी मांग गए थे, लेकिन चूंकि संदीप रेड्डी वंगा का काम करने का स्टाइल अलग है तो दीपिका पहले से ही कुछ बातें लिखित में चाह रही थीं। जानकारी के मुताबिक दीपिका ने एक दिन में सिर्फ आठ घंटे ही काम करने की शर्त रखी और ये भी कि वह तेलुगु में अपनी डबिंग नहीं करेंगी।

अभिषेक बच्चन की कल्ट क्लासिक युवा के 21 साल किए पूरे

मणिरत्नम की फिल्म युवा, एक ऐसी फिल्म जिसने भारतीय सिनेमा में युवाओं, राजनीति और सत्ता की परिभाषा को बदल दिया, आज अपने 21 शानदार साल पूरे कर रही है। 2004 में रिलीज़ हुई यह फिल्म अभिषेक बच्चन के करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। फिल्म में उनके किरदार लल्लन सिंह को जबरदस्त सराहना मिली और इसी भूमिका के लिए उन्हें पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर भी मिला। रग्ड, रॉ और रिवेटिंग - लल्लन सिंह सिर्फ एक किरदार नहीं था, वह एक सांस्कृतिक क्षण बन गया। 'युवा' के साथ अभिषेक ने अपने ऊपर लगे अपेक्षाओं के बोझ को उतारा और अपनी एक अलग पहचान बनाई। यह फिल्म उनके करियर की आधारशिला बनी हुई है और उनका यह परफॉर्मेंस आज भी फैंस के बीच बेहद लोकप्रिय है। अभिषेक बच्चन भारतीय सिनेमा के सबसे स्थिर और भरोसेमंद कलाकारों में गिने जाते हैं – मनमर्ज़ियां, लूडो, बॉब बिस्वास, दसवीं (जो नेटफ्लिक्स पर ॠ1 रही), बी हैप्पी (जो ऐमज़ॉन प्राइम वीडियो पर ॠ1 ट्रेंड में रही), और आई वांट टू टॉक जैसी सफल और सराही गई फिल्मों के साथ

ठग लाइफ की शुगर बेबी गाना रिलीज

त्रिशा ने दी बेहतरीन डांस परफॉर्मेंस

आगामी फिल्म 'ठग लाइफ' का दूसरा गाना 'शुगर बेबी' बुधवार को रिलीज हो गया। इस गाने को ऑस्कर और ग्रैमी विजेता संगीतकार ए.आर. रहमान ने कंपोज किया है और इसमें अभिनेत्री त्रिशा कृष्णन ने शानदार डांस परफॉर्मेंस दी है, जिसे देखकर आप अपनी नजरें नहीं हटा पाएंगे। यह गाना रिदम और एटिट्यूड का एक हाई-वोल्टेज कॉकटेल है, और इसमें धमाकेदार बीट्स और चंचल स्वर की परतें हैं, जो ठग लाइफ के साउंडस्केप के द्वंद्व को उजागर करती हैं - विद्रोह और मौज-मस्ती। त्रिशा ने अपने मूव्स और अनफिल्टर्ड कॉन्फिडेंस से स्क्रीन पर चार चांद लगा दिए हैं, और एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह भारतीय सिनेमा में एक पावरहाउस क्यों हैं। यह गाना फिल्म के वेडिंग एंथम जिंगुचा के रिलीज के बाद आया है। यह गाना तमिल और हिंदी में रिलीज किया गया है।

तमिल वर्जन में एलेक्जेंड्रा जॉय, शुबा और सरथ संतोष की आवाजें हैं, जबकि हिंदी वर्जन में निकिता गांधी, शुबा और शाश्वत सिंह एक साथ हैं, जो पहले से ही आकर्षक ट्रैक में एक कॉस्मोपॉलिटन ऊर्जा जोड़ते हैं। ठग लाइफ में भारतीय सिनेमा के दिग्गज कमल हासन हैं, और यह लगभग चार दशकों बाद राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता लेखक मणिरत्नम के साथ उनका दूसरा सहयोग है। दोनों ने आखिरी बार नायकन में साथ काम किया था। यह मणिरत्नम और उनके रचनात्मक हमसफर ए.आर. रहमान के बीच एक और सहयोग को भी दर्शाता है। कमल हासन की राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल, मणिरत्नम की मद्रास टॉकीज, आर. महेंद्रन और शिवा अनंत द्वारा निर्मित, ठग लाइफ में सिलंबरासन टीआर, त्रिशा कृष्णन, अशोक सेल्वन, ऐश्वर्या लक्ष्मी, जोजू जॉर्ज, अली फ़ज़ल, सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ जैसे कलाकार भी हैं। मणिरत्नम के निर्देशन और ए.आर. रहमान के संगीत के साथ, ठग लाइफ 5 जून, 2025 को दुनिया भर में सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

श्रद्धा कपूर ने ठुकराई एकता कपूर की थ्रिलर फिल्म

फिल्म स्त्री 2 की सक्सेस के बाद एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर की डिमांड बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि एक्ट्रेस बहुत ही सोच समझकर फिल्में साइन कर रही हैं। इसी बीच खबर आ रही हैं कि उन्होंने एकता कपूर की फिल्म का ऑफर ठुकरा दिया है। इस खबर पर चुप्पी तोड़ते हुए फिल्म के डायरेक्टर राही अनिल बर्वे ने इसे महज एक अफवाह बताया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एकता कपूर की फिल्म के लिए श्रद्धा कपूर ने 17 करोड़ रुपए की डिमांड की थी। एकता कपूर को यह रकम बहुत ज्यादा लगी। उनके मुताबिक एक फीमेल लीड के लिए इतनी बड़ी अमाउंट देना सही नहीं है। इससे फिल्म की बजट पर असर पड़ सकता है। श्रद्धा कपूर कपूर को यह बात नागवार गुजरी इसलिए उन्होंने एकता की फिल्म छोड़ दी है। ऐसी चर्चा की प्रोडक्शन टीम ने नए लीड एक्ट्रेस की तलाश शुरू कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक फिल्म के लिए कई टॉप एक्ट्रेस से बातचीत चल रही है। बताया जा रहा है कि श्रद्धा कपूर ने 'स्त्री 2' के हिट होने के बाद अपनी फीस बढ़ा दी है। इसी के चलते उन्होंने एकता कपूर की बड़े बजट की थ्रिलर फिल्म से कदम पीछे खींच लिए हैं। इस फिल्म को तुम्बाड फेम डायरेक्टर राही अनिल बर्वे डायरेक्ट करने वाले थे। डायरेक्टर ने श्रद्धा कपूर के फिल्म छोड़े जाने वाली बात को महज एक अफवाह बताया है। उन्होंने इस बात का खुलासा बातचीत के दौरान किया है। डायरेक्टर के मुताबिक इस समय वो वेब सीरीज रक्त ब्रह्मांड पर काम कर रहे हैं। इसके बाद एकता कपूर की फिल्म करेंगे। वहीं श्रद्धा कपूर को लेकर खबर है कि वो दिनेश विजान, बोनी कपूर और भूषण कुमार जैसे प्रोड्यूसर्स के साथ कई प्रोजेक्ट्स पर बात कर रही हैं।

मणिरत्नम ने 'ठग लाइफ' में सान्या मल्होत्रा की भूमिका का किया खुलासा, कास्टिंग के पीछे की बताई वजह

कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ का गाना जिंगुचा का एक झलक दिखा, तो उसमें सान्या मल्होत्रा और सिलंबरासन को एक साथ डांस करते देखा गया। इसने दर्शकों के मन में कई सवाल पैदा किए, कुछ ने तो यहां तक कहा कि वह फिल्म में मुख्य भूमिका में होंगी। हालांकि, अब इन सभी सवालों के जवाब देते हुए खुद निर्देशक मणिरत्नम ने अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा के रोल को लेकर खुलासा किया है।

कैमियो में नजर आएंगी सान्या

ठग लाइफ फिल्म के निर्देशक मणिरत्नम ने हाल ही में तमिल पत्रिका विकटन से बात की। इस दौरान उन्होंने फिल्म में सान्या की मौजूदगी को लेकर बात की। डायरेक्टर ने कहा, 'वह फिल्म में एक छोटी सी भूमिका निभा रही हैं और केवल गाने में दिखाई देंगी। यह एक दोस्ताना भूमिका है। वह एक बेहतरीन डांसर और एक अच्छी इंसान हैं।' इस बात से निर्देशक ने लग रहे सभी कयासों को गलत साबित कर दिया है।

सान्या को कास्ट करने की बताई वजह

आगे बातचीत में निर्देशक मणिरत्नम ने सान्या मल्होत्रा को कास्ट करने के पीछे वजह बताई है। उन्होंने कहा, 'कहानी दिल्ली की है, तो हमें उसी तरह का फ्लेवर चाहिए था। हमें उत्तर भारतीय चेहरा चाहिए था, इसलिए हमने उन्हें चुना।' इस फिल्म में सान्या के अलावा रोहित सराफ और अली फजल भी नजर आएंगे।

Hera Pheri: 3

परेश रावल की जगह बाबू भैया के किरदार में दिखेंगे पंकज त्रिपाठी?

फिल्म 'हेरा फेरी 3' से परेश रावल के किनारा करने के बाद खबर आई कि उनकी जगह पर मेकर्स पंकज त्रिपाठी को ले सकते हैं। अब इस पर खुद एक्टर का बयान सामने आ गया है।

दिग्गज अभिनेता परेश रावल के 'हेरा फेरी 3' से खुद को बाहर करने के बाद से ही उनकी जगह पर दूसरे एक्टर को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। आइकॉनिक किरदार बाबू भैया के लिए पंकज त्रिपाठी का नाम सबसे ऊपर आ रहा है। लेकिन क्या वाकई पंकज त्रिपाठी बाबू भैया की भूमिका निभाएंगे? इस पर खुद एक्टर ने अब रिएक्शन दिया है।

पंकज त्रिपाठी ने दी प्रतिक्रिया

एक इंटरव्यू के दौरान पंकज त्रिपाठी से पूछा गया कि सोशल मीडिया पर लोग उन्हें हेरा फेरी 3 में कास्ट किए जाने की बात कर रहे हैं। इस पर अभिनेता ने जवाब देते हुए कहा कि वो कभी भी खुद को परेश रावल के बराबर नहीं समझते। पंकज ने कहा, 'मैंने भी लोगों की बातें सुनी और पढ़ीं, लेकिन मैं खुद को उस किरदार के लायक नहीं मानता। परेश जी एक बेहतरीन कलाकार हैं। उनके सामने मैं कुछ भी नहीं हूं।'

पकंज त्रिपाठी का नाम सबसे ऊपर

बता दें जहां एक ओर पंकज त्रिपाठी की कॉमिक टाइमिंग और अभिनय की तारीफ होती रही है, वहीं दर्शकों के बीच बाबू भैया का किरदार एक अलग ही भावनात्मक जुड़ाव रखता है। ऐसे में सोशल मीडिया पर फैंस परेश की जगह पकंज त्रिपाठी का ही नाम ले रहे हैं जो इस रोल को अच्छे से निभाने का दम रखते हैं।

परेश रावल ने छोड़ी फिल्म 'हेरा फेरी 3'

परेश रावल के अचानक हेरा फेरी 3 से अलग होने की वजहों पर काफी चर्चा हो रही है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अक्षय कुमार की प्रोडक्शन कंपनी ने परेश रावल पर 25 करोड़ का दावा ठोंका है। आरोप लगाया गया है कि परेश रावल ने फिल्म साइन करने के बाद अचानक शूटिंग बीच में छोड़ दी। हालांकि, परेश रावल ने खुद सोशल मीडिया पर बयान जारी कर साफ किया कि उनके और निर्देशक प्रियदर्शन के बीच कोई क्रिएटिव मतभेद नहीं है और उन्होंने अपनी मर्जी से फिल्म छोड़ी है।

-साभार-एजेंसी